epaper.vaartha.com

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-28 अंक : 303 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.11 2080 रविवार, 21 जनवरी-2024

हेमंत सोरेन बोले- मैं डरने वाला नहीं

रांची, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के जमीन घोटाला केस में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज साढ़े सात घंटे तक पूछताछ की। सीएम से पूछताछ के बाद ईडी के अधिकारी सीएम आवास से तीन गाड़ियों से बाहर निकले। जांच एजेंसी के अधिकारी सीएम हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए आज दोपहर 1:00 बजे मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश किए थे। पूछताछ के बाद शाम 8:30 बजे आवास से निकल गए।

ईडी के अधिकारियों के निकलने के बाद सीएम हेमंत सोरेन एलपीएन सहदेव चौक पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

>14

पीएम मोदी ने 'अंगी तीर्थ' में लगाई आस्था की डुबकी

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु दौरे पर शनिवार को अंगी तीर्थ समुद्र तट पर स्नान किया। इसके बाद उन्होंने भगवान रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान पीएम मोदी हाथ में रुद्राक्ष माला पहने नजर आए। पीएम मोदी को पुजारियों की ओर से पारंपरिक भेंट दी गई। उन्होंने तमिलनाडु के प्राचीन शिव मंदिर रामनाथस्वामी में आयोजित भजनों में भी हिस्सा लिया।

रामायण से है इस मंदिर का संबंध

तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम द्वीप में स्थित शिव मंदिर का भी रामायण से संबंध है, क्योंकि यहां का शिवलिंग श्रीराम ने स्थापित किया था। भगवान राम और देवी सीता ने यहां प्रार्थना की थी। तिरुचिरापल्ली जिले में

रंगनाथस्वामी मंदिर में पूजा करने के बाद पीएम मोदी एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर से रामनाथपुरम पहुंचे। यहां बीजेपी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। पीएम मोदी तमिलनाडु के रंगनाथस्वामी मंदिर आने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।

पीएम ने हाथी से लिया था आशीर्वाद

पूजा के दौरान पीएम मोदी ने पारंपरिक परिधान धोती और अंगवस्त्रम (शॉल) पहनकर भगवान विष्णु के मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। पीएम ने वैष्णव संत-गुरु श्री रामानुजाचार्य और श्री चक्रथाझवार को समर्पित कई अलग-अलग पूजास्थलों में प्रार्थना की। उन्होंने यहां यहां अंदल नामक हाथी को गुड़ खिलाया और उससे आशीर्वाद लिया था।

तमिल में मंदिर के इष्टदेव को रंगनाथर के नाम से जाना जाता है। रंगनाथस्वामी मंदिर की ओर से पीएम मोदी को अंगवस्त्रम (शॉल) और कपड़े भेंट किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वस्त्रों को अयोध्या में श्री राम मंदिर ले जाया जाएगा जहां सोमवार को भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होनी है।

श्रीरंगम मंदिर तमिलनाडु का एक प्राचीन वैष्णव मंदिर है और यह संगम युग का है।

ज्ञानवापी टैंक की सफाई का काम पूरा

वाराणसी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर में वजूस्थल पर बने टैंक की सफाई का काम शनिवार को पूरा कर लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नगर पालिका मत्स्य विभाग समेत 26 सदस्यीय टीम ने सफाई का काम पूरा किया। मौके पर वाराणसी के डीएम मौजूद रहे।

इस दौरान सीआरपीएफ और पुलिस की तगड़ी सुरक्षा रही। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से साफ-सफाई की गई, दोनों पक्षों की सहमति से सफाई का काम सही से हुआ है। वहां किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है। सर्वे के दौरान जो स्थिति थी बिल्कुल वैसी स्थिति है। सफाई का काम 2 घंटे चला।

>14

एक साथ चुनाव होने पर हर 15 साल में खरीदने होंगे 10000 करोड़ के ईवीएम

सरकार से बोला चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। देश में अगर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो नई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की खरीद के लिए चुनाव आयोग (ईसी) को हर 15 साल में करीब दस हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। देश में चुनाव कराने वाली शीर्ष संस्था ने सरकार को लिखे एक पत्र में यह बात कही। पत्र में आयोग ने कहा कि ईवीएम पंद्रह साल तक चलती है। एक साथ चुनाव कराए जाने पर ईवीएम के एक सेट का इस्तेमाल तीन दौरे के चुनाव कराने के लिए किया जा सकता है। इस साल आम चुनाव कराने के लिए देशभर में करीब 11.80 लाख मतदान केंद्र बनाने की जरूरत होगी। एक साथ चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईवीएम के दो सेट (एक लोकसभा सीट के लिए और दूसरा विधानसभा क्षेत्र के लिए) की जरूरत होगी। आयोग ने पिछले अनुभवों के आधार पर सरकार को पत्र भेजा। इसमें कहा गया, मतदान के दौरान दोषपूर्ण इकाइयों को बदलने के लिए कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की आवश्यकता होती है। आयोग ने पिछले साल फरवरी में कानून मंत्रालय को पत्र लिखा था। इसमें उसने कहा था कि विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एक साथ चुनाव कराने के लिए कम से कम 46,75,100 बैलेट यूनिट, 33,63,300 कंट्रोल यूनिट और 36,62,600 वीवीपीएटी मशीनों की आवश्यकता होगी।

>14

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर हमला

गुवाहाटी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सातवें दिन अरुणाचल प्रदेश पहुंची। इससे पहले यात्रा असम से होकर गुजरी। जहां यात्रा के काफिले पर हमला किया गया। कांग्रेस ने हमले का आरोप भाजपा पर लगाया है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा, भाजपा के गुंडों ने पोस्टर-बैनर फाड़े, गाड़ियों में तोड़फोड़ की। ये यात्रा को मिल रहे समर्थन से घबरा गए हैं। एक ही दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा था कि कांग्रेस की न्याय यात्रा को सुरक्षा नहीं दी जाएगी, यात्रा शहर से नहीं जाने देंगे। जयराम रमेश ने कहा, मेरा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से निवेदन है कि वे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से सिर्फ 2 बातें कहें।

>14

प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे से भाजपा करेगी चुनावी सफर का आगाज

पटना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद केंद्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस माह के आखिरी में होने वाले बिहार दौरे से लोकसभा चुनाव का शंखनाद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 या 28 जनवरी को बिहार दौरे पर आ सकते हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति रहेंगे, जिसकी वजह से पीएम के 27 जनवरी के दौरे में बदलाव हो सकता है। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और बेतिया से सांसद डॉ संजय जायसवाल ने इसकी पुष्टि की है। प्रधानमंत्री मोदी का विस्तृत कार्यक्रम अभी आना बाकी है लेकिन इतना तय है कि इस दौरान प्रधानमंत्री तिरहुत प्रक्षेत्र के बेतिया, बाल्मिकीनगर, मोतिहारी, शिवहर और मुजफ्फरपुर क्षेत्र को कई सौगात दे सकते हैं। पीएम यहां योजनाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण से नरेन्द्र मोदी भाजपा के अभियान का श्रीगणेश करते हुए विपक्षी दलों के सामने चुनौती पेश करेंगे। बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि बेतिया में तीन स्थानों का प्रस्ताव दिया गया है लेकिन सुगौली का मैदान प्राथमिकता में है। प्रधानमंत्री का बेतिया के अतिरिक्त बेगूसराय एवं औरंगाबाद में भी कार्यक्रम होना है। हालांकि, इसकी तिथि अभी तय नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से जदयू के साथ तालमेल कर 39 सीटों पर कब्जा किया था। बाद में बिहार में 16 सीटें जीतने वाले जदयू ने गठबंधन बदलकर भाजपा से दोस्ती तोड़ ली थी। बिहार में नीतीश कुमार के विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में शामिल होने के बाद भाजपा के लिए सियासी चुनौती बढ़ गई है। क्योंकि, जदयू-राजद,कांग्रेस और लेफ्ट के एक साथ है। इस लिहाज से भाजपा के लिए 2024 में 2019 जैसे नतीजे दोहराना आसान नहीं है। इसके चलते पार्टी ने पीएम मोदी की रैली कराने की रूपरेखा बनाई है।

लालू यादव के बाद उनके करीबियों की मुश्किलें बढ़ी

पूर्व एमएलए अरुण यादव के घर पहुंची सीबीआई की टीम

पटना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बाद उनके करीबियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लालू यादव के बेहद करीबी संदेश विधायक किरण देवी के घर शनिवार को सीबीआई की टीम पहुंची है।

बालू के काले कमाई से जुड़े मामले में पूछताछ करने का नोटिस लेकर सीबीआई की टीम पहुंची है। पूर्व विधायक अरुण यादव से पूछताछ करने दिल्ली से पांच सदस्यीय टीम पहुंची है। अरुण यादव घर पर मौजूद नहीं हैं। अरुण यादव की पत्नी और संदेश विधायक किरण देवी को सीबीआई की टीम ने नोटिस सौंपा है।

बिहार के आरा में सीबीआई ने दस्तक दी है। आरजेडी विधायक के घर के घर पहुंची सीबीआई ने समन दिया है। आरजेडी विधायक किरण देवी और उनके पती अरुण यादव बड़े बालू कारोबारी हैं और लालू प्रसाद के करीबी हैं। सीबीआई की टीम सुबह अरुण यादव के अंगियांव स्थित आवास पर पहुंची तो पूर्व विधायक अरुण यादव घर पर नहीं थे।

आरजेडी विधायक किरण देवी आवास पर मौजूद थी। सीबीआई के दिए गए समन में क्या लिखा गया है और पूर्व विधायक को पूछताछ के लिए कब बुलाया गया है? इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बालू के कारोबार या बेनाम संपत्ति मामले में सीबीआई ने समन दिया है।

भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवास की हत्या मामले में पीएफआई से जुड़े 15 लोग दोषी करार

22 जनवरी को सुनाई जाएगी सजा

कोच्चि, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की अदालत ने शनिवार को 15 प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) कार्यकर्ताओं को ओबीसी मोर्चा के राज्य सचिव रंजीत श्रीनिवासन की हत्या का दोषी पाया। इस मामले में कुल 31 आरोपी हैं और शनिवार को पहले 15 आरोपियों पर फैसला सुनाया गया। शनिवार को मावेलिकेरा की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी।जी।श्रीदेवी ने सभी 15 आरोपियों को हत्या का दोषी पाया और अब 22 जनवरी को सजा सुनाएगी। मृतक के परिवार ने फैसले पर खुश हुए और उम्मीद जताई कि आरोपियों को अधिकतम सजा मिलेगी। गौरतलब है कि अलाप्पुझा बार में प्रैक्टिस करने वाले वकील रंजीत श्रीनिवासन 2021 में अलाप्पुझा विधानसभा क्षेत्र के लिए भाजपा के उम्मीदवार थे।

बीजेपी में शामिल हुए आप के पूर्व नेता अशोक तंवर

सीएम खट्टर की मौजूदगी में ली पार्टी की सदस्यता

चंडीगढ़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी के चुनाव कैंपेन कमेटी के चेयरमैन अशोक तंवर ने दो दिन पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।वहीं, आज उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। आप से इस्तीफा देने के बाद अशोक तंवर ने बीजेपी को ज्वाइन की है। सीएम मनोहर लाल ने अशोक तंवर का पार्टी में स्वागत किया है। बता दें कि इससे पहले अशोक तंवर कांग्रेस में थे, फिर वह आप में शामिल हुए और अब वह आप से इस्तीफा देकर बीजेपी से जुड़ गए हैं। जानकारी के मुताबिक, अशोक तंवर ने आप की कांग्रेस से बढ़ती हुई नजदीकियों के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है।

इंदौर देवास बस में आग लगी, यात्रियों ने उतर कर बचाई जान

इंदौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। देवास से इंदौर की तरफ लौट रही अटल इंदौर सिटी बस कंपनी की एक बस में शनिवार को आग लग गई। बस में कई यात्री सवार थे,लेकिन धुआं उठते देख ड्रायवर ने बस को एक तरफ खड़ा किया और यात्रियों को बस से उतरने के लिए कहा। कुछ ही देर में पूरी बस खाली हो गई। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया।

'शिवसेना पर दिया फैसला गैरकानूनी'

नार्वेकर और शिंदे सरकार पर जमकर बरसे संजय राउत

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और शिंदे सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि शिवसेना को लेकर अध्यक्ष ने जो फैसला सुनाया, वह पूरी तरह से गैरकानूनी था।

यह है मामला

दरअसल, हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित 16 विधायकों की अयोग्यता मामले में अपना फैसला सुनाया था। अध्यक्ष ने अपने फैसले में जहां इन विधायकों को अयोग्य करार देने से इनकार कर दिया। वहीं, शिवसेना के शिंदे गुट को ही

असली शिवसेना माना। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि एकनाथ शिंदे पार्टी के संविधान के मुताबिक ही विधायक दल के नेता बने थे।

राउत का हमला

संजय राउत ने कहा, 'शिवसेना को लेकर स्पीकर ने जो फैसला दिया है, वह पूरी तरह से गैर कानूनी था। हमारे पास जो भी सबूत थे, हमने चुनाव आयोग को दे दिए थे। हमने सारी जानकारी जनता तक को दे दी थी। सबूत रखकर उनका नकाब हटाकर बेनकाब कर दिया। जिसके बाद वे बौखला गए और अगले दिन से हमारे लोगों को ईडी और आईटी से नोटिस मिलने लगे।' उन्होंने कहा कि सभी बड़े नेता जो शिवसेना (यूबीटी) में शामिल होना चाहते थे, उनके घरों पर ईडी के नोटिस पहुंचा दिए जाते। उन्हें शिवसेना (यूबीटी) के आसपास भी नहीं जाने की धमकी दी जाती है। यह देश की राजनीति है। ये लोग धमकी और डर बनाकर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

शिंदे मुख्यमंत्री बने रहेंगे

विधानसभा स्पीकर नार्वेकर ने शिंदे गुट के सदस्यों की अयोग्यता याचिका पर 1200 पन्नों के फैसले के मुख्य बिंदुओं को सदन में सुनाया था। उन्होंने कहा था कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। एकनाथ शिंदे के पास 55 में 37 विधायक हैं। शिंदे गुट के सभी विधायकों की सदस्यता बरकरार रहेगी। यानी एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

10वीं की छात्रा ने बच्चे को दिया जन्म

बेंगलुरु, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने एक युवक को अपनी नाबालिग चचेरी बहन को गर्भवती करने के आरोप में पॉक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है. कक्षा 10 में पढ़ने वाली नाबालिग ने पिछले महीने एक बच्चे को जन्म दिया था.घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए, स्थानीय शिक्षा विभाग ने लापरवाही के लिए कलबुर्गी जिले के एक सरकारी आवासीय विद्यालय के प्रिंसिपल और वार्डन को निलंबित कर दिया. पुलिस के मुताबिक, पीड़िता आवासीय विद्यालय की छात्रा थी और उसने 28 दिसंबर 2023 को बच्चे को जन्म दिया था. पीड़िता को उसके नवजात बच्चे के साथ वर्तमान में कलबुर्गी के अमूल्य शिशु गृह में रखा गया है.

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अयोध्या में रहेंगे पीएम मोदी

क्या करेंगे राहुल गांधी; जयराम रमेश ने बताया

लखीमपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर हर कोई उत्सुक है। कार्यक्रम के लिए कई विपक्षी पार्टियों को भी न्योता दिया गया था, लेकिन उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस द्वारा निमंत्रण को ठुकराने के बाद खूब राजनीति भी हुई। पीएम मोदी इस राम मंदिर कार्यक्रम के मुख्य यजमान होंगे। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पार्टी लाइन के अनुसार, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएंगे। उस दिन राहुल क्या करेंगे इस बात का भी अब खुलासा हो गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर श्री शंकरदेव की जन्मस्थली असम के नागांव जिले में बोरदोवा सत्रा का दौरा करेंगे। 22 जनवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नौवां दिन है और सुबह 7 बजे राहुल गांधी नागांव जिले के बोरदोवा सत्रा जाएंगे, जो शंकरदेव का जन्मस्थान है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि शंकरदेव हमारे देश के महान धार्मिक गुरु और समाज सुधारकों में से एक हैं और 15 वीं और 16 वीं शताब्दी के दौरान उनका योगदान एक आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उनकी शिक्षाएं हम सबके लिए महत्वपूर्ण हैं।

'गुरुजी' बनकर करता था ठगी

एनसीपी शरद पवार ग्रुप से है कनेक्शन

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बोरीवली पुलिस ने एक महिला से धोखाधड़ी के मामले में एनसीपी पदाधिकारी गुरुजी उर्फ ऋषि पांडे को गिरफ्तार किया है। गुरुजी उर्फ ऋषि पांडे को मुंबई के चारकोप इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पांडे एनसीपी शरद पवार ग्रुप का पदाधिकारी बताया जाता है। एनसीपी में टूट के बाद यह पार्टी अजित पवार और शरद पवार के खेमे में बंट गई है। बताया जा रहा है कि यह ऋषि पांडे शरद पवार गुट का पदाधिकारी है। जानकारी के मुताबिक ऋषि पांडे ने बोरीवली पुलिस स्टेशन में गुरुजी बनकर पुलिस से परिचय कायम किया और फिर महिला की मदद करने की बात कहकर महिला से लाखों रुपये ऐंठ लिए। बाद में महिला ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कराया था जिसमें अब जाकर गिरफ्तारी हुई है। कुल कितने लाख रूपये ठगी के जरिये ऐंठे गए हैं, इस पर अभी चीजें साफ नहीं हुईं हैं। हालांकि पुलिस इस सिलसिले में और जानकारी जुटा रही है।

अयोध्या जाने का बनाया था प्लान

आरोपी ऋषि पांडे मथुरा, गुजरात सोमनाथ, उज्जैन जैसे कई मंदिरों में दर्शन कर चुका है और देवदर्शन के बाद अयोध्या जाने की तैयारी में था। बोरीवली पुलिस ने आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। पुलिस की मानें तो आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस ढोंगी बाबा ने कई लोगों से ठगी की है। महिला भा उसी कड़ी में शिकार हुई। अब जाहिर सी बात है कि पुलिस ढोंगी शख्स को अपनी गिरफ्त में लेकर आगे की पूछताछ करेगी।

आदित्य ठाकरे ने श्रीकांत शिंदे के आधिकारिक नीदरलैंड दौरे पर उठाए सवाल

पूछा- कौन उठा रहा खर्चा

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उद्धव गुट की शिवेसना के नेता आदित्य ठाकरे ने सांसद श्रीकांत शिंदे के नीदरलैंड के आधिकारिक दौरे पर सवाल खड़े किए हैं। बिना नाम लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बागियों का एक सांसद कल्याण डोंबिवली और ठाणे के नागरिक आयुक्तों और मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण(एमएमआरडीए) के अतिरिक्त आयुक्त के साथ नीदरलैंड गया है।

आदित्य ठाकरे का श्रीकांत शिंदे के नीदरलैंड दौरे पर सवाल

उद्धव गुट की शिवसेना के नेता ने कड़े सवाल खड़े करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने कब से सांसदों को शहरी विकास विभाग के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की अनुमति देना शुरू कर दिया है। आदित्य ठाकरे ने गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या इस प्रतिनिधिनमंडल का नेतृत्व इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह संबंधित विभाग के मंत्री के बेटा है या इसलिए कि वह एक सांसद हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि क्या विदेश मंत्रालय ने इस दौरे के लिए मंजूरी दे दी है। साथ ही कहा कि इस यात्रा के लिए किसने भुगतान किया है, महाराष्ट्र सरकार या नीदरलैंड सरकार ने। गौरतलब है कि श्रीकांत शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं। वह कल्याण लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

महाराष्ट्र के भक्तों को भाजपा कराएगी अयोध्या में दर्शन

तमाम राजनीतिक बयानबाजी के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र को राममय बनाने की तैयारी शुरू की है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रदेश भाजपा ने अयोध्या दर्शन अभियान चलाने की योजना बनाई है। इस अभियान का प्रमुख संजय उपाध्याय को बनाया गया है। वहीं, मुंबई भाजपा सचिव प्रमोद मिश्र को रामलला के दर्शन का प्रमुख बनाया गया है,

हिंदू सेना ने बाबर रोड के बोर्ड पर चिपकाया

'अयोध्या मार्ग' का स्टीकर, जारी किया बयान

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदू सेना ने शनिवार को नई दिल्ली में स्थित बाबर रोड के बोर्ड पर 'अयोध्या मार्ग' के नाम का स्टीकर चिपका दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह स्टीकर ललित होटल के पास लगे एक साइन बोर्ड पर चिपकाया गया। इस बारे में बयान देते हुए हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने कहा कि हिंदू सेना की बहुत लंबे समय से मांग थी कि बाबर रोड का नाम बदलकर किसी महापुरूष के नाम पर रखा गया। गुप्ता ने कहा कि आज हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने वह काम कर दिया और बाबर रोड का नाम बदलकर 'अयोध्या मार्ग' रख दिया। हालांकि बाद में स्टीकर को प्रशासन के द्वारा हटा दिया गया। विष्णु गुप्ता ने पूरे घटनाक्रम पर बोलते हुए कहा, 'आज हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में स्थित बाबर रोड का नाम बदलकर अयोध्या मार्ग रख दिया है। हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं की बहुत लंबे समय से मांग थी कि जेहादी और आतंकी बाबर के नाम वाली इस सड़क का नाम बदलकर किसी महापुरुष के नाम पर रखा जाए। आज हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने वह काम किया है। जब अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर का निर्माण हो चुका है और 22 तारीख को इसकी प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन है, ऐसे में दिल्ली में बाबर रोड का क्या काम।' हिंदू सेना के द्वारा स्टीकर चिपकाने के कुछ देर बाद ही प्रशासन के द्वारा स्टीकर को हटा दिया गया।

हिंदू सेना ने मनाया था ट्रंप का जन्मदिन

बता दें कि हिंदू सेना और विष्णु गुप्ता इससे पहले भी चर्चा में रह चुके हैं। हिंदू सेना ने 14 जून 2016 को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक जन्मदिन की पार्टी का आयोजन किया था। सेना ने पहले 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जीत के लिए प्रार्थना की थी। वहीं, 22 सितंबर 2021 को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के आवास में तोड़फोड़ करने के आरोप में हिंदू सेना के 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पर भी कई मौकों पर कार्रवाई की गई है।

रिपब्लिक डे और 22 जनवरी को सुरक्षा का सख्त पहरा

पूर्वी दिल्ली के इन क्षेत्रों का पुलिस ने किया एरियल सर्वे

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन और रिपब्लिक डे कार्यक्रम के मद्देनज दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों अलर्ट मोड में है। इस बीच पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के सख्त प्रबंध किए हैं। पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का एरियल सर्वेक्षण भी कराया है। साथ ही 26 जनवरी तक ड्रोन से अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। ताकि पुलिस कानून विरोधियों बिना समय गंवाए नियंत्रित कर सके। पूर्वी दिल्ली जिजा के अतिरिक्त डीसीपी अचिन गर्ग के मुताबिक 22 जनवरी और 26 जनवरी की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्होंने ये भी कहा है कि पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने सांप्रदायिक और आपराधिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन की मदद से हवाई गश्त की।

पुलिस ने इन क्षेत्रों में बढ़ाई चौकसी

पूवी दिल्ली पुलिस न सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाकों में चौकसी बढ़ा दी है। जिन क्षेत्रों में चौकसी बढऋाई गई है उनमें भजन पुरा, दिलशाद गार्डन, जगतपुरी, खजूरी खास, जाफराबाद, जहांगीरपुरी, आजादपुर सीलमपुर,ओखला, चांदवाण, खजूरो, मुस्तफाबाद, शिव विहारए जाफराबाद, मौजपुर, ब्रह्मपुरी, त्रिलोकपुरी, जामिया व अन्य इलाके शामिल हैं। पूर्वी दिल्ली के निशाने पर शरारती और राष्ट्र विरोधी तत्व हैं। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक किसी तरह की गलत टिप्पणी करने, धार्मिक या सांप्रदायिक भावनाओं को उकसाने वह अन्य अवैध गतिविधियों में लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा का सख्त पहरा

बता दें कि 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम है और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह है। इस बात को ध्यान में रखते हुए हर साल की तरह इस बार भी सुरक्षा का सख्त पहरा है, ताकि पक्षी भी पर न मार सके। इस बार भी 26 जनवरी को लेकर त्रि-स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था है। हजारों की संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

तंजावुर में भीषण सड़क हादसा चार लोगों की मौके पर ही मौत

तंजावुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। तंजावुर जिले के सेतुबावतत्रम में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दरअसल, पुलिस ने शनिवार को बताया कि एक वैन के एक दीवार से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, 11 लोगों को लेकर तूतीकोरिन से वेलानकन्नी जा रही वैन कल देर रात सेतुबावचत्रम में ईस्ट कोस्ट रोड पर मनोरा के पास दीवार से टकरा गई। घायलों को तंजावुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि चार लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पाट्टुकोत्तई के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल, उनके परिवार को इसकी जानकारी दे दी गई है और मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कोहरे में घुसपैठ की आशंका, सीमा पर बढ़ी निगरानी प्राण प्रतिष्ठा और गणतंत्र दिवस के लिए भी सुरक्षा कड़ी

जम्मू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में घने कोहरे के बीच सीमा पर घुसपैठ की आशंका बढ़ गई है। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों ने एलओसी और आईबी पर निगरानी बढ़ा दी है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा और गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर भी जम्मू शहर के साथ अन्य इलाकों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की स्पेशल ब्रांच के कर्मियों को तैनात किया गया है। रघुनाथ मंदिर समेत तमाम प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जबकि एलओसी से लेकर बॉर्डर तक हाई अलर्ट है। पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षा कवच तैयार किया है, लेकिन घना कोहरा चुनौती बन गया है। सीमांत क्षेत्रों में बॉर्डर पर इस समय विजिबिलिटी न के बराबर है। जानकारी के अनुसार अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। ऐसे में माहौल खराब न हो, शरारती तत्व

तनावपूर्ण स्थिति न बनाएं, इसके लिए गुज्जर नगर, जानीपुर, बनतालाब, बठिंडी, सिद्दड़ा, बेलीचराना में स्पेशल ब्रांच के कर्मी नजर रख रहे हैं। सीमा पार से कठुआ, सांबा और जम्मू में घुसपैठ की साजिश है। ऐसी जानकारी है कि आईएसआई ने कार्यक्रम में खलल डालने के लिए आतंकी संगठनों पर घुसपैठ का दबाव बनाया है। इसके चलते बीएसएफ की ओर से बॉर्डर पर हाई अलर्ट किया गया है। डीआईजी जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज शक्ति पाठक की अध्यक्षता में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम व गणतंत्र दिवस को लेकर ठोस सुरक्षा रणनीति बनाई गई है। जिला पुलिस लाइन में पाठक ने जम्मू के एसएसपी से लेकर पुलिस चौकी अफसर तक के साथ बैठक की। जोर देकर कहा गया कि दोनों ही आयोजन अति महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण हैं। इसलिए सतर्क रहें। शहर में आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखें, होटलों की जांच करें, नाके बढ़ाएं, भीड़भाड़ के क्षेत्र में निगरानी रखें, कहीं पर जाम की स्थिति न बनने दें। सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त मोर्चा तैयार करने पर सहमति बनी है। डीआईजी शक्ति पाठक का कहना है कि सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त हैं।

होटल मालिकों से मांगा सहयोग

एसएसपी विनोद कुमार ने शहर के होटल मालिकों के साथ बैठक की। होटल मालिकों से कहा गया है कि अगले 5 दिन पूरी तरह से सतर्क रहें। होटल में हर एक व्यक्ति की गहन पूछताछ और उसका पहचान पत्र देखकर ही रुकने दें। सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से एक्टिव रखें। यदि कोई भी संदिग्ध लगे तो उसकी जानकारी तत्काल प्रभाव से संबंधित थाने में दें।

सार्वजनिक जगहों की ड्रोन से निगरानी

शहर के एमए स्टेडियम, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, सचिवालय, रघुनाथ मंदिर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। एसएसपी रेलवे मोहन कैथ का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त तैनाती की गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

अपने नजरिये में सही रहो, दुनिया का मत सोचो क्योंकि, दुनिया की नजरों में तो आपकी सौ अच्छाईयों पे आपकी एक गलती भारी हैं।

आईआईटी हैदराबाद में अग्रणी नवाचारों और प्रमुख उद्योग साझेदारों के साथ इन्वेंटिव 2024 संपन्न

समारोह में वैश्विक शिक्षा जगत और उद्योग जगत के नेताओं के बीच हुई चर्चा

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे बड़े अनुसंधान एवं विकास नवाचार समारोह, इन्वेंटिव-2024 का दूसरा संस्करण आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद में संपन्न हुआ। शिक्षा मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम, इन्वेंटिव ने उद्योग के हितधारकों और शिक्षा जगत के सामंजस्यपूर्ण अभिसरण को एक साथ लाया।

इन्वेंटिव-2024 के समापन समारोह ने आईआईटी हैदराबाद और ई-स्पिन नैनोटेक के बीच एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए जिसका लक्ष्य सेलूलोज़-आधारित नैनोफाइबर फेमिनिन हाइजीन उत्पादों के व्यावसायिक अनुप्रयोग को संचालित करना है। यूनाइटेड किंगडम, भारत और चीन में मान्यता प्राप्त यह पेटेंट तकनीक प्रभावी ढंग से दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करती है: जैव निम्नीकरण और स्वास्थ्य संबंधी खतरे। पारंपरिक फेमिनिन हाइजीन उत्पादों में पर्यावरण के अनुकूल नैनोफाइबर के साथ गैर-बायोडिग्रेडेबल सुपर अवशोषक पॉलिमर परत को प्रतिस्थापित करके, प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के लिए तैयार है। 19 जनवरी 2024 को हस्ताक्षर समारोह में प्रो. बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद, और डॉ. संदीप पाटिल, निदेशक, ई-स्पिन नैनोटेक शामिल थे। यह लक्ष्य भारत सरकार के शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के दृष्टिकोण से मेल खाता है। आईआईटी हैदराबाद में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, भारत, नवाचार का उद्गम स्थल, एक परिवर्तनकारी युग में सबसे आगे खड़ा है जहां अभूतपूर्व विचार नेतृत्व की पहचान होगी। राष्ट्र अद्वितीय अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से प्रगति को आगे बढ़ाते हुए, दृढ़ता से इंडस्ट्री 4.0 के दायरे में अपना मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बारे में बोलते हुए, प्रौद्योगिकी के प्रमुख शोधकर्ता और आईआईटी हैदराबाद के डीन, प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श, प्रोफेसर चंद्र शेखर शर्मा ने कहा, मुझे इन्वेंटिव प्लेटफॉर्म के माध्यम से आज इस स्तर तक पहुंचने में खुशी हो रही है। हमें इस स्तर पर पहुंचने में थोड़ा अधिक समय लगा क्योंकि जब यह आविष्कार हुआ तब नैनोफाइबर तकनीक औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार नहीं थी। शिक्षा मंत्रालय के अलावा, मैं आविष्कार से नवाचार तक की इस यात्रा को सफल बनाने के लिए ई-स्पिन नैनोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी बनाने में उनके समर्थन के लिए कपड़ा मंत्रालय को भी धन्यवाद देता हूं। हम आने वाले महीनों में इस उपयोगकर्ता और पर्यावरण अनुकूल स्त्री स्वच्छता उत्पाद को बाजार में लाने के लिए काफी उत्साहित हैं।

दो दिवसीय कार्यक्रम में इनमें से प्रत्येक डोमेन के तहत आकर्षक पैनल चर्चाएं हुईं, गहन अंतर्दृष्टि को बढ़ावा दिया गया, ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाया गया और उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और नवप्रवर्तकों के बीच सहयोगात्मक संवादों को प्रज्वलित किया गया। इस अभिसरण का उद्देश्य छात्रों को वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाना और देश के भविष्य के लिए बीज बोना है।

इन्वेंटिव 2024 के महत्व के बारे में बोलते हुए, एप्लाइड मैटेरियल्स, इंक. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और वैश्विक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, श्री ओमकारम नालामासु ने कहा, इन्वेंटिव 2024 जैसे प्लेटफॉर्म अग्रणी तकनीकी संस्थानों, उद्यमियों, उद्योग और सरकार को एक साथ लाते हैं। इन संस्थानों के आविष्कारों को मूल्यवर्धित नवाचारों में बदलने के लिए इन हितधारकों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता होती है, जिससे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में योगदान मिलता है। एप्लाइड मैटेरियल्स में, हम कई शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ काम करते हैं, और मुझे ऊर्जा और पर्यावरण, एआई, आईओटी, उद्योग 4.0, हरित ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग का पता लगाने के लिए इन्वेंटिव में आकर खुशी हो रही है। मैं आईआईटी हैदराबाद की टीम को ऐसे ज्ञानवर्धक नवाचार मेले के आयोजन के लिए बधाई देता हूं जो शिक्षा जगत और उद्योग को एक साथ लाता है।"

नवाचार को प्रभाव से जोड़ने के बारे में बोलते हुए, एनआईटी कर्नाटक, सुरथकल के निदेशक, प्रोफेसर भल्लामुदी रवि ने कहा, "संकल्पना और विकास से प्रोटोटाइप तक की यात्रा में, प्रत्येक तकनीक या नवाचार अपने अंतिम उत्पाद तक पहुंचने के लिए इन महत्वपूर्ण चरणों से गुजरता है। विघटनकारी नवाचारों को बढ़ावा देने के बारे में बोलते हुए, आईआईएससी बैंगलोर के निदेशक, प्रोफेसर गोविंदन रंगराजन ने कहा, विघटनकारी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए, एक ऐसा वातावरण बनाना महत्वपूर्ण है जो परिवर्तन को अपनाता है, आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच को प्रोत्साहित करता है, और संसाधन और मंच प्रदान करता है। व्यक्तियों के लिए अपरंपरागत विचारों का पता लगाना, अंततः उद्योग में परिवर्तनकारी प्रगति को बढ़ावा देना। इन्वेंटिव 2024 इस लोकाचार के प्रमाण के रूप में खड़ा है, जो विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी परिवर्तनों को उत्प्रेरित करने वाला एक गतिशील मंच प्रदान करता है।"

सीएम रेवंत तेलंगाना के एकनाथ शिंदे हैं: केटीआर

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के तारकरामा राव ने आज तेलंगाना भवन में हैदराबाद और सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्रों के पार्टी नेताओं को संबोधित किया। केटीआर ने कहा कि संसद चुनाव के बाद कांग्रेस और बीजेपी एक साथ आएंगे और रेवंत रेड्डी तेलंगाना के एकनाथ शिंदे बन जाएंगे। उन्होंने कहा, ''तेलंगाना में रेवंत रेड्डी मिनी मोदी बन गए हैं और उनमें बीजेपी का खून दौड़ रहा है।'' केटीआर ने कहा कि जब राहुल गांधी अडानी के खिलाफ बोल रहे थे, रेवंत रेड्डी उनके साथ व्यापार कर रहे थे। उन्होंने कहा, "पहले रेवंत रेड्डी ने अडानी पर हमला किया था, लेकिन अब वह स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूईएफ में अडानी से हाथ मिला रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने पहले कहा था कि अडानी और प्रधानी डबल इंजन थे और अब यह ट्रिपल इंजन बन गए हैं।" रेवंत रेड्डी के बयानों की आलोचना करते हुए, केटीआर ने उनसे अपने वादे के अनुसार 100 दिनों के भीतर वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और बाद में वह बीआरएस पार्टी को 100 मीटर जमीन में दफनाने के बारे में सोच सकते हैं। केटीआर ने पूछा, "आप बीआरएस पार्टी को क्यों दफनाएंगे? क्या यह तेलंगाना हासिल करने के लिए, तेलंगाना के विकास के लिए या कांग्रेस पार्टी के झूठे वादों पर सवाल उठाने के लिए है?" बीआरएस पार्टी ने अपनी यात्रा में रेवंत रेड्डी जैसे हजारों अहंकारी नेताओं को देखा है। पार्टी दो दशकों से अधिक समय से मजबूत है और उसने ऐसे नेताओं को उनकी जगह दिखा दी है, उन्होंने कहा कि केटीआर ने कहा कि लोगों को तब तक मौजूदा बिलों का भुगतान नहीं करना चाहिए जब तक कि गृह ज्योति योजना के तहत मुफ्त बिजली प्रदान नहीं की जाती, जैसा कि चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत रेड्डी ने वादा किया था। उन्होंने रेवंत रेड्डी के शब्दों को याद किया, जिन्होंने कहा था कि कांग्रेस के सत्ता में लौटने के बाद सोनिया गांधी मौजूदा बिलों का भुगतान करेंगी। उन्होंने कहा, अगर अधिकारी मौजूदा बिलों का भुगतान मांगते हैं, तो उन्हें रेवनाथ रेड्डी का वीडियो दिखाएं। उन्होंने लोगों से अपने मौजूदा बिल नई दिल्ली में सोनिया गांधी के घर 10 जनपथ पर भेजने के लिए भी कहा। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस को अपने वादे के मुताबिक हैदराबाद में गृह ज्योति योजना के तहत मुफ्त बिजली देनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पार्टी इस योजना को तत्काल प्रभाव से लागू करे और इसे उन किरायेदारों पर भी लागू किया जाए, जो किराए के मकानों में रहते हैं। केटीआर ने मांग की कि कांग्रेस सरकार तुरंत महा लक्ष्मी योजना के तहत राज्य की प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये का वितरण शुरू करे। अगर कांग्रेस सरकार वादों को पूरा न करके भागने की कोशिश करेगी तो बीआरएस पार्टी उन्हें नहीं बख्शेगी।

केटीआर ने स्पष्ट किया कि भाजपा और बीआरएस अब या भविष्य में किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करेंगे। केटीआर ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी पर हमला बोलते हुए पूछा कि रेड्डी ने अपने पद पर रहते हुए तेलंगाना के लिए क्या किया.

उन्होंने कहा कि जहां केसीआर ने कालेश्वरम परियोजना का निर्माण किया, वहीं किशन रेड्डी ने सीताफल मंडी रेलवे स्टेशन पर लिफ्टों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने 36 फ्लाईओवर का निर्माण किया है, लेकिन भाजपा उप्पल और अंबरपेट फ्लाईओवर के निर्माण को पूरा करने में वर्षों लगा रही है।

केटीआर ने उन नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने हैदराबाद में बीआरएस की जीत के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने विधानसभा चुनाव में बीआरएस का साथ देने के लिए हैदराबाद की जनता को धन्यवाद दिया। भाजपा और उसके नेतृत्व पर हमला करते हुए केटीआर ने कहा कि केवल बीआरएस के पास राज्य में भाजपा को प्रतिबंधित करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता कुछ विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने से डरते थे क्योंकि उन्हें पता था कि वे बीआरएस उम्मीदवारों से हार जाएंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे बीआरएस पार्टी के लिए सिर्फ एक स्पीड ब्रेकर थे और नतीजे चाहे जो भी हों, पार्टी लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस शासन के केवल 50 दिनों में, ऑटो चालकों सहित कई क्षेत्रों के लोग पीड़ित थे और आत्महत्या कर रहे थे। केटीआर ने कहा कि किसानों को रायथु बंधु का पैसा नहीं मिल रहा है, महिलाओं को 2,500 रुपये नहीं मिल रहे हैं, कांग्रेस सरकार योजनाओं को लागू करने से बचने की कोशिश कर रही है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस ने छह गारंटी नहीं बल्कि 420 वादे किये थे. केटीआर ने कहा, वह कांग्रेस पार्टी से तब तक सवाल करेंगे जब तक वे चुनावी वादे पूरे नहीं कर देते।

टास्कफोर्स अधिकारियों ने पीडीएस चावल जब्त किए

आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गरीबों के लिए आने वाले राशन के चावल की कालाबाजारी जोरों पर हो रही है। टास्कफोर्स पुलिस ने पीडीएस चावल पकड़ा, जिसे दूसरों से कम दर पर खरीदकर महाराष्ट्र में तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार के निर्देश पर टास्क फोर्स के अधिकारियों को मिली जानकारी के अनुसार मंचेरियल जिला बेल्लमपल्ली से पीडीएस चावल अवैध रूप से कागज नगर के रास्ते महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था।टास्क फोर्स पुलिस ने आज कागजनगर ग्रामीण में जांच की।थाना क्षेत्र वंजिरी गांव मुख्य सड़क पर जब मंचेरियल से आ रहे ट्रॉली ऑटो ने आपका निरीक्षण किया तब टास्क फोर्स सीआई सीएच ने महेंद्र ट्रॉली ऑटो नंबर टीएस19टी4432 में चार पाउंड चावल ले जाने और इसे कागजनगर ग्रामीण पुलिस में ले जाने के लिए संबामूर्ति पुत्र वेंकटती, निवासी अंबेडकर नगर, बेलमपल्ली, मनचेरिल जिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राणा प्रताप ने कहा कि इस कार्य में टास्क फोर्स सीआई सीएच. राणा प्रताप, एसआई संदीप कुमार, टास्क फोर्स स्टाफ पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

विधायक ने किया कक्षाओं का उद्घाटन

निर्मल, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के बासर मंडल के कौटा गांव में प्राथमिक विद्यालय में 19 लाख 50 हजार की निधि से हाल ही में निर्मित अतिरिक्त कक्षाओं का उद्घाटन स्थानीय विधायक के सदस्य पवार रामा राव पटेल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विद्यालय में कक्षा संचालन के लिए अतिरिक्त कमरे मिलना खुशी की बात है। शिक्षण दल को सलाह दी गई कि वे छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए पाठ को इस तरह से पढ़ाने की योजना बनाएं कि वे समझ सकें और 100: उत्तीर्ण हो सकें। इसके बाद 16 लाख की धनराशि से प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कराया गया और कर्मचारियों को बीमार मरीजों को दूर-दराज जाने के बजाय गांव में ही इलाज करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद वे सीसी रोड निर्माण भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें बासर मंडल जेडपीटीसी वसंता रमेश, एमपीपी सुनीता विश्वनाथ पटेल, एमपीटीसी बाबूराव, सरपंच मधु पटेल, कई गांवों के स्थानीय जन प्रतिनिधि, एमपीटीसी जेडपीटीसी के सरपंच, भाजपा मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता और प्रशंसक शामिल थे।

बीआरएस सरकार ने नागरिक आपूर्ति विभाग को नष्ट कर दिया: भट्टी

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने बताया है कि पिछली बीआरएस सरकार ने नागरिक आपूर्ति विभाग की पूरी तरह से उपेक्षा की थी और विभाग का बकाया 2014 में 380 करोड़ रुपये से बढ़कर 380 करोड़ रुपये 2024 में 14,350 करोड़ हो गया था। उप मुख्यमंत्री ख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क राज्य के वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने शनिवार को यहां सचिवालय में बजटीय तैयारी पर नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ बैठक की और विभाग से संबंधित विभिन्न चीजों पर चर्चा की। बाद में, बत्ती विक्रमार्क ने नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ मीडिया को बताया कि वह बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से हैरान थे कि पिछली बीआरएस सरकार ने पूरे नागरिक आपूर्ति विभाग को नष्ट कर दिया था। भट्टी ने बताया, "पिछली बीआरएस सरकार द्वारा नागरिक आपूर्ति विभाग को समय पर बिलों का भुगतान न करने के कारण, सभी ऋण कुल मिलाकर 58,860 करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं।" उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने किसानों से धान खरीदने के लिए कर्ज लिया था और विभाग को कर्ज में धकेल दिया था।

"विभाग को वित्तीय समस्याओं का सामना करने के बावजूद, हमने छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को बढ़िया चावल की निरंतर आपूर्ति और किसानों से धान की खरीद के आदेश दिए हैं। हम सभी के साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे कितनी भी परेशानी हो। बत्ती विक्रमार्क ने कहा, राज्य सरकार को आर्थिक रूप से जूझना पड़ रहा है।

आज चार घंटे बिजली बंद रहेगी

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीएसपीडीसीएल दम्माईगुडा के सहायक अभियंता बी.श्रीनिवास ने सूचित किया है कि पेड़ की शाखाओं की छंटाई और सबस्टेशन रखरखाव कार्य के कारण रविवार को सुबह 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक बिजली बंद रहेगी। साकेत सब स्टेशन से निकलने वाला 11 केवी बैंक कॉलोनी फीडर के इलाकों में काम होगा। इसके कारण दम्मईगुड़ा मुख्य सड़क, राजिरेड्डी नगरख् लक्ष्मी नगर एक्सटेंशन, बालरेड्डी और पीएस राव नगर, साकेत सबस्टेशन से निकलने वाला 11वाट जवाहर नगर फीडर में बिजली बंद रहेगी।

उसी प्रकार दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक जवाहर नगर, अम्बेडकर नगर, बीजेआर नगर, गब्बीलालपेट, चेन्नापुरम एक्सरोड, जवाहर नगर मुख्य मार्ग, डोनाल्ड थोटा और सिक्कीलोनी बावी कॉलोनियों में बिजली बंद रहेगी।

अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास ऐतिहासिक गणेश मंदिर में श्रमदान व स्वच्छता कार्यक्रम किया। इसमें भाग लेते हुए भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के महासचिव डॉ. भगवंत राव, उपाध्यक्ष करोड़ीमल नरसिंगपुरिया, केंद्रीय समिति के सदस्य राहुल स्वागत, गणेश मंदिर के पूर्व अध्यक्ष पिटला नागेश मुदिराज, समिति के सदस्य शशिधर, सुरेश हिंगल, रविंदरनाथ व अन्य।

बीआरएस भवन में अयोजित बैठक के दौरान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कुछ मुद्दों के बारे में विचार-विमर्श करते हुए स्थानीय नेता आनंद गौड। साथ में हैं महिला नेता प्रिया गुप्ता, विनोद यादव, अहमद, रमेश व अन्य।

पुलिस कांस्टेबल ने सरकारी स्कूल में शौचालय बनवाया

आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस स्कूल में शौचालय नहीं होने से बच्चों और शिक्षकों दोनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां पिछले पांच साल से कार्यरत एक महिला शिक्षक ने अस्थायी तौर पर शौचालय बनवा लिया था। बंबू गडकर चारों तरफ से तडपाल से ढक कर शौचालय बनवाया था।इस मामले के बारे में जानने के बाद कागजनगर शहर के पुलिस कांस्टेबल पंजाला निवास गौड़ ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और अपने खर्च पर शौचालय का निर्माण शुरू कर दिया। संक्रांति की छुट्टियों के दौरान पांच दिनों की कड़ी मेहनत के बाद शौचालय कक्ष का निर्माण किया गया। दहेगाम मंडल के दुब्बागुडा एमपीपीएस स्कूल के पंजला निवास गौड़ (पीसी) ने अपने पिता पंजला मोंडैया (एसआई) की याद में अपने खर्च पर स्कूल में एक शौचालय का निर्माण किया। उन्होंने संजय मंडल के निर्माण में उनकी मदद की।इस अवसर पर पीसी निवास गौड़ ने कहा कि विद्यालय में न्यूनतम सुविधाओं विशेषकर शौचालय की कमी अथवा विद्यार्थियों को होने वाली समस्याओं से वे द्रवित हुए और उन्होंने तुरंत शौचालय का निर्माण कराया।बिबरा के सरपंच बंदा कृष्णमूर्ति, कोटमीर गांव के सरपंच तरूणम सुल्ताना सोनू, स्कूल की प्रधानाध्यापिका और ग्रामीणों ने इस निर्माण में उनके अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सृजनप्रवीण निवास गौड़ को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एमपीपीएस बीबरा के सदस्य एच.एम कम्बाला जयेंदर और दुब्बागुड़ा के ग्रामीण कोटा तिरूपति, सुनके वसंत, रेड्डी भाग्य, बुरुसा सुधाकर, संजय, युवा सदस्यों ने भाग लिया।

सिकंदराबाद में यस पॉसिबल फाउंडेशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पंकज कुमार संघी, अरुण अग्रवाल, अमोग अग्रवाल, आनंद राणा, प्रकाश, ओमप्रकाश अग्रवाल, कमलेश पटेल, राजेश अग्रवाल, हरी, श्रीनिवास, डॉक्टर मुकेश, नवीन, पवन उपाध्याय, मधुसूदन, शिवा, पंकज शर्मा आदि ने भाग लिया।

भाजपा पार्षद शंकर यादव, लाल सिंह, राकेश जायसवाल तथा बी. दर्शन ने जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने जीएचएमसी सीमा में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बैनर को कार्यक्रम की समाप्ति तक न हटाने की अपील की, क्योंकि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

BUSINESS FOR SALE

3000 sft Running Jewellery showroom & Readymade garments showroom for sale at choutuppal main market for reasonable price With safe locker, furniture & fixtures Ready to move

CONTACT : 9849811161 M

CLASSIFIEDS

वर चाहिए

कन्या 25 वर्ष, हाईट 5.3, गोरी, सुंदर एवं सुशील 12वीं पास हिंदू जैन। माता-पिता का कोरोना से निधन। कन्या मामा के पास रहती है। शादी के लिए सर्वजातीय शाकाहारी वर चाहिए।

संपर्क : 8378879265, 7517057842

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक स्वतंत्र वार्ता का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पाँचवी पुण्यतिथि

:स्वर्गवास: 21.01.2019

स्व.श्रीमति जस्सीबाई सोयल

धर्मपत्नी: स्व. श्री चुन्नीलालजी सोयल; मरुधर मे जागुंदा

बातों में केवल आप हो, नयनों में पावन स्वरुप।
श्रद्धा-सुमन अर्पित है मन से, शब्द नहीं अनुरुप॥

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : प्रकाश-कन्यादेवी, जितेन्द्र-प्रेमकुमारी (पुत्र-पुत्रवधु), भंवरीबाई-नारायणलालजी, मोनीबाई-जीवारामजी, सुकीदेवी-अमरारामजी (पुत्री-दामाद), निर्मला-कमलेशजी, दुर्गा-दिनेशजी (पौत्री-दामाद), संतोष, सौरव, मोहित (पौत्र), कलाराम, भुराराम, कालूराम (देवर), मगराज, दीपाराम, ताराराम, अशोक, मांगीलाल, उत्तम, सुरेश, नरेन्द्र, ललित एवं समस्त सोयल परिवार

P.Solankey

: फर्म : न्यू प्रकाश इलेक्ट्रीकल्स सप्लायर, अमीरपेट
Mobile: 9985878157

प्राण-प्रतिष्ठा के लिए 1000 कि.मी. तक के एयरपोर्ट रिजर्व

5 राज्यों के 12 एयरपोर्ट की पार्किंग बुक; अमिताभ-पवन कल्याण के प्लेन कानपुर में पार्क होंगे

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला मंदिर में विराजेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देशभर से 900 VIP और 60 वीवीआईपी शामिल होंगे। वीवीआईपी के 60 चार्टर्ड प्लेन अयोध्या के नए एयरपोर्ट पर लैंड होंगे। यहां वीवीआईपी को छोड़ने के बाद प्लेन 1000 किलोमीटर की रेंज में आने वाले दूसरे एयरपोर्ट पर पार्क होंगे। क्योंकि, अयोध्या में सिर्फ 8 प्लेन की पार्किंग हो सकती है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन पार्किंग के लिए 5 राज्यों के 12 एयरपोर्ट की पार्किंग रिजर्व की गई है। इनमें यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड शामिल हैं। सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और साउथ फिल्मों के सुपर स्टार पवन कल्याण का चार्टर्ड प्लेन कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर पार्क होंगे। केंद्रीय उड्डयन विभाग ने एयरपोर्ट पार्किंग को लेकर सभी राज्यों को संदेश भेजा है।

वीवीआईपी कैटेगरी में अंबानी-अडाणी, अमिताभ बच्चन, विराट कोहली, अनुष्का शर्मा, शाहरुख खान, आलिया भट्ट, अल्लु अर्जुन, रतन टाटा, वीरेंद्र सहवाग को रखा गया है। लखनऊ एयरपोर्ट पर कोहरे के दौरान भी लैंडिंग की

सुविधा है। ऐसे में वह वीवीआईपी, जिनको 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा आयोजन के बाद निकलना है। उनके विमान लखनऊ में पार्क कराए जाएंगे। 22 जनवरी को लखनऊ एयरपोर्ट पर करीब 900 वीवीआई के आने की संभावना है। इसमें राजनेता, फिल्मी हस्तियां, बड़े-बड़े उद्योगपति, बॉलीवुड गायक शामिल हैं।

ये सभी सड़क से 135 किमी का फासला तय करके अयोध्या पहुंचेंगे। उनके लिए लखनऊ से अयोध्या तक स्पेशल ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है। इसमें आने वाले लोगों को एयरपोर्ट से सीधे अयोध्या ले जाया जाएगा। उनकी गाड़ियां कहीं भी ट्रैफिक में नहीं फंसेगी। स्पेशल रूट तैयार होगा। इसमें एयरपोर्ट से शहीद पथ होते हुए अयोध्या रोड से राम मंदिर तक पहुंचाया जाएगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में जा रहे इन मेहमानों पर कई जगहों पर फूलों की बारिश भी की जा सकती है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान भी अयोध्या एयरपोर्ट पर उतरेगा। इसके बाद वह सड़क या हेलिकॉप्टर से मंदिर तक जाने का कार्यक्रम बन सकता है। हालांकि, प्रशासन ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए साकेत महाविद्यालय में 3 हेलीपैड बनाए हैं। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आने वाले अतिथियों के लिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने संदेश जारी किया है।

नोएडा में लापता उद्योगपति सही सलामत मिले, कर्ज से परेशान होकर छोड़ा था घर

नोएडा नोएडा के सेक्टर-73 में 15 जनवरी से लापता एक उद्योगपति को पुलिस ने शुक्रवार को सकुशल बरामद कर लिया। ऐसा पता चला है कि वह कर्ज से परेशान होकर घर छोड़कर चला गया था। इस मामले में उसकी पत्नी ने तीन लोगों को नामित करते हुए सेक्टर-113 के थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस उपायुक्त हरीश चंदर ने बताया कि आकाश सिंह की पत्नी छाया सिंह ने 17 जनवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पति 15 जनवरी से लापता हैं। चंदन ने बताया कि छाया सिंह ने तीन लोगों पर उनके पति को अगवा करने का शक जाहिर किया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और उद्योगपति को बरामद करने के लिए पुलिस के कई दल गठित किए गए थे। उन्होंने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली से आकाश सिंह को सकुशल बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आकाश सिंह ने बताया कि उनकी बुलंदशहर के सिकंदराबाद में फैक्ट्री है और उनके कारोबार में काफी घाटा हुआ, जिसके कारण वह करोड़ों के कर्ज में दब गए हैं।

यूपी में सर्दी का रेड अलर्ट

इन जिलों में दो दिन कहर बरपाएगी ठंड

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। सर्द हवाओं की वजह से यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में मौसम शुष्क बना हुआ है। लगातार गिरते तापमान की वजह से लोग घरों में दुबके हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन भीषण सर्दी जारी रहेगी। 20 जनवरी और 21 जनवरी को सर्दी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया। यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में घना कोहरा और सर्द हवाओं का प्रकोप जारी है। कोहरे की वजह से सुबह के वक्त बिजिविलिटी बेदह कम हो रही है। ऐसे में मौसम विभाग ने 20 और 21 जनवरी को सर्दी का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। आने वाले दिनों में रात के

समय तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज की जा सकती है।

इन जिलों में सर्दी का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने सर्दी को लेकर 20 और 21 जनवरी को रेड अलर्ट जारी किया है। इसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भीषण ठंड रहने वाली है। इसकी वजह से गलन भी बढ़ेगी। लखनऊ, मेरठ, शाहजहांपुर, बदायूं, फर्रुखाबाद, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, अमेठी, बाराबंकी, सुलतानपुर, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी, प्रयागराज, फतेहपुर, बेरली, खैरी में 20 जनवरी को कोल्ड डे की स्थिति रहने वाली है। इसके अलावा बहराइच, गोंडा, बस्ती और संत कबीरनगर समेत अन्य इलाकों में कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

21 जनवरी को इन जिलों में रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने रविवार को मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, मुरादाबाद, बदायूं, शाहजहांपुर, खैरी, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, पीलीभीत सहित अन्य इलाकों में घना कोहरा और शीतलहर चलने की संभावना जताई है।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में कड़ी सुरक्षा, 20 जनवरी के बाद नो एन्ट्री; तैनात हुईं बुलेटप्रूफ गाड़ियां

अयोध्या, 20 जनवरी (एजेंसियां)। धार्मिक नगरी अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी आखिरी चरण में है और इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूरे शहर को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया है। आज से 22 जनवरी तक अयोध्या में बाहरी लोगों की एंट्री बैन रहेगी और अयोध्यावासियों को भी आईकार्ड दिखाना जरूरी होगा। अयोध्या धाम के भीतर रहने वाले लोगों से पुलिस प्रशासन ने 21 और 22 जनवरी को बाहर न निकलने की अपील की है। समारोह की सुरक्षा को लेकर यूपी एटीएस अलर्ट पर है और 4 बुलेटप्रूफ बख्तरबंद गाड़ियां भी तैनात कर दी गई हैं। इन गाड़ियों में यूपी एटीएस के तकरीबन 100 कमांडो तैनात हैं और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी पर लगा 50 हजार का जुर्माना

हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनाया फैसला

प्रयागराज, 20 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी से जुड़े छात्र नेता के एडमिशन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी पर 50 हजार रूपए का हर्जाना लगाया है। हाईकोर्ट ने 15 दिन में याची को मुआवजे की राशि का भुगतान करने को कहा है। हाईकोर्ट ने अर्हता मानक बदलकर याची अजय सिंह यादव उर्फ सम्राट की अभ्यर्थता निरस्त करने के आदेश को रद्द किया है। अजय यादव सम्राट समाजवादी छात्र सभा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। अजय यादव सम्राट चार गुना फीस बढ़ोत्तरी और छात्र संघ बहाली के मुद्दे पर पिछले काफी दिनों से इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में आंदोलन कर रहा है। एमए महिला अध्ययन पी जी कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद अर्हता बदल गई थी। हाईकोर्ट ने याची को तीन बार अनावश्यक याचिका दायर करने को बाध्य करने के कारण उसे मुआवजा पाने का हकदार माना है। याचिका याची अजय यादव की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में 27अप्रैल 23 के पत्र व 3 जून 22 के एकेडमिक काउंसिल के अनुमोदित प्रस्ताव की वैधता को चुनौती दी गई थी। याची ने इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की पी जी ए टी 2022 में आनलाइन आवेदन दिया। उसे प्रवेश परीक्षा में 141.1अंक प्राप्त हुए। उसे पता चला कि उससे कम अंक पाने वाले को प्रवेश दिया गया है तो प्रत्यावेदन दिया।

आवेदन के लिए पात्र था अभ्यर्थी

जिस पर यूनिवर्सिटी ने सूचना दी कि अर्हता नियम बदलने के कारण उसकी अभ्यर्थिता निरस्त कर दी गई है। याची 55 .8 फीसदी अंक से एल एल बी व 76 .76 फीसदी अंक से एल एल एम पास है। उसने महिला अध्ययन में एम ए कोर्स के लिए आवेदन किया था और नियमानुसार वह पात्र था। लेकिन बीच में क्राइटेरिया बदल दिया गया।

यूनिवर्सिटी पर लगाया जुर्माना

याची का कहना था गेम के बीच में खेल के नियम बदले नहीं जा सकते हैं। कोर्ट ने माना कि याची के साथ गलती हुई है। लेकिन इस समय प्रवेश की अनुमति देने पर विचार करने का निर्देश देने का औचित्य नहीं माना और कहा कि याची को मुकद्दमेबाजी में अनावश्यक फंसाने के लिए उसे मुआवजा पाने का हक है। कोर्ट ने यूनिवर्सिटी पर भारी हर्जाना लगाया है। जस्टिस आशुतोष श्रीवास्तव की सिंगल बेंच ने ये आदेश दिया है।

नाबालिग ने 21 साल पहले महिला से किया था रेप, अब आया फैसला, मिली 2 साल की सजा

बांदा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के जनपद बांदा में 21 साल पहले एक महिला के साथ बाल अपचारी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। उसे पुलिस ने गिरफ्तार करके न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। अब 21 साल बाद किशोर न्याय बोर्ड ने बाल अपचारी को घटना का दोषी माना और उसे 2 वर्ष कठोर कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। जिले के कालिंजर थाना क्षेत्र के एक गांव में ग्राम रिंगोली थाना कालिंजर निवासी किशोर ने 10 अप्रैल 2002 को एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। इस सिलसिले में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर पुलिस ने घटना वाले दिन ही उसे गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद 12 मई 2002 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। लेकिन किशोर न्याय बोर्ड में यह मामला लंबे समय तक लंबित रहा। अभियोजन विभाग से समन्वय स्थापित करके पुलिस ने साक्षियों का साक्ष्य करा कर प्रभावी पैरवी की।

मासूमों से रेप जीवन के मूल अधिकार के विरुद्ध जघन्य अपराध

बच्चियों से दुष्कर्म पर एचसी की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि छोटी बच्चियों की देश में पूजा होती है। किंतु दिनों दिन मासूम बच्चियों से दुष्कर्म की घटनायें बढ़ती जा रही है। छः साल की बच्ची से दुष्कर्म का जघन्य अपराध, जिसका मतलब वह नहीं जानती, न केवल पीड़िता अपितु समाज ही नहीं जीवन के मूल अधिकारों के खिलाफ अपराध है। यदि ऐसे अपराधियों के खिलाफ ऐक्शन नहीं हुआ तो लोगों का न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। छह साल की बच्ची से रेप केस की सुनवाई में कोर्ट ने यह तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने इस केस में आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा अक्सर पीड़िता रेप की रिपोर्ट नहीं करती। परिवार भी इज्जत बचाने के लिए मौन रह जाता है। 12 साल से कम आयु की बच्चियों से रेप की सजा बीस साल की कैद से बढ़ाकर उम्र कैद कर दी गई है। छः साल की पीड़िता ने बयान दिया कि आरोपी ने उसे मारा और पकड़कर खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर महिलाओं ने बचाया। वह भाग गया। पिता ने पीड़िता के बताने पर एफआईआर दर्ज कराई। कोर्ट ने छः वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के अपराध को जघन्य बताते हुए अभियुक्त को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने छोटू उर्फ जुल्फिकार की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया है। यह घटना बागपत में 7 मई 2023 की शाम साढ़े छः बजे की है। खेल रही बच्ची को आरोपी पकड़कर खेत में ले गया और उसके साथ रेप किया। पिता ने बागपत थाने में एफआईआर दर्ज कराई। आरोपी का कहना था कि गांव की राजनीति के कारण उसे झूठा फंसाया गया है। वह 8 मई 2023 से जेल में बंद हैं। उसने दलील दी कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है।

कतर्नियाघाट अभयारण्य से सटे गांव में तेंदुए ने हमला कर आठ वर्षीय बच्ची को मार डाला

बहराइच, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के सुजौली क्षेत्र में अपने पिता के साथ खेत में मौजूद आठ साल की बच्ची की तेंदुए के हमले में मौत हो गयी। प्रभागीय वनाधिकारी बी। शिव शंकर ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि अभयारण्य के सुजौली थाना क्षेत्र में रहने वाले अयोध्यापुरवा गांव निवासी इसराइल की बेटी आयशा (8) अपने पिता के साथ खेत में गयी थी। शुक्रवार दोपहर को अचानक जंगल से निकलकर आए एक तेंदुए ने खेत में आयशा पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि बच्ची की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया तो तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। लेकिन इस दौरान बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी वनकर्मियों व विशेष बाघ सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर बच्ची का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ।

रामलला की जिस मूर्ति की तस्वीर वायरल हुई वह असली नहीं है?

मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने क्या कहा

आचार्य सत्येंद्र दास ने वही मूर्ति होने से किया इंकार

राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि फोटो में दिख रही मूर्ति सही नहीं है, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मूर्ति को उसी जगह पर स्थापित किया गया है, जहां उसे स्थापित करना था, लेकिन अभी मूर्ति को खोला नहीं गया है। मूर्ति को ढक कर रखा गया है।' वहीं प्राण प्रतिष्ठा तक भगवान रामलला के मूर्ति की आंखें खोलने को लेकर आचार्य सत्येंद्र दास ने साफ इंकार करते हुए कहा कि 'नहीं, ऐसा नहीं हो सकता है।'

मूर्ति की तस्वीर की जांच कराने की कही बात

उन्होंने कहा कि 'जब मूर्ति तैयार हो जाती और जब यह निर्णय हो जाता है कि इसी मूर्ति को ले जाना है तो उसके नेत्र बंद कर दिए जाते हैं। जो आंख खुली हुई मूर्ति दिख रही है वो मूर्ति है ही नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसा स्वरूप मिल ही नहीं सकता और अगर मिल गई है तो उसकी जांच होगी। किसने इसे खोल दिया और कैसे ये वायरल हुई, इसकी जांच होगी। वहीं प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्रृंगार की बात पर उन्होंने कहा कि सभी काम हो सकते हैं, लेकिन नेत्र नहीं खुल सकते हैं।' बता दें कि किसी भी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा तक उसकी आंखे ढक कर रखी जाती हैं और प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही किसी प्रतिमा की आंखों को पूरा खोला जाता है।

अयोध्या, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां अब जोरों से चल रही हैं। इसी बीच कल सोशल मीडिया पर रामलला की एक श्याम रंग की प्रतिमा की फोटो तेजी से वायरल हुई। दावा किया जा रहा है कि राम मंदिर में इसी प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। हालांकि इस मूर्ति को लेकर अब राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने ऐसा बयान दिया है, जिससे मूर्ति पर सवालिया निशाना खड़े हो रहे हैं। आचार्य सत्येंद्र दास ने वायरल हो रही तस्वीर में दिख रही मूर्ति को सही नहीं बताया है।

मां-बाप करवा रहे थे नाबालिग बेटी की शादी, बाल कल्याण ने जाकर रोक दिया

झांसी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। तमाम जागरूकता अभियान चलाने और कानून तौर पर दण्डनीय होने के बाद भी बाल विवाह की कुप्रथा थमने का नाम नहीं ले रही है। समथर में 15 वर्ष की एक लड़की का विवाह कराया जा रहा था, जिसे बाल कल्याण समिति ने पुलिस के सहयोग से रुकवा दिया। 16 जनवरी को चाइल्ड लाइन की शहर प्रभारी प्रीति त्रिपाठी ने बाल कल्याण समिति में सूचना दी कि 17 जनवरी को समथर में एक नाबालिग लड़की का विवाह रचाने की तैयारी की जा रही है। इस पर समिति ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, चाइल्ड लाइन प्रभारी एवं जन साहस संस्था को मौके पर भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गांव वाले फॉर्मूला से बीजेपी को हराएगी आरजेडी

नेताओं ने बना लिया है प्लान बी, इन 4 मुद्दों पर होगा काम

बीजेपी को हराने के लिए आरजेडी गांव वाले फॉर्मूला पर काम करेगी।
आरजेडी के युवा नेताओं ने 4 मुद्दों पर काम करने का फैसला लिया है।

हाजीपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। स्थानीय डाकबंगला रोड में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम की तैयारी के लिए युवा राजद कार्यकर्ताओं की बैठक की गई। अध्यक्षता युवा राजद जिला प्रधान महासचिव अधिवक्ता रंजीत यादव ने की। बैठक में विभिन्न संगठनों के युवाओं को बाबा साहब डा। भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष राजद की सदस्यता दिलाई गई।

गांव वाले फॉर्मूला पर राजद करेगी काम

राजद (आरजेडी) नगर अध्यक्ष कुंदन यादव ने बताया कि ए-टू-जेड की पार्टी राजद में सब लोग

एक बराबर है। रोजगार, गरीबी, भूख, शिक्षा जैसे मुद्दे के साथ राजद अब भी कायम हैं। सरकार की योजनाओं और कार्यों को ग्राम चौपाल के द्वितीय चरण से घर-घर पहुंचना है। उन्होंने बताया कि अब गांव-गाव जाकर लोगों की समस्या जाननी होगी। उन्होंने कहा कि गांव के युवाओं को साथ लाना होगा जिससे कि हमलोग आगे चुनाव में भाजपा को हराने में कामयाबी पाएंगे। गरीबों की समस्या को जानकर उसे सुलझाने का काम करना होगा।

बैठक में ये नेता रहे मौजूद

बैठक में युवा राजद नगर उपाध्यक्ष रविशंकर यादव, इम्तियाज, सौरव राजपूत, नितेश कुमार, पंकज निराला, विक्रम कुमार, इंजीनियर गौरव कुमार, अमरेश यादव, सोनेलाल पासवान, संजीत कुशवाहा, जयशंकर श्रीवास्तव, भानू प्रताप यादव, राहुल यदुवंशी, काली चरण यादव, चंदन पासवान, उदय ठाकुर, आदिल परवेज, अमन, सुधांशु सिंह, गुड्डू कुमार आदि उपस्थित थे।

'रामद्रोही हैं, रामद्रोही रहेंगे', रामलला को लेकर दिग्विजय सिंह के बयान पर भड़के महंत राजूदास

अयोध्या, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठानों के बीच कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने रामलला के विग्रह को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि रामजन्मभूमि मंदिर में जिस मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है वह बाल स्वरूप में नज़र नहीं आती। दिग्विजय सिंह के इस बयान पर हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी महंत राजू दास ने पलटवार किया और उन्हें रामद्रोही तक बता दिया। महंत राजूदास ने दिग्विजय सिंह पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें पहले अपने अंदर झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई मूर्ति और जो रामलला है, ये सारी मूर्तियां वहीं रहेंगी। मूर्ति बाल स्वरूप में होने की नाते लोगों को दर्शन करने में दिक्कत होती थी, इसलिए ट्रस्ट के द्वारा मूर्ति का भव्यता देने की कोशिश की गई। विषय मूर्ति का नहीं है। विषय जन्मभूमि का था और वहीं है। घर-घर मंदिर हैं।।हर घर मंदिर है और दिग्विजय सिंह से मैं निवेदन करना चाहूंगा कि जिन्होंने समाज का जातिभेद में बांटने का प्रयास किया वो अयोध्या आकर देख लें। यहां पर विभिन्न जातियों के मंदिर हैं, जिनमें सिर्फ़ राम जानकी के ही मंदिर बने हैं। महंत राजूदास ने कहा कि मेरा सवाल ये है कि एक बार नहीं, बार-बार यही होता है। इन्होंने हमेशा से विरोध ही किया है। जो आज विरोध कर रह रहे है वो कल भी विरोध कर रहे थे। ये विशुद्ध रूप से राम विरोधी है और राम विरोधी ही रहेगी। आपको बता दें कि दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में नई रामलला की प्रतिमा को लेकर सवाल किए थे कि नई मूर्ति की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने कहा था कि, 'रामलला की मूर्ति बाल स्वरूप होकर मां कौशल्या की गोद में होनी चाहिए, लेकिन राम जन्म भूमि मंदिर में जिस मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है वह तो बाल स्वरूप की नजर नहीं आती है।'

दहेज़ में स्कार्पियो नहीं मिली तो शौहर ने दिया तीन तलाक

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा में दहेज को लेकर हुए विवाद के बाद स्कॉर्पियो कार की मांग पूरी न होने पर पत्नी को तीन तलाक देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि उसकी शादी 2015 में मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी, उस समय उसके पिता ने 15 लाख रुपये का दहेज दिया था। उसने आरोप लगाया कि शादी के बाद से, उसके पति और पांच देवरों सहित अन्य ससुराल वाले दहेज की और मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसने दावा किया कि उसे शारीरिक और मानसिक शोषण का सामना करना पड़ा, दूसरी शादी करने की धमकियां दी गईं और पिछले साल जुलाई में कथित तौर पर उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। महिला, जो वर्तमान में अपने माता-पिता के घर पर रह रही है, ने खुलासा किया कि उसका पति हाल ही में उससे मिलने आया और दहेज के रूप में स्कॉर्पियो कार की मांग करते हुए उसके साथ जबरदस्ती झगड़ा किया। मांग खारिज होने के बाद उसने कथित तौर पर तीन तलाक बोल दिया। महिला ने दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक की घटना के लिए अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोहः अयोध्या पहुंचीं कंगना रनौत, बोलीं - कई जन्मों के पुण्य का प्रभाव है

अयोध्या, 20 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचीं फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि हमारे कई जन्मों के पुण्य का परिणाम है जो आज हमें अयोध्या के भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम के दर्शन होंगे। उन्होंने पहले भी कई बार अयोध्या में मंदिर बनने पर खुशी जाहिर की है। कंगना ने कहा कि यह हमारे पुण्य कर्मों का प्रभाव है जो करोड़ों रामभक्तों का सपना साकार हुआ है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में फिल्म, विज्ञान, लेखन और राजनीति सहित कई विधाओं से जुड़ी हस्तियां शामिल होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में मुख्य भूमिका में होंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में फिल्म, विज्ञान, लेखन और राजनीति सहित कई विधाओं से जुड़ी हस्तियां शामिल होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में मुख्य भूमिका में होंगे। 22 जनवरी तक आम लोगों के अयोध्या आने पर रोक लगा दी गई है। आमजन 23 जनवरी से मंदिर में रामलला के दर्शन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जनता से 22 जनवरी को अयोध्या न आने की अपील की है। हालांकि, जनभावनाओं को देखते हुए 22 जनवरी को कई राज्यों में सरकारी अवकाश की घोषणा की गई है। इस दौरान समाचार चैनलों और दूरदर्शन पर कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा।

पशुपतिनाथ मंदिर के पास लूट करने वाले पकड़ाए

युवती ने रोका और चाकू अड़ाकर दिया था वारदात को अंजाम

उज्जैन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन में बीती रात पशुपतिनाथ मंदिर के पास युवती ने बाइक सवार को हाथ दिखाकर रोका और उसके साथी ने चाकू दिखाकर पर्स-मोबाइल लूट लिया। बाइक सवार ने शोर मचाया तो लोगों ने दोनों का पीछा किया और पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर लूट का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा है। पटेलनगर में रहने वाला अभिषेक पिता ओमप्रकाश मकवाना, 24 वर्ष, बीती रात 10 बजे बाइक पर सवार होकर सुदामानगर में रहने वाले दोस्त से मिलने जा रहा था। वह पशुपतिनाथ मंदिर सीमेंटेड रोड पर पहुंचा था, तभी एक युवती ने उसे हाथ देकर रोका। अभिषेक को लगा कि अकेली युवती को मदद की जरूरत है। उसने बाइक रोकी। उसी दौरान एक युवक आ गया और चाकू अड़ाकर जेब से मोबाइल और पर्स निकालने के लिए बोला। अभिषेक दोनों के इरादों का भाप गया और विरोध का प्रयास किया, लेकिन युवती ने उसकी जेब से पर्स निकाल लिया। बदमाश ने मोबाइल छीन लिया और चाकू मारने की धमकी देने लगा। अभिषेक ने शोर मचाया। आसपास से गुजर रहे कुछ लोग मौके पर ही रुक गए। बदमाश और युवती ने पैदल भागने का प्रयास किया। अभिषेक ने लोगों को घटना बताई तो कुछ बाइक सवार युवकों ने दोनो का पीछा किया और कुछ दूरी पर दोनों को पकड़ लिया।

अलीगढ़ की तालानगरी से रामनगरी पहुंचा 400 किलो का ताला

अलीगढ़, अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे देश से रामलला और मंदिर के लिए कई खास उपहार अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस कड़ी में शनिवार को तालानगरी अलीगढ़ से रामनगरी में एक खास ताला पहुंचा।

बताया जा रहा है कि यह ताला दुनिया के सबसे बड़ा ताला है।

अलीगढ़ में बनाए गए 400 किलोग्राम के ताले को शनिवार को अयोध्या लाया गया। इस क्रेन के मदद से ट्रक से नीचे लाया गया। खास ताले के अलीगढ़ से अयोध्या पहुंचने के बाद उत्साह में श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के नारे भी लगाए। अखिल भारतीय हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव डा अन्नपूर्णा भारती ताले को लेकर अयोध्या पहुंचे। इस ताले को श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट को सौंपा जाएगा।

6 महीने में बनकर तैयार हुआ ताला

बता दें कि इस खास ताले को अलीगढ़ में ज्वालापुरी की गली नंबर 5 में रहने वाले ताला कारीगर सत्यप्रकाश शर्मा और उनकी पत्नी रूकमणी शर्मा ने बनाया है। यह 6 फीट 2 इंच लंबा और दो फीट साढ़े नौ इंच चौड़ा है। ताले को बनाने में 65 किलोग्राम पीतल का इस्तेमाल किया गया गया है। इसको बनाने में करीब 6 महीने का समय लगा है।

विश्व का सबसे बड़ा ताला

इस ताले को विश्व का सबसे बड़ा ताला बताया जा रहा है। ताले को सत्यप्रकाश शर्मा ने बनाना शुरू किया था लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी रूकमणी शर्मा और बेटे महेश चंद ने इस पूरा किया। 12 दिसंबर को सत्यप्रकाश शर्मा की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। उनका सपना था दुनिया का सबसे बड़ा ताला बनाना।

राम मंदिर में लगेगा यह ताला

राम मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु इस ताले को अलीगढ़ के प्रतीक चिन्ह के रूप में जानेंगे। ताले की चाबी भी बेहद खास है। तीन फिट चार इंच लंबी इसकी चाबी तीस किलोग्राम की है। ताले और चाबी के निर्माण पर करीब 5 लाख रुपए का खर्च आया है। ताले पर अखाड़ा परिषद और मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी शिष्या अन्नपूर्णा भारती द्वारा सप्रेम भेंट के साथ उसके निर्माता सत्यप्रकाश शर्मा और रूकमणी शर्मा का नाम लिखा है। जहां पर ताले की चाबी लगती है वहां जय श्रीराम लिखा है।

बीजेपी नेता पवैया की कांग्रेस नेताओं को कसम

कहा- श्रीराम की सौगंध है, घरों में पांच दिए जरूर जलाएं

ग्वालियर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व सांसद और बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया शनिवार को ग्वालियर के महाराज बाड़े पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान मंदिर में आरती की और कार सेवकों का सम्मान कर अयोध्या के लिए रवाना हुए। जयभान सिंह पवैया ने कहा कि मेरे लिए आज बहुत भावना से भरे हुए पल हैं। मेरे भीतर जो भावना है उसे मैं शब्दों का आकार मैं नहीं दे पा रहा हूं। सपना सार्थक हो रहा है और मैं अयोध्या के लिए प्रस्थान कर रहा हूं। मैं लाखों लोगों की भावनाओं के पुष्प लेकर रामलला के चरणों में चढ़ाने के लिए जा रहा हूं। राम मंदिर के लिए ग्वालियर चंबल के कारसेवकों ने बहुत शहादत दी हैं। राम मंदिर के लिए पूरे ग्वालियर में जिस तरह का उत्साह है, मैंने अपने जीवन में ऐसा वातावरण कभी नहीं देखा। इस दौरान जयभान सिंह पवैया ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा- देश में कभी-कभी ऐसे पल आ जाते हैं जब जाति और पार्टियों की सीमाएं तोड़कर भी राष्ट्र के सम्मान के लिए खड़ा होना चाहिए। जिन्हें राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है उन्हें उसे सौभाग्य को स्वीकार करना चाहिए था। लेकिन, उन लोगों का अभागा पन हम कैसे दूर करें, जिन्होंने रामलला के न्योता को ही ठुकरा दिया। उन्होंने कहा- सोनिया गांधी भले ही अयोध्या न जाए, लेकिन कांग्रेस के हिंदू नेताओं को मैं श्रीराम की सौगंध देता हूं कि वह अपने घरों में पांच दिए जरूर जलाएं। 22 जनवरी को जो अपने घरों में दिया नहीं जलाएगा, उसे इतिहास कभी क्षमा नहीं कर पाएगा। 22 जनवरी को कौन कांग्रेस कौन भाजपा सब भूल जाइए। जिसके भी शरीर में राम का रक्त बह रहा है उसके घर में 22 जनवरी को अंधेरा नहीं रहेगा।

बटर चिकन-दाल मखनी को किस रेस्तरां ने सबसे पहले किया था तैयार? दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंची लड़ाई

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। आपने बटर चिकन या फिर दाल मखनी का जायका जरूर लिया होगा, लेकिन क्या आपको मालूम है इसका आविष्कार किसने किया था? कौन दोनों डिश को दुनिया के सामने लेकर आया। शायद आपको इसका जवाब नहीं मालूम होगा। हालांकि, जल्द ही ये पता चलने वाला है कि बटर चिकन और दाल मखनी के असली आविष्कारक कौन थे। इसकी वजह ये है कि दिल्ली हाईकोर्ट इन दोनों ही लाजवाब खानों का आविष्कार करने वाले रेस्तरां का पता लगाने वाली है। दरअसल, मोती महल और दरियागंज रेस्तरां दोनों का ही दावा है कि उन्होंने बटर चिकन एवं दाल मखनी का आविष्कार किया है। इसे लेकर दोनों रेस्तरां के बीच विवाद चल रहा है, जो अब हाईकोर्ट के दरवाजे तक पहुंच गया है। मोती महल के मालिकों ने 'बटर चिकन और दाल मखनी के आविष्कारक' टैगलाइन का इस्तेमाल करने को लेकर दरियागंज रेस्तरां के मालिकों पर मुकदमा दायर किया है।

दिल्ली दंगा 2020: पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहाँ

खालिद सैफी समेत 13 लोगों पर आरोप तय, हत्या के प्रयास की धाराएं भी जुड़ीं

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित एक मामले में शुक्रवार को पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां, कार्यकर्ता खालिद सैफी और 11 अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा, गैरकानूनी सभा और अन्य संबंधित अपराधों के आरोप तय किए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) अमिताभ रावत ने कहा कि, 'मेरी राय है कि प्रथम दृष्टया, यह मानने का पर्याप्त आधार है कि आरोपी अर्थात जहान, सैफी, विक्रम प्रताप, समीर अंसारी, मोहम्मद सलीम, साबू अंसारी, इकबाल अहमद, अंजार, मो इलियास, मो बिलाल सैफी, सलीम अहमद, मोहम्मद यामीन और शरीफ खान ने अपराध किया है। अदालत ने आधिकारिक तौर पर 13 व्यक्तियों पर कानून के तहत विभिन्न अपराधों का आरोप लगाया है। इन आरोपों में दंगा करना, दंगे के दौरान घातक हथियारों से लैस होना, लोक सेवक को अपना काम करने से रोकना, लोक सेवक के आदेशों की अवज्ञा करना, लोक सेवक को रोकने के लिए स्वेच्छा से नुकसान पहुंचाना, लोक सेवक के खिलाफ हमला करना या बल प्रयोग करना, हत्या का प्रयास करना और अन्य आरोप शामिल है। ये आरोप भारतीय दंड संहिता पर आधारित हैं, जो भारत में आपराधिक अपराधों को नियंत्रित करने वाले कानूनों का समूह है। व्यक्तियों पर एक साझा लक्ष्य के साथ गैरकानूनी गतिविधियों में भाग लेने का आरोप है, और कानूनी कार्यवाही अब आगे बढ़ेगी।

हालाँकि, जज अमिताभ रावत ने सभी आरोपियों को कुछ आरोपों से बरी कर दिया है। विशेष रूप से, उन्हें भारतीय दंड संहिता के तहत एक समान इरादे से काम करने, आपराधिक साजिश और उकसाने से संबंधित अपराधों से मुक्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत आरोपों से राहत दी गई है। अदालत 26 फरवरी, 2020 को हुई एक घटना के संबंध में मामले की सुनवाई कर रही थी, जब मस्जिदवाली गली, खुरेजी खास में एक विशाल भीड़ झंडा मार्च निकालने के लिए एकत्र हुई थी। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया था कि पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां ने भीड़ को उकसाया था, जबकि खालिद सैफी ने भीड़ को पुलिस पर पथराव करने के लिए कहा था। पुलिस के मुताबिक, उकसाने पर भीड़ ने पथराव किया जबकि एक किशोर ने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की। आरोप तय करते समय, अदालत ने शिकायतकर्ता और दंगों के चश्मदीद गवाह दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल योगराज, द्वारा दिए गए बयानों पर गौर किया, जिससे सभी आरोपी व्यक्तियों के अपराध और भूमिकाएं सामने आईं।

जज रावत ने कहा कि गवाह ने गैरकानूनी जमावड़े, आरोपी जहान और सैफी के उकसावे, पुलिस के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा का जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि, 'एचसी योगराज, जो शिकायतकर्ता और सशस्त्र गैरकानूनी सभा का हिस्सा बनने वाले आरोपी व्यक्तियों के प्रत्यक्षदर्शी हैं, जिन्होंने बताया है कि, इशरत जहाँ और सैफी की शह पर पुलिस बल पर पथराव किया था, जबकि उनमें से एक किशोर योगराज पर गोली चलाई थी। हालाँकि, अदालत ने कहा कि गोलीबारी की घटना के सही समय के बारे में स्पष्टता का अभाव है।

अदालत ने कहा कि, फ्लैग मार्च दोपहर करीब 12.15 बजे हुआ और उसके बाद, योगराज पर गोलीबारी सहित गैरकानूनी तरीके से इकट्ठा होने वाले विरोध प्रदर्शन और पुलिस पर हमले की घटना दोपहर करीब 1.30 बजे तक जारी रही। यह भी देखा गया कि योगराज ने पहले उपलब्ध अवसर पर सभी आरोपी व्यक्तियों की पहचान की और उनके नाम बताए। अदालत ने आदेश में कहा, प्रत्यक्षदर्शी और पीड़ित एचसी योगराज ने घटना के तुरंत बाद वर्तमान एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज करने के लिए बयान देते समय पहले उपलब्ध अवसर पर सभी 13 आरोपी व्यक्तियों का विशेष रूप से नाम लिया था। अदालत ने इस प्रकार देखा कि दिल्ली पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्र और चश्मदीदों द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर, अदालत ने प्रथम दृष्टया आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप तय करने का आधार पाया।

केरल में कन्नूर-अलाप्पुझा एग्जीक्यूटिव एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतरे

कन्नूर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रेल दुर्घटनाओं के बीच कन्नूर-अलाप्पुझा (16308) एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस शनिवार को पटरी से उतर गई। राहत की बात यह रही कि ट्रेन के अंदर कोई यात्री नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। यह दुर्घटना तब हुई जब ट्रेन को प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा था,आखिरी दो डिब्बे सुबह करीब 4:40 बजे पटरी से उतर गए। इस बीच अधिकारी सतर्क हुए और ट्रेन को पटरी पर वापस लाने के लिए तुरंत काम शुरू किया गया। बता दें कि ट्रेन को आज सुबह 5:10 बजे कन्नूर से रवाना होना था, लेकिन पटरी से उतरने के कारण यह सुबह 6:43 बजे रवाना हुई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि ट्रैक पर फंसे दोनों डिब्बों को शिफ्ट करने की कोशिशें जारी हैं। रेलवे ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली आने-जाने वाली ट्रेनें हुई प्रभावित

इस बीच, उत्तरी भारत में गिरते तापमान के बीच कम दृश्यता के कारण कुछ ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इसके कारण शनिवार सुबह दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई। घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाली खजराहो-कुरुक्षेत्र एक्सप्रेस, अंबेडकरनगर-कटरा और वास्को-निजामुद्दीन एक्सप्रेस जैसी लगभग 11 ट्रेनें देरी से चलीं। शुक्रवार को कोहरे और खराब दृश्यता की स्थिति के कारण दिल्ली आने वाली लगभग दो दर्जन यात्री ट्रेनों के आगमन में 6 घंटे या उससे अधिक की देरी हुई और कई उड़ानें भी देरी से आईं।

राजभवन पर पेट्रोल बम फेंकने वाले के खिलाफ एनआईए ने दायर की चार्जशीट

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु राजभवन पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में एक आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने शुक्रवार को कोर्ट में चार्जशीट दायर किया। एनआईए ने आरोपी पर आईपीसी की धारा 124, 379, 436, 353 और 506 भाग आईआई को लगाया है। साथ ही आरोपी पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत धारा 3, 4 और 5 समेत तमिलनाडु की संपत्ति (नुकसान और हानि की रोकथाम) अधिनियम 1992 की धारा 4 को भी लगाया गया है। बता दें कि चेन्नई के पूनमल्ली में एनआईए ने विशेष अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। बता दें कि आरोपी विनोथ उर्फ करुक्का विनोथ ने 25 अक्टूबर 2023 को चन्नई में स्थित राजभवन के गेट नंबर 1 पर लगातार दो पेट्रोलबम फेंके थे। बम फटने के कारण गेट पर स्थिति सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इस तरह की यह चौथी घटना देखने को मिली है। इससे पहले उसने टी नगर

में टीएसएमएसी (तमिलनाडु राज्य विपणन निगम) के आउटलेट, तेनाम्पेट पुलिस स्टेशन, तमिलनाडु के मुख्य भाजपा कार्यालय और चेन्नई के सरकारी प्रतिष्ठानों पर पेट्रोल बम फेंके थे। दरअसल आरोपी राज्य के राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों को आरोपी खत्म करना चाहता था। इसके लिए आरोपी ने एसएम नगर में एक बाइक से पहले तो पेट्रोल की चोरी की। उसके बाद उसने पेट्रोल को खाली शराब की बोतलों में भरा। पेट्रोल बम बनाने के बाद वह तेनाम्पेट से राजभवन तक पैदल चलकर गया और राजभवन के गेट पर उसने बम फेंक दिया। बता दें कि आरोपी ने दोपहर के 2 बजे करीब एक के बाद एक 2 पेट्रोल बम राजभवन के गेट पर फेंके। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी जब उसे रोकने के लिए दौड़े तो आरोपी ने सुरक्षाकर्मियों को भी धमकी दी। बता दें कि इस मामले में अब एनआईए ने अब कोर्ट के समक्ष चार्जशीट दाखिल कर दी है।

फर्जी वीजा मामले में दिल्ली पुलिस के हाथ लगी कामयाबी

बंगलूरू हवाईअड्डे से एक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। फर्जी पासपोर्ट और फर्जी वीजा को लेकर पुलिस सख्त है। दिल्ली पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट-वीजा रैकेट का भंडाफोड़ करने के सिलसिले में बंगलूरू से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने बताया कि पंजाब के लुधियाना में फर्जी वीजा के एक मामले में बेग का नाम सामने आया था, जिसके बाद उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली थी कि सादिकुल्ला बेग गुरुवार को दुबई से बंगलूरू आ रहा है। जैसे ही बेग बंगलूरू हवाईअड्डे पर उतरा तो हवाईअड्डे के कर्मचारियों ने सुरक्षाकर्मियों को सतर्क कर दिया, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल व्यक्ति को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। अधिकारी ने फर्जी वीजा मामले के बारे में बताया कि कुछ महीने पहले लुधियाना के हरविंदर सिंह धनोआ को एक फर्जी कनाडाई वीजा पर घूमते हुए पाया था। जांच की गई तो सामने आया की मुस्कान उर्फ मनप्रीत कौर नाम की एजेंट ने वीजा उपलब्ध कराया था। बाद में पुलिस ने मनप्रीत को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में एजेंट ने बताया कि उसने इसके लिए बंगलूरू स्थित एक अन्य एजेंट सादिकुल्ला बेग को पांच लाख रुपये दिए थे। रंगनानी ने बताया कि पुलिस ने बेग का पता लगाने के लिए कई जगह छापेमारी की, लेकिन हार हाथ लगी। इसलिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि बेग ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि उसे दुबई स्थित एक एजेंट ने फर्जी वीजा उपलब्ध कराया था। वह और उसके साथी आसानी से पैसे पाने के लिए लोगों से ठगी करते थे। पुलिस ने फिलहाल व्यक्ति का बैंक खाता फ्रीज कर दिया है। इसमें 1.5 लाख रुपये हैं। बेग ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने बाकी की रकम अपने रिश्तेदारों को ट्रांसफर कर दी थी।

22 जनवरी को ही प्रसव चाहती हैं गर्भवती महिलाएं, नाम भी पहले से हो रहे तय, जानें वजह

दमोह, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने पूरा देश बेसब्री से बेकरार है। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की तारीख का विशेष महत्व है। इस विशेष महत्व के दिन दमोह में भी गर्भवती महिलाएं चाहती हैं कि उनकी डिलीवरी 22 जनवरी को हो बेटा हो या बेटी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वह इस दिन को यादगार बनाना चाहती हैं। यदि बेटा हुआ तो घर में श्रीराम आएंगे और यदि बेटी हुई तो घर में सीता के रूप में लक्ष्मी का आगमन होगा और वह भी उस दिन जिस दिन जगत के पालनहार की गर्भ गृह में प्रतिष्ठा हो रही है। जिला अस्पताल में 22 जनवरी को करीब 16 महिलाओं का प्रसव होना है और इससे अधिक प्रसव निजी अस्पतालों में होना है।

चंडीगढ़ प्रशासन की हाईकोर्ट ने लगाई क्लास कहा – 23 जनवरी को बताइए कब चुनाव होगा

चंडीगढ़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। नगर निगम के मेयर के चुनाव को लेकर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में आज अहम सुनवाई हुई। डीसी ने अपने फैसल में निगम चुनाव को 6 फरवरी के लिए रिशेड्यूल करने का आदेश दिया था। इस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर आज हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को फटकार लगाते हुए कहा कि वो चुनाव की तारीख जल्द तय करे, अब इस मामले की में सुनवाई 23 तारीख को होगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में चल रहे नॉमिनेटेड पार्षदों के वोटिंग अधिकारों को लेकर दाखिल की गई याचिका का भी जिक्र हुआ। वहीं चंडीगढ़ प्रशासन के वकील चेतन मित्तल ने कहा कि नगर निगम दफ्तर में 16 और 18 जनवरी को स्थिति बहुत खराब थी। मित्तल का कहना था कि पंजाब पुलिस के कमांडो नगर निगम में आए थे, जो पार्षदों को लेकर जा रहे थे। मित्तल ने उस दिन के वीडियो का हवाला दिया है, जिसमें उनका कहना है कि साफ नजर आ रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस और पंजाब पुलिस आमने-सामने हो गई थी।

'हमें मजबूर ना करिए'

चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से दलील ये भी दी गई है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुलिस सतर्क है, साथ ही 26 जनवरी रिपब्लिक डे के चलते चुनाव नहीं करवाये जा सकते। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि ये सिंपल चुनाव है। हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को 23 जनवरी को चुनावों की नई डेट बताने का कहा है। हाईकोर्ट ने कड़े शब्दों में चंडीगढ़ प्रशासन को कहा कि हमें सख्त आदेश पारित करने के लिए मजबूर ना करिए, अपने लेवल पर मैटर को सॉल्व किया जाए तो ठीक रहेगा।

अगली सुनवाई 23 जनवरी को होगी

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से चुनाव के लिए तय की गई 6 फरवरी की तारीख पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 6 फरवरी को चुनाव समझ से परे है, इनती लम्बी डेट जस्टिफाई नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि ये आदेश चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन को ही सवालों के घेरे में खड़ी करती है और अब इस मामले की 23 जनवरी को सुना जाएगा।

लुधियाना सांसद रवनीत बिट्टू की सरकारी कोठी में चली गोली, सुरक्षा कर्मचारी की मौके पर मौत

लुधियाना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते और लुधियाना से सांसद रवनीत सिंह बिट्टू की सरकारी कोठी में शुक्रवार देर रात गोली चल गई। गोली उनके घर की सुरक्षा में तैनात कर्मचारी संदीप कुमार को लगी जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। संदिग्ध हालत में हुई संदीप की मौत के बाद थाना डिवीजन नंबर 8 की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

25 लड़कियों में से 21 रेस्क्यू, 3 अब भी गायब, हैवानियत की करतूतें आ रहीं सामने

इंदौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में संदिग्ध गतिविधियों और गड़बड़ियों के बाद सील किए गए 'वात्सल्यपुरम' बाल आश्रम में अब कई तरह के चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। यहां लड़कियों की बेरहमी से पिटाई करने के साथ ही रस्सी से बांधकर उल्टा लटकाने, मिर्च का धुआं देने और गर्म चिमटे से दागने की बातें सामने आई हैं। बाल आश्रम के हालात इतने बहुत बुरे थे एक लड़की तो अंडरवियर में ही लैट्रिन और यूरिन कर देती थी। बता दें कि आश्रम से 25 लड़कियों में से 21 को रेस्क्यू किया जा चुका है, जबकि 3 लड़कियां अब भी गायब हैं। महिला एसआई कीर्ति तोमर ने विजयनगर थाने में आश्रम की लेडी केयर टेकर्स के खिलाफ इन्हीं आरोपों के साथ केस दर्ज कराया है। वहीं सीडब्ल्यूसी बाल कल्याण समिति के अधिकारी अब राजस्थान और गुजरात की लड़कियों का पुर्नवास कराएगी। दूसरी तरफ एसीपी सोनाक्षी सक्सेना के मार्गदर्शन में विजय नगर पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

3 लड़कियां अब भी गायब : बता दें कि यहां से 25 लड़कियों में से 21 को रेस्क्यू किया गया था। एक लड़की उसके परिजनों के पास है। वहीं 3 लड़कियां अब भी गायब है।

12 जनवरी को आश्रम किया सील: विजय नगर पुलिस थाना से मिली जानकारी के मुताबिक प्रशासन ने विजय नगर क्षेत्र में 'वात्सल्यपुरम' नाम के कथित अनाथाश्रम को अवैध संचालन के आरोप में 12 जनवरी को सील कर दिया था और इसमें रह रहीं 21 लड़कियों को राजकीय बाल संरक्षण आश्रम और एक अन्य संस्था में भेज दिया था। इन लड़कियों की उम्र 4 से 14 साल के बीच है।

पिटाई के बाद घंटों तक बाथरूम में बंद : बच्चों के साथ क्रूरता का आलम यह था कि पिटाई के बाद उन्हें बाथरूम में बंद कर दिया जाता था। अधिकारी के मुताबिक कथित अनाथालय में रहने वाली लड़कियों ने बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को बताया कि इस परिसर में सजा के नाम पर बच्चों से क्रूर बर्ताव किया जाता था। उन्होंने 17 जनवरी की रात दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा कि 4 साल की एक बच्ची ने जब अपने कपड़े गंदे कर दिए थे तो उसे पिटाई के बाद कई घंटों तक बाथरूम में बंद रखा गया और 2 दिन तक खाना भी नहीं दिया गया।

मिर्च की धूनी दी, गर्म चिमटे से दागा : प्राथमिकी में यह आरोप भी लगाया गया है कि कथित अनाथालय में बच्चों को उल्टा लटका दिया जाता था और नीचे गर्म तवे पर लाल मिर्च रखकर धूनी जलाई जाती थी। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी में 2 बच्चों को एक नाबालिग लड़की के हाथों गर्म चिमटे से जबरन दगवाए जाने और एक लड़की को अन्य बच्चों के सामने निर्वस्त्र किए जाने के बाद भट्टी के पास ले जाकर जलाने की धमकी दिए जाने के भी आरोप हैं।

एफआईआर में अनाथालय की 5 महिलाओं के नाम : विजय नगर पुलिस थाने की उपनिरीक्षक कीर्ति तोमर ने बताया कि भारतीय दंड विधान और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत दर्ज प्राथमिकी में अनाथालय से जुड़ीं 5 महिलाओं के नाम हैं। इन आरोपों की अभी जांच की जा रही है। जांच के बाद स्थिति काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगी।

क्रांतिकारी शिक्षिका और समाज सेवी : सावित्रीबाई फुले

अतुल कुमार

पिछले दिनों सोशल मीडीया पर महान शिक्षाविद और समाज सेवी सावित्रीबाई फुले की जयंती 3 जनवरी को याद करते हुए संदेश वायरल हुआ जिसमें उनका कहा उद्धरण कि " स्वाभिमान से जीने के लिये पढाई करो .पाठशाला ही इंसानों का सच्चा गहना है " प्रसारित हुआ .दो सदी पहले कहा उनका कथन आज अधिक मायने रखता है . जब बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने की मनाही थी तब उन्होंने लडकियों की पढाई के लिये स्कूल खोला और लडकियों की पढाई के लिये अलख जगाया और उन्हें निःशुल्क शिक्षा देने का बीडा उठाया सन 1848 में पुणे में भारत के पहले बालिका स्कूल की स्थापना की इसके बाद वह रुकी नहीं लडकियों के लिये एक दो नहीं 18 स्कूलों की स्थापना की आज जिस शिक्षा का प्रसारित रूप हम देख रहे हैं उसे स्थापित करने के लिये क्रांतिकारी कार्य किया , इसके लिये उन पर पत्थर फेंके जाते लेकिन अपने इरादों पर अडिग डटी रहीं . अंग्रेज़ शासकों की दमन कारी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ आवाज़ उठाई .

शिक्षा को ले कितनी बडी दूर दृष्टा थीं कि गणित , विज्ञान , और सामाजिक अध्ययन जैसे उस समय के नये विषयों को पाठ्यक्रम से जोडा और बालिकाओं की अज्ञानता को मिटाया छात्राओं को प्रायः कहतीं " कडी मेहनत करो , अच्छी पढाई करो और अच्छा काम करो जिससे तुम्हारा भविष्य उज्वल बने " आज लडकियों को जीवन के हर क्षेत्र में बढता देख उनके कथन का साकार रूप दिखायी देता है . सोचिये ! कितनी महान शिक्षाविद थीं जिन्होंने रूढीवादी सोच को तोड बालिका शिक्षा को बढाया . यह वह दौर था जब लडकियों को पढाने पर पाबंदी थी . सावित्रीबाई 9 वर्ष की थीं तब एक अंग्रेज़ी किताब पढ रही थीं तब उनके परिजनों ने उनसे पुस्तक छीन पढने की मनाही की . इस घटना ने उनके बाल मन पर गहरा असर डाला .

उन्होंने संकल्प लिया कि लडकियों के लिये शिक्षा के बंद दरवाज़ों को खोलेंगी महिलाओं को पढने की बिल्कुल अनुमति नहीं थी तब घोर सामाजिक विरोध के बावजूद भी स्कूल जाना शुरु किया उन पर पत्थर फेंके गये ,कूडा और कीचड फेंका गया और उलाहनाएं दी गयीं फिर भी अपने इरादों से टस से मस नहीं हुईं और स्कूल जाना जारी रखा और अपने जैसी तमाम लडकियों को शिक्षा पाने के लिये प्रेरित किया सारी विपरीत परिस्थितियों के चलते एक महिला प्रिंसिपल के लिये स्कूल चलाना कितना कठिन रहा होगा उसकी कल्पना करना मुश्किल है .शिक्षा के प्रसार के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध थीं पहली बार मज़दूरों के लिये रात्रि स्कूल खोला ताकि दिन में काम पर जाने वाले मज़दूर रात में पढाई कर सकें .उनकी प्रसिद्ध कविता है जिसमें वह सब को पढने के लिये प्रेरित करती हैं उसकी कुछ पंक्तियों को पढिये " जाओ जा कर पढो लिखो / बनो आत्म निर्भर / बनो मेहनती / काम करो ज्ञान और धन इकट्ठा करो / ज्ञान के बिना सब खो जाता है / ज्ञान के बिना हम जानवर बन जाते हैं /इसलिये ,खाली न बैठो जाओ जा कर शिक्षा लो "

आज जब गद्य कम और पद्य अधिक लिखा जा रहा और

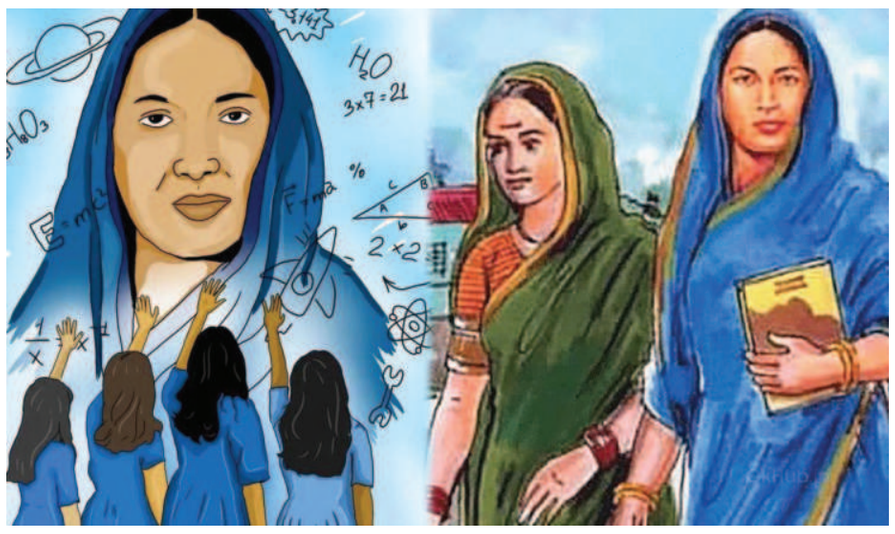

कविताओं की भरमार है लेकिन उनमें सामाजिक विषयों ,सरोकारों और समस्याओं पर कविताओं के टोटे पडे हैं . सोचिये दो सौ साल पहले मराठी भाषी सावित्री बाई फुले ने कितनी सशक्त भावनाएं कविता के माध्यम से प्रस्तुत कीं जिसकी महत्ता आज अधिक प्रासंगिक और मीनिंगफुल लगती हैं . उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना गया .समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिये सतत संघर्ष किया नारी शिक्षा , विधवा विवाह ,और किसानों के उद्धार के लिये कई काम किये . उनके पति महात्मा ज्योतिबा फुले देश के अग्रणी समाज सुधारकों में माने गये . समाज मे फैली छुआ छूत , सती प्रथा ,,बाल विवाह को रोकने के लिये फुले दंपत्ती ने पूरा जीवन झोंक दिया . महिलाओं के अधिकारों के लिये क्रांतिकारी प्रयास किये .देश के पहले किसान स्कूल को खोला .

गांव में छुआ छूत से परेशान लोगों को पानी नहीं मिल पाता था तब अपने घर के कुंए को खोल दिया सावित्रीबाई ने बहुत बडा और साहसिक कदम उठाया एक विधवा को आत्म हत्या करने से रोका उसकी डिलीवरी अपने घर पर कराई बाद में बच्चे को पाल कर बडा किया और उसको डाक्टर बनाया जो बाद में बडा डाक्टर बना फुले दंपत्ती ने महिलाओं को आगे बढाने के लिये कई सराहनीय कार्य किये . उनकी मान्यता थी कि शिक्षकों को अपने ज्ञान को बढाने के लिये सदा प्रयत्नशील रहना चाहिये जिससे कि अपने विद्यार्थियों को अच्छा ज्ञान प्रदान करने में सक्षम हों .इसके लिये शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को मज़बूती दी . अशिक्षा को मनुष्य का सबसे बडा शत्रु मानतीं और कहतीं " उसे धर दबोचो ,मज़बूत पकड कर पीटो और उसे जीवन से भगा दो " इसी में तुम्हारा कल्याण है .

गांव शहर में घूम घूम कर कहतीं " बेटी के विवाह के पहले उसे शिक्षित बनाओ ताकि वह आसानी से अच्छे बुरे में फर्क कर सके . स्त्रियां केवल घर और खेत पर काम करने के लिये नहीं बनी हैं वह पुरुषों से बेहतर काम कर सकती हैं " 19 वीं शताब्दी में किये उनके क्रांतिकारी आव्हान के साकार रूप को आज देखा जा सकता हैं जब महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खडी हैं दिन दूर नहीं जब वह आगे निकल जाएं . सोचिये ! कैसे एक दलित महिला टीचर ने अपने रूढी वक्त को चुनौती दी और पूरी सोसायटी के रूप स्वरूप को बदल डाला . एक कथनानुसार " अच्छा टीचर आशा को प्रेरित कर सकता है कल्पना को ऊडान दे सकता है और सीखने का प्यार पैदा कर सकता है ." सावित्री बाई फुले ने वही किया .

उन्होंने " काव्य फुले " और " बावन काशी सुबोध रत्नाकर " दो पुस्तकें लिखीं जो उनकी कविताओं का संकलन है .शिक्षा के महत्व पर माता पिता के बीच जागरूकता को बढाने के लिये अभिभावक शिक्षक बैठकें आयोजित करने की प्रथा शुरु की जिसे आज " पेरेंट्स मीटिंग़ " कहते हैं . स्कूलों में उपस्थिति बढाने के लिये बच्चों को छात्रवृत्तियां दे पुरस्कृत करतीं बालिकाओं को पेंटिग़ करने की ओर प्रेरित करतीं इसके लिये उत्साहित करतीं .उस दौर में विधवाओं के मुंडन की प्रथा थी जिसे बंद करवाया वहीं उनके पुनर्विवाह को प्रोत्साहित किया .महिलाओं के प्रति लोगों के रीति रिवाज़ और रवैये को बदला .

अथक समाज सेवी थीं जिसे इसी दुखद प्रसंग से समझा जा सकता है कि लोगों को पुणे में प्लेग महामारी के दौरान इलाज के लिये ले जाते हुए स्वयं भी प्लेग से पीडीत हो गयीं और उसी दौरान 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया . वास्तव में उनका पूरा जीवन महिला शिक्षा, समाज की कुरीतियों के विरोध और समाज सेवा का यशस्वी उदाहरण है इसलिये उन्हें क्रांतिकारी शिक्षिका और समाज सेवी कह सकते हैं .

काव्य कुंज

श्री राम

रेणुका अग्रवाल

अयोध्या जिनका धाम है।
वही तो अपने राम है।
भारत का सूर्य जिनसे चमका, उस रामजी को हमारा प्रणाम है।
स्वभाव में जिनके मर्यादा है।जन जन से उन्हें प्रेम ज्यादा है।
सहन शीलता के जो है धनी,पिता का वचन निभाया है।
राज भोगे या वन को निकले। जहां गए सब उनको संग ले।
सरयू से चले गंगा तट पहुंचे, राम है सरल और दिल के सच्चे।
केवट बड़ा सयाना था। सती अहिल्या का बहाना था।
जो चरण स्पर्श से बनी थी नारी, केवट को भवसागर तर जाना था।
जिनके रोम रोम में राम बसे है। वो हर क्षण क्षण को हंसे है।
सबको जीवन जीना सिखाए राम, नियम कर्मठता से जो कसे है।
अवध मेंमंदिर बना है श्री राम का। सुंदर अति सुंदर देवधाम का।
आस्था भक्ति का संगम निराला,राम बिन जीवन किस काम का।
अरुण की बनाई मूरत स्वीकारी। दर्शन कर सब जाएं बलिहारी।
राम लला अलौकिक परम प्यारे है, ये मर्यादित बेजोड़ निराले है।
पितृ भक्ति के वास्ते राज सुख त्यागा है।
पुत्र पिता का बेजोड़ ये धागा है।
चल दिए वन को कभी न कुछ मांगा है।
राष्ट्र प्रेम भी संग संग में साधा है।
धरती सीता माता है। ब्रह्मांड श्री राम है।
जो दिव्य है अमूल्य है। राम जीवन तुलसी रचित गाथा है।
हृदय में बस गए राम राम। अयोध्या में सज गए राम राम।
कण कण अवध का धन्य हुआ, द्वार द्वार तोरण बंध गए राम राम।
दूर दूर ढोल नगाड़े बजते हैं।धूप दीप घर घर जलते है।
सुगंध फैली दसों दिशाओं में, दुनिया में सजते राम राम।
रंगोली सजती घर आंगन में। राहें अवध की सजी हर मन में।
हनुमान प्रसन्न राम जी से। राम लखन बस गए तन मन में।

अयोध्या में जो आए राम

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

अयोध्या में जो आए राम।
मिल गए हमको चारों धाम।।
रावण अब न रह पाएंगे,
रावण दिल भी बदल जाएंगे,
राम नाम की महिमा प्यारी
कलयुग की गति है न्यारी,
बुद्धिमान है कलयुग हमारा
राम नाम से चमके सितारा,
हर दिल में बसेंगे राम।
अयोध्या में जो आए राम।
मिल गए हमको चारों धाम।।
भक्ति की मेहनत रंग लाई है,
राम नाम की तरुणाई है,
सत्य के आगे असत्य हारा
राम राज्य आएगा दोबारा,
भारतवासी धन्य हो गए
सब राम नाम के अनन्य हो गए,
अब तक बिगड़े सुधरे काम।
अयोध्या में जो आए राम।
मिल गए हमको चारों धाम।।

ऐंवे करना ...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जेडे बेफिक्रे फकीर आदमी
उड़यो मैंनु लगदे अमीर आदमी
शाहां नालो खुश ने मलंग दोस्तों
क्योंकर गिटीयां गालना,
नईयो ओथे हेरा फेरी
ऐंवे करना मेरी मेरी
है तू मिट्टी दी टेरी...
है ते रब अगे अरदास, विनम्र सहज बनाए रखना
छाड़ तेरी मेरी,सुख चैन पालने में झुलाए रखना
समान सौ बरस का,पल भर की खबर नहीं
वादु दा वींगा वींगा,
गलनी नइयो दाल तेरी ऐंवे करना...
था शतप्रतिशत विश्वास अपनों पर
लेकिन अपनों ने ही तमाशा बना दिया
जब तलक पद्मासन जमाता,
जीवित कब्र तले दबा दिया
हसीये न रोईये, हैरान हो के खलोइये
गजब कुदरत दियां खेडां,
आंधी चल पई बथेरी ऐंवे करना...

कहता रहा हूं जग का तीसमारखां
नीके जेहे लगदे हीटलर..चंगेजखां
राह चलतों की आंखों में आंसू भरता
भोर के साथ चली ऐंज दी हनेरी,
टैह पइ बंदे दी दलेरी ऐंवे करना...

पुकार सुनो राघवेंद्र

जिंदगी के इस वनवास में, आपका इंतजार है प्रभु राम।
इस जीवन के वन में, एक कुटिया बना कर रह लो राम।।
मैं दास तुम्हारा पुकारूं तुमको, महल छोड़ पास मेरे आओ राम।
नेत्रों के सूरज ढलने लगे है, अब और देर न करो राजा राम।।
मैं क्या ही मांगू प्रभु आपसे, त्याग तो आपसे सीखा है।
धन दौलत वैभव सब कुछ, आपके आगे फीका है।।
प्रभु आना साथ में लेकर, अपने लक्ष्मण भाई को।
केसरीनंदन को लेकर और साथ में सीतामाई को।।
जब तुम आओगे जीवन में,जीवन स्वर्ग बन जायेगा।
मुझ जैसे तुच्छ जीव को भी, हरि दर्शन मिल जायेगा।।
कमलनयन तुम आजाओ, मेरे कष्ट सभी तुम हर जाओ।
तुम्ही में बसते है प्राण मेरे, हे प्राणनाथ अब आ जाओ।।
मैंने रेत के एक-एक कण-कण में, रूप तुम्हारा देखा है।
राघव कैसे भूलूं तुमको, मैने पल-पल तुमको सोचा है।।
और सोचा यह भी है मैने एक दिन तो तुम आओगे।
जिस दिन भी तुम आओगे,मुझे जीवन के द्वार पर ही पाओगे।।

आशुतोष शर्मा 'गुलशन', राजस्थान

हुई प्रतीक्षा खत्म सभी की

पूजा महेश
हैदराबाद

हुई प्रतीक्षा खत्म
सभी की राम जी आने वाले हैं
हर्षित मन से नई उमंग से
मंगल गाने वाले हैं
राम नाम के हीरे
मोती बिखर रहे हैं गली-गली
राम नाम तो बाग है
मन का खिल रही है कली कली
खुशियों के दिन घर-घर में रामजी लाने वाले हैं
हर्षित मन से * **।
राम मर्म है राम ब्रह्म है राम तो घट घट वासी हैं
राम बसे हैं सबके भीतर राम सदा अविनाश है
राम बसा लो मन में अपने कष्ट मिटाने वाले हैं
हर्षित मन से** *।
राम अनंत है राम अनादि राम नाम अपार है
राम बसे हो जिसके मन में भवसागर से पार हैं
भारत में अब सुख के दिन रामजी लाने वाले हैं
हर्षित मन से* **-।

गीत वही फिर गाती हूँ

कुमुद बाला,
हैदराबाद

चलो उन वीरों के पदचिन्हों
पर शंखिनी नाद सुनाती हूँ
साथ मेरे तो आओ साथियों
गीत वही फिर गाती हूँ
देश को इस वक्त उन चाणक्य
नीतियों की बहुत जरूरत है
सियासती बदलाव नहीं
मसले हल करने की जरूरत है
सत्तर प्रतिशत जनता अब भी है गरीबी रेखा के नीचे
धीरे उन सबको ऊपर ला जीवन देने की जरूरत है
एक सुनहरा भविष्य देखने फिर से बाइस्कोप दिखाती हूँ
चलो उन वीरों के पदचिन्हों पर शंखिनी नाद सुनाती हूँ
साथ मेरे तो आओ साथियों गीत वही फिर गाती हूँ
मायाजाल में फँसी है हिंदी राजतिलक अब करना होगा
करें उन्नति सारी भाषाएँ परिवेश व्यवस्थित रखना होगा
वीरों के गर्वित मस्तक पर कश्मीरी ताज को सजना होगा
और अगर कोई बीच में आये उससे पहले लड़ना होगा
जान हथेली पर रख हो समर्पित गीतापाठ पढ़ाती हूँ
चलो उन वीरों के पदचिन्हों पर शंखिनी नाद सुनाती हूँ
साथ मेरे तो आओ साथियों गीत वही फिर गाती हूँ
मतभेद भुलाकर देश बचाओ तिरंगे देश का नारा है
सब मिलके चलेंगे साथ रहेंगे भारत देश हमारा है
भविष्य सुरक्षित रहे देश का हम करें प्रयास भरपूर सदा
हो बच्चों में झंकृत संस्कृति इसतरह गुलशन को सँवारा है
हो विवेक जिससे जागृत मैं वह मंत्रोच्चार दोहराती हूँ
चलो उन वीरों के पदचिन्हों पर शंखिनी नाद सुनाती हूँ
साथ मेरे तो आओ साथियों गीत वही फिर गाती हूँ
तिरंगे पर अंकित चक्र ने फिर से आज हमें ललकारा है
सुनो वीरों की कुर्बानियों ने सबका नाम पुकारा है
जियें देश पर मरें देश पर आँखों के सपने सत्य हो जाँय
हिमालय , घाटी , सागर तट ने रक्षास्त्रोत पढ़ हुंकारा है
सूरज, चाँद, सितारों,बगिया संग मिल तिरंगा फहराती हूँ
चलो उन वीरों के पदचिन्हों पर शंखिनी नाद सुनाती हूँ
साथ मेरे तो आओ साथियों गीत वही फिर गाती हूँ।।

कचहरी के तारीखों में जिंदगी

लवली आनंद,
बिहार

समाज संस्कृति दिखावे
और देह का जो रिश्ता था हमारा,
अब कचहरी के तारीखों
में तब्दील हो गए है,
देखी हूँ मैं उस रिश्ते में
हवस की भूख और बढ़ते
दरिंदगी अपनी सीमाओं
को लांघती और समाज
की मनगढ़ंत रीति-रिवाजों
को पनपते हुए,
अब उस रिश्ते की बहस
वकील की दलीलों में
सिमट सी गई है,
देखी हूँ मैं उस रिश्ते में
खुद को लांछनों की बेड़ियों
में जकड़ी हुई,और पीड़ाओं
की अग्नि में जलते हुए
चरित्र पे लगाएं गए कलंक
की लकीरें को माथे पे खिंचते
अब वो न्यायालय में लगे
कटघरो में खड़े रह गए है।।

सफल भविष्य की निश्चिंतता

अन्नू प्रिया,
कटिहार, बिहार

जिसने सितारों के साथ वक्त गुजारा नहीं,
धरा पर उलझता रहा बेवजह यूं ही।
शून्य और शिखर के अर्थ को कभी समझ पाया नहीं,
आधार और जीवन के स्तंभ को देख पाया नहीं।
व्याकुल है वो छद्म रचनाओं के कोलाहल में,
शेष और विशेष में विभेद कर पाया नहीं।
हो उठा वो व्यग्र यूं ही, था असाधारण सृष्टि में,
वैभव-विलास डूब गया यूं ही,
हो सचेत मूढ़ बन्धन के संबंधों में,
असफलताओं की स्याह कोठरी से
दूर सफलता की रोशनी देख पाया नहीं।
कूच कर गति से पथिक, बाधाओं के पथ पर
समय किसी के लिए कभी रुक पाया नहीं
अनिश्चितता के द्वार पर, सार्थक प्रयास
निष्फल कभी हो पाया नहीं।
सीमाओं से परे प्रखरता और सचेतता हो
आपके दृढ़ निश्चय में ही
सफल भविष्य की निश्चिंतता है।

रिश्तो की गर्मी से पिघलता वह

संजीव ठाकुर,
रायपुर

रिश्तो की गर्मी से पूरा का पूरा,
पिघल सा गया था,
उसे वहां बैठना,
अच्छा लग रहा था ना ही बुरा,
पर समझ नहीं पाया था,
बुरा और अच्छे के बीच का एक रास्ता था,
कम अच्छा,ज्यादा बुरा ,
उसका दिमाग कुंद हो गया था ,
उसके विचार गोलाकार सिकुड़ गए थे,
जिसमें तमाम जंतु बिलबिला रहे थे,
फिर विचार
दिमाग में तैरने लगे थे,
इससे पहले कि वह डूबते,
विचारों का आना बंद हो गया
अभी भी उसका पिघलना जारी था
उसे लगा वह पिघलते पिघलते,
फर्श पर रेंगता हुआ कई पायो वाला,
लंबा जंतु बन गया ,
जीसका सिर्फ शरीर ही
चलता
विचार और सोच नहीं,
बड़ी-बड़ी आंखें हो गई थी
सोफे के किनारे साफ-साफ
दिखाई दे रहे थे,
पर उसे रिश्तो की बेवफाई और
बेरहमी नहीं दिखाई दे रही थी,
इंतजार में पिघलना जारी था,
विचार अब फन काढ़े सांप
होना चाह रहे थे
ऐसे विचार जो खुद को डस लेते ,
अब भी पिघलना जारी था,
अब कुत्सित विचार पिघल चुके थे।

एक पन्ना इतिहास का

कमलेश झा

वर्तमान खुस होकर हँस रहा
जुड़ रहा एक पन्ना खास
इतिहास के किताब में देखो
जुड़ गया एक पन्ना खास।।
शुभ दिन है शुभ घड़ी है
रघुवर पुलकित हो रहे
नीच और अधमी के मुह पर
कालिख ही तो पूत रहे।।
जीत हुआ सत्य का फिर से
असत्य एकबार फिर से औंधा पड़ा
राग विलाप का गाकर अब वो अपने आप को कोश रहा।।
उस पिशाच के पिशाचत्व का भारत भर ने झेला दंश
अताताई के महिमा मंडन में अब भी लगे कुछ सूअर वंश।।
उस सूअर का नर्क यहां है मिट्टी कीचड़ और विस्टा भी साथ
उसको उस नर्क की क्यों हो चिंता जो झेल रहा पृथ्वी पर आज।।
क्यों करें अपनी मुँह को गंदा
उसको भोगना उसके कर्मो का हिसाब
समय समय पर प्रभु जी
उसको देते रहना उसका हिसाब।।
अब स्वागत की करें तैयारी
प्रभु जी विराज रहे पुनः अपने धाम
अवधपुरी की शोभा मे
लगने वाली है चार चाँद।।
युगपुरुष जिसने भी अर्पण किये अपने योगदान
भारत का हर बच्चा बच्चा मान रहा उनका एहसान।।
वीरों की यह पूण्य भूमि है
समय समय पर आते भगवान
अताताई और अधर्मी के कर्मो का
हिसाब चुकाते खुद भगवान।।
धर्म ध्वज के रक्षक हे दशरथ सुत
अब धर्म पताका आपके साथ
मानव में मानवता भरकर
सत्य राह दिखाना अब आपके हाथ।।

आहट

डॉ डी डी देसाई

अभी अभी तुम यहाँ से निकली हो,
मैं निस्तब्द बेबस राह देखता रहा।
तेरे पलटने की कुछ देर रुकने की...
आँखों मे आँखें डाल देखने की....
मैं राह देखता रहा...।
तेरे चलते कदम पल भर रुक गए,
असमंजस मे तुम..सोच में डूबी,
फिर जो निकल गयी..
वापस आजतक लौटी ही नहीं।
सदियों से खड़ा हूँ इसी चौराहे पर,
अबोल...निशब्द.... एकांत.... भावनाशून्य,
तेरे साथ चाय की चुस्की लिए पल,
आँखों में आँखें डाल भाव भाप लिए पल।
हाथों में हाथ लिए विहारे हुए पल,
वादा जिंदगी भर साथ निभाने के पल।
आज भी कानों में गूंजते है...
एक आहट सी होती है तेरे पदचिन्हों की,
मुड़कर देखता हूँ...सड़क निर्जन होती है।
एक आहट सी होती है तेरी वाणी की,
होठों पर मंद मुस्कान, दिल में खुशी लिए,
पलटता हूँ तो तू नहीं तेरा अहसास मात्र,
तरसा भी रहा है और सुकून भी दे रहा है।
मुद्दतों से इसी इंतजार में खड़ा हूँ,
कि तेरी आहट कभी तुझे भी ले आएगी,
तुझे देखने का स्वप्न साकार करेंगी।
इंतजार की हद्द को मुकाम देगी।

जय श्री राम

टी तारासिंह
हैदराबाद

अवधपुरी के राम अयोध्या के श्रीराम
हमारे राम राम हम सबके श्रीराम
कौशल्या दशरथ के नन्दन श्रीराम
वाल्मीकि मुनि के प्रिय शिष्य श्रीराम
सीता के पति परमेशवर श्रीराम
पिता को दिया वचन निभाने चले थे वनवास
प्रभु राम के परम भक्त हनुमान
मर्यादा के पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम
राम का नाम ही लेना सब बाधाएं दूर हो जाती
वेदों में राम को विष्णु का अवतार माना गया है
सर्व श्रेठ दिन है आज सनातन धर्मियों के लिए
आज अयोध्या मे रामलला का प्राण प्रतिष्ठा हो रहा है
हिन्दू धर्मियों के लिए शुभ ओर एतिहासिक दिन है
इस समारोह के लिए सभी ज्ञानियों को बुलाया गया
ये समारोह भक्ति, प्रेम ओर एकता का है
आज सब मिलकर एक साथ बोले जय श्री राम ।।

अंध विश्वासों को समझाया था गुरू नानक ने।

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

एक सुन्दर संसार बनाया था
गुरू नानक ने।
माता तृप्ता के घर जन्म लिया
महिता कालू के जाए।
राऐ भोएं तलवंडी अन्दर एक
ज्योति लेकर आए।
किरसानी एंव लेखन को
मानवता के बीच पिरोया।
विश्व जगत की वास्तविकता के
भीतर लौ को बोया।
बीबी सुल्खणी से शादी के पवित्र बांधे बंधन।
लक्ष्मी चन्द तथा श्री चंद दो बच्चों का प्राप्त धन।
बीबी नानकी अपनी बहना से प्यार हमेशा पाया।
एक पवित्र रिश्ते का था एक इतिहास बनाया।
बाबा नानक ने एक ओंकार का ऐसा प्रतीक बनाया।
इसके बदले आज तक कोई दूजा नाम ना आया।
कविता में प्रतीकों-बिम्बों,तश्वीहों के सूरज।
इन्सानी कदरों-क़ीमत की जिस में है एक सूरत।
आगामी पीढ़ियों के लिए बाणी है चढ़ता सूरज।
मानव आज़ादी अद्भुत, अंधेरे में ना खड़ता सूरज।
मील हजारों पैदल चल कर चिंतन को रूशनाया।
सामाजिक इन्साफ के लिए खुद को कष्टों में था पाया।
दंपती जीवन की भी की है बाणी में अच्छाई।
दैहिक, भौतिक सुखों की भी की है राहनुमाई।
बाला और मरदाना दोनों सच्चे मित्र साथ रहे।
कीर्तन की मर्यादा अन्दर बन कर सच्ची ढाल रहे।
देश विदेशों की मानवता को सीधे पथ दिखाए।
रूप विधानों वाली कविता भीतर जगत सजाए।
जागृण, प्रेरण, संघर्ष, कर्त्तव्य, विचारक चिंतन शक्ति।
इन सब तत्वों में भर दी सारी समता भक्ति।
अंत समय में मेहनत कर के खेती को अपनाया।
तब फिर बालम बाबा नानक, नानक था कहलाया।
करतार पुरे में 69 वर्षों में ज्योति ज्योत समाए।
सब धर्मों के रहबर बन कर इक इन्सान कहलाए।

अंतर्मन की आवाज

पुष्पेश
कुमार
पुष्प, बिहार

जो देखती है आंखें , लगती है मनोहारी जरूर पर यह मृगतृष्णा है ।
जिसके झांसे में आकर खो देता है इंसान सुकून ।
कभी जीवन के मर्म को
समझने का प्रयास किया किसी ने ।
हर कोई मृगतृष्णा की खोज में
भटकता रहा और उसकी प्यास कहां मिटी ?
छू लेना चाहता है आसानी से
बस सपनों की दुनिया में खोया
रहता है और अशांत हो जाती है जिंदगी ।
क्यों भागते हो मृगतृष्णा के पीछे ?
जहां सिर्फ दुख - दर्द और अशांति है ।
अपने अंतर्मन की आवाज सुनो
अपने सोये आत्मविश्वास को जगाओ
विश्वास की डगर पर चलकर छू लोगे बुलंदियों को ।
जीवन के मर्म समझकर गोते लगाओ प्रेम के सागर में
जहां खुशियां मिलेगी अपार और जिंदगी हो जाएगी गुलजार

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

बच्चों की 2000 फोटो देखने के बाद बनाई रामलला की प्रतिमा

रोज 18 घंटे काम, 2 घंटे की नींद; अरुण योगीराज की कहानी

'छेनी-हथौड़े का शोर हमारे परिवार के लिए संगीत की तरह है। अरुण का बचपन यही संगीत सुनकर बीता है। उनके तो खिलौने भी यही थे। अरुण को रामलला की प्रतिमा बनाने का काम मिला, तो उन्होंने बच्चों की 2000 से ज्यादा फोटो देखीं। महीनों तक बच्चों को ऑब्जर्व करते रहे। स्कूल, समर कैंप, पार्क जाने लगे। वहां कई-कई घंटे बच्चों को खेलते हुए देखा करते थे।' ये विजेता हैं, देश के सबसे चर्चित मूर्तिकार बन चुके अरुण योगीराज की पत्नी। 22 जनवरी को अयोध्या के राममंदिर में रामलला की जिस प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, वो अरुण ने ही बनाई है। इस कहानी का पहला सिरा जनवरी, 2023 तक जाता है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने रामलला की प्रतिमा बनाने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। मई में अरुण दिल्ली गए, प्रजेंटेशन दिया और सिलेक्ट हो गए। बीते गुरुवार को उनकी बनाई प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित कर दी गई। अरुण अभी अयोध्या में हैं। उनका घर मैसूरु में है।

अयोध्या में जब रामलला की प्रतिमा स्थापित हो रही थी, तब दो हजार किलोमीटर दूर मैसूरु के फोर्ट मोहल्ले के मकान नंबर-9 के बाहर बनी छोटी सी वर्कशॉप में 15 से ज्यादा मूर्तिकार छेनी-हथौड़ी से पत्थरों को काटकर मूर्तियां बना रहे थे। ये वर्कशॉप अरुण योगीराज की है। इसके ठीक पीछे उनका करीब 120 साल पुराना घर है, जिसमें 20 से ज्यादा लोगों का परिवार रहता है।

अरुण की पत्नी विजेता कहती हैं, 'मूर्ति बनाने का हुनर हमारे डीएनए में है। अरुण का परिवार पांच पीढ़ियों से यही काम कर रहा है। अरुण को ट्रेनिंग उनके पापा योगीराज शिल्पी ने दी थी। उन्होंने अपने पिता बसवन्ना शिल्पी से मूर्तिकला सीखी थी। बी. बसवन्ना शिल्पी मैसूरु के राजा के खास शिल्पकारों में शामिल थे। वाडियार घराने के महलों को खूबसूरत बनाने से उन्हें पहचान मिली थी।'

'अरुण के दादा ने मूर्तिकारों को ट्रेनिंग देने के लिए ब्रह्मश्री शिल्पकला स्कूल खोला था। अरुण के पिता ने 40 साल तक इस स्कूल में ट्रेनिंग दी। 2021 में एक रोड एक्सीडेंट में उनका निधन हो गया। तब से अरुण बड़े भाई सूर्यप्रकाश के साथ वर्कशॉप संभाल रहे हैं।'

विजेता बताती हैं, 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मूर्ति के बारे में अनाउंस किया। इसके बाद मीडिया के लोग हमारे घर आने लगे। वे हमसे कंफर्मेशन लेना चाह रहे थे।' 'हमने अरुण को फोन किया, तब उन्होंने हमें बताया। अरुण ने भी आखिर तक हमसे ये बात छिपाकर रखी थी। विजेता बताती हैं, 'मई, 2023 में देशभर के बड़े आर्टिस्ट दिल्ली बुलाए गए थे। वहां सभी को प्रजेंटेशन देना था। इसमें से कुछ लोग शॉर्ट लिस्ट हुए थे। अरुण भी गए थे। प्रजेंटेशन के बाद अरुण वापस मैसूर आ गए। उनके न रहने पर भी दिल्ली में तीन मीटिंग हुई थीं। इसमें वे शामिल नहीं थे। फाइनल रिजल्ट के दिन वे घर पर थे। वहां से किसी बड़े व्यक्ति का फोन आया। इसके तुरंत बाद अरुण फ्लाइट से दिल्ली चले गए। फोन किसने किया था, ये नहीं पता पर वे कमेटी के कोई मेंबर थे।'

रामलला की प्रतिमा बनाने का काम कितना चैलेंजिंग था? इस सवाल पर विजेता कहती हैं, 'अरुण के लिए ये बहुत जिम्मेदारी का काम था। उन्हें ऐसी प्रतिमा बनानी थी, जिस पर सबकी नजर थी। पत्थर से मूर्ति बनाना बहुत मुश्किल काम होता है। पत्थर अगर कीमती हो, तो छोटी सी चूक सब बर्बाद कर सकती है। पूरा पत्थर खराब हो जाता है। इस काम में चूक की गुंजाइश ही नहीं है।' 'अरुण ने मुझे बताया था कि उन्होंने प्रतिमा बनाते वक्त करेक्ट मेजरमेंट और शिल्प शास्त्र का पूरा ध्यान रखा। प्रतिमा बनाने के लिए गहरी रिसर्च और नॉलेज की जरूरत होती है। हमारी पांच पीढ़ियों से जो नॉलेज ट्रांसफर हुई, शायद उसी की वजह से अरुण को ये अचीवमेंट हासिल करने में मदद मिली।

विजेता कहती हैं, 'अरुण के साथ सिलेक्ट हुए तीनों ही आर्टिस्ट बहुत अच्छे हैं। हमें पहले यही पता था तीनों की प्रतिमाएं मंदिर में स्थापित की जाएंगी। हम इसी से खुश थे, भले गर्भगृह में जगह मिले न मिले, लेकिन हमारी प्रतिमा मंदिर में तो स्थापित होगी। भगवान की कृपा है कि हमारी प्रतिमा अब गर्भगृह में स्थापित हो गई है।' विजेता बताती हैं, 'प्रतिमा बनाने के दौरान अरुण को कई बार चोट लगी। अक्टूबर में वे पत्थर तराश रहे थे, तभी एक नुकीला टुकड़ा टूटकर उनकी आंख में धंस गया। उनका ऑपरेशन करवाना पड़ा।'

'डॉक्टर ने हमसे कहा कि अगर पत्थर एक मिलीमीटर भी इधर-उधर होता, तो अरुण की एक आंख जा सकती थी। ऑपरेशन के बाद भी अरुण प्रतिमा बनाते रहे। तबियत खराब होने के बावजूद वे आंखों में एंटीबायोटिक्स डालकर दिन में 10 से 12 घंटे काम करते थे।'

अरुण योगीराज

विजेता बताती हैं, 'अयोध्या में स्थापित प्रतिमा रामजी के बाल स्वरुप की है। भगवान कृष्ण बाल स्वरूप में मिलते हैं, लेकिन प्रभु राम का बाल रूप दुनिया में कहीं नहीं है। इसलिए यह काम बहुत ही चैलेंजिंग था।' 'मूर्ति बनाने से पहले ट्रस्ट की गाइडलाइन के अनुसार, तीन चीजों का ध्यान रखना था। पहला कि राम बालक रूप में हों। दूसरा उनके चेहरे पर दिव्य तेज दिखना चाहिए। तीसरा वे बालक होने के बावजूद राजा की तरह दिखने चाहिए।'

विजेता आगे बताती हैं, 'अरुण को रामलला की मूर्ति बनाने का काम मिला तो उन्होंने बच्चों की 2000 से ज्यादा फोटो इंटरनेट से डाउनलोड कीं। छोटे बच्चों को कई महीने ऑब्जर्व करते रहे। उनकी मासूमियत देखने के लिए स्कूल और समर कैंप जाना शुरू कर दिया था। इंटरनेट पर घंटों बच्चों की फोटो निहारा करते थे।' 'कई बार तो उन्होंने बेटी को समर कैंप में सिर्फ इसलिए भेजा, ताकि वे भी वहां जा सकें। शाम को पार्क चले जाते और बच्चों को खेलते हुए देखा करते थे।' 'अरुण ने इस बात का ध्यान रखा है कि सब शिल्प शास्त्र के मुताबिक हो। साथ ही रामलला की मूर्ति का कंपोजिशन आसपास के डिजाइन से मेल खाना चाहिए और कंपोजिशन उभरकर आना चाहिए। प्रतिमा में लोगों को भगवान नजर आने चाहिए।'

विजेता आगे कहती हैं, 'हमने कई बार फोन कर उन्हें रेस्ट करने और घर लौटने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। हमें पता चला कि उनका ऑपरेशन हुआ है, तो बहुत फिक्र होती थी। वे दिन में करीब 15 से 18 घंटे लगातार काम करते थे।' कई बार ऐसा हुआ कि रात में सिर्फ एक से दो घंटे ही सोते थे। कभी-कभी 21 घंटे तक भी लगातार काम किया है। हम अरुण से फोन पर बात कर सकते थे, लेकिन वीडियो कॉल करने पर थोड़ा रिस्ट्रिक्शन था। हमारे अयोध्या जाने पर भी पाबंदी थी।'

'अरुण के साथ काम करके लौटे शिल्पियों ने बताया कि मूर्ति बनाते हुए वे काम में इतना मगन हो गए थे कि दिन-रात, खाना-पीना सब भूल गए। अयोध्या जाने के बाद उनका वजन 10 किलो कम हो गया है।' विजेता आगे बताती हैं कि काम खत्म करके अरुण दो-तीन दिन के लिए दिसंबर में घर आए थे। 29 दिसंबर को ट्रस्ट ने उन्हें वापस बुला लिया। उसी दिन उन्हें पता चला कि उनकी बनाई प्रतिमा सिलेक्ट हो गई है। इसके बाद से वे घर नहीं लौटे हैं।

विजेता आगे कहती हैं, 'मैंने रामलला की प्रतिमा को फिजिकली नहीं देखा है, लेकिन वीडियो कॉल में जरूर दर्शन किए हैं। हम 22 जनवरी को तो नहीं, लेकिन उसके बाद जरूर अयोध्या जाकर प्रभु राम के दर्शन करेंगे।'

अरुण की पढ़ाई के बारे में मां सरस्वती योगीराज कहती हैं, 'अरुण की स्कूलिंग मैसूर के जीएसएस बाल जगत स्कूल से हुई है। 12वीं की परीक्षा मरीमाला स्कूल से पास की, बीकॉम की डिग्री जेएसएस कॉलेज से की थी। उसके बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी से एमबीए किया।' 'मैं चाहती थी कि वो भी 8 घंटे की कॉर्पोरेट जॉब करें, सूट-बूट पहनकर ऑफिस जाएं। मेरी इच्छा का मान रखने के लिए अरुण ने बेंगलुरु की एक प्राइवेट कंपनी में जॉब भी किया था, लेकिन सिर्फ दो महीने में ही उसे छोड़कर शिल्पकला में वापस आ गए थे।'

सरस्वती कहती हैं, 'लोगों को पता चला कि अरुण की प्रतिमा राम मंदिर के गर्भगृह में लगने वाली है, तो सब हमारे घर आने लगे। मीडियावाले लगातार आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि हम कोई सेलिब्रिटी है। पूरे दिन फोन की घंटी बजती है।' सरस्वती आगे बताती हैं कि अरुण ने नेशनल लेवल के वालीबॉल खेला है। वे टीम के कप्तान थे। हमारा घर उनके मेडल से भरा है। वे जो भी करते हैं, बहुत डेडिकेशन से करते हैं। अरुण की वर्कशॉप में उनके मामा इसरो मिले। वे अयोध्या में अरुण के साथ करीब 4 महीने तक रहे थे। वे कहते हैं, 'अरुण के अलावा रामलला की मूर्ति बना रहे दो और मूर्तिकारों को अलग-अलग रखा गया था। हम राम मंदिर के दक्षिण हिस्से में थे। वहां फोन ले जाने की परमिशन नहीं थी।'

इसरो बताते हैं, 'अरुण की वर्कशॉप से 10 लोग अयोध्या गए थे। हमें तीन वक्त खाना मिलता था। सोने का इंतजाम भी पास में बने कॉटेज में था। बस हम बिना परमिशन के घर नहीं आ सकते थे। प्रतिमा बनने के बाद नवंबर में घर लौटकर आए।'

'अरुण 6 महीने अयोध्या में रहे। किसी भी त्योहार पर घर नहीं गए। उनके पिता की बरसी में भी घर नहीं जा पाए। इसके बाद ट्रस्ट ने उनके लिए विशेष पूजा रखी। अरुण पिता से बहुत अटैच थे। रात में हम फुर्सत में होते वे पिता के किस्से सुनाया करते थे।

अरुण के बड़े भाई सूर्यप्रकाश बताते हैं, 'जनवरी के पहले सप्ताह में पता चल गया था कि अरुण की बनाई प्रतिमा सिलेक्ट हो गई है। मकर संक्रांति पर पता चला कि यही प्रतिमा गर्भगृह में लगेगी।'

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और उडुपी के संत विश्वप्रसन्ना तीर्थ स्वामी बताते हैं कि अरुण योगीराज ने रामलला की प्रतिमा को कर्नाटक के काले पत्थर से तैयार किया है। इसे करकला के नेल्लिकारू गांव से अयोध्या ले जाया गया। ये पत्थर पवित्र माना जाता है, इसलिए साउथ इंडिया में इसी से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाई जाती हैं।

प्रतिदिन ओरछा से अयोध्या जाते हैं राम

अयोध्या के राम मंदिर से कोई 458 किलोमीटर दूर एक और अयोध्या है। बुंदेलखंड में... ओरछा।

रात के साढ़े नौ बजे हैं और ओरछा में अयोध्या के लिए राजा राम की विदाई की तैयारी चल रही है। मध्यप्रदेश पुलिस का सशस्त्र जवान गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए तैयार है। थोड़ी ही देर में राजसी ठाठ बाट के साथ सवारी चल पड़ती है। चंद फासले पर ही हनुमान मंदिर में रुकती है। यहां हनुमानजी से आग्रह किया जाता है कि वे राजा राम को अयोध्या ले जाएं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक राजा राम की अयोध्या के लिए ओरछा से विदाई बरसों से इसी तरह हो रही है। दिनभर का राजकाज निपटाने के बाद राजा राम रोज इसी तरह अयोध्या जाते हैं अपने घर शयन के लिए। ओरछा में राम राजा के रूप में रहते हैं, इसलिए राजा और राज दरबार का अपना प्रोटोकॉल है। इसका पालन पूरी तरह होता है, कुछ व्यवस्थाओं के माध्यम से और कुछ परंपरा के मुताबिक।

कंपकंपा देने वाली सर्द रात। घंटियों की घनघनाहट। शंख, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति में डूबे श्रद्धालु। राजा राम की आरती चल रही है। आरती पूरी होने के साथ ही पुजारी विजय गोस्वामी राजा का सिंहासन बाहर लेकर आते हैं। इसके साथ ही राज दरबार के पट बंद कर दिए जाते हैं। इस सिंहासन पर उस दीपक को रखा जाता है, जिससे आरती हुई। दीपक को ही राजा राम मानकर सवारी शुरू होती है।

किताबों में पढ़ा था राजा लाव लश्कर के साथ निकलते थे। कुछ वैसा ही दृश्य। छत्र। सैनिक (पुलिसकर्मी) और जयघोष करती प्रजा यानी भक्त। पांच मिनट में ही राजा का कारवां पाताली हनुमान मंदिर पहुंच जाता है। राजा को यहीं विदा कर प्रजा भी विदा ले लेती है। इस मान्यता के साथ कि अब हनुमानजी राजा राम को अयोध्या ले जाएंगे। वहीं शयन करेंगे। राजा की विदाई की इस प्रक्रिया के सालों से साक्षी रिटायर्ड शिक्षक मुकुंद हरि गोस्वामी एक प्रचलित दोहे का जिक्र करते हैं, जिसमें अयोध्या और ओरछा का कनेक्शन पता चलता है- 'सर्व व्यापक राजा राम के दो निवास हैं खास, दिवस ओरछा रहत हैं शयन अयोध्यावास।' राजा राम अयोध्या तो चले जाते हैं, फिर आते कैसे हैं? जानकी मंदिर के पुजारी हरीश दुबे कहते हैं- 'राजा प्रजा के लिए स्वयं प्रकट होते हैं। यही राजधर्म है।'

ओरछा पर बुंदेला शासकों का राज रहा। बुंदेली इतिहास पर कई किताबें लिख चुके टीकमगढ़ के डॉ. काशी प्रसाद त्रिपाठी राजा राम के ओरछा आने की कहानी बताते हैं- तत्कालीन बुंदेला शासक मधुकर शाह की पत्नी रानी कुंवरि गणेश भगवान राम की उपासक थीं। वे भगवान राम को लेने अयोध्या गईं। यह वह दौर था जब उपासना स्थल मुगल आक्रांता के निशाने पर थे। आक्रमणकारियों से बचाने के लिए ले आए और सरयू नदी के किनारे जल में छिपाकर रख दी। इधर, भगवान राम को खोजते हुए सरयू नदी के तट पहुंची महारानी की मुलाकात संन्यासी से हुई। महारानी ने अपना परिचय दिया और भगवान राम के प्रति अपनी आस्था अभिव्यक्त की, तब संन्यासी ने बताया कि विग्रह इसी जल में है। रानी ने अपने सैनिकों और सहायकों से प्रतिमा की खोजबीन कराई। अंततः प्रतिमा मिल गई। संन्यासी ने प्रतिमा ले जाने के एवज में तीन शर्तें रखी..।

भगवान की प्रतिमा को पुष्य नक्षत्र में ही लेकर चलना होगा। पुष्य नक्षत्र हर 28 दिन में एक बार आता है। अयोध्या से ओरछा तक रानी ने प्रतिमा को अपनी गोद में लेकर पैदल सफर 13 महीने में पूरा किया। जहां भी इस प्रतिमा को रख दिया जाएगा, वहीं यह स्थापित मानी जाएगी। भगवान राम के लिए ओरछा में महाराजा मधुकर शाह ने मंदिर का निर्माण शुरू करवा दिया था जो पूरा नहीं हो पाया, इसलिए राज महल में ही प्रतिमा की स्थापना हुई। राम राजा के तौर पर रहेंगे। वहां और कोई दूसरा राजा नहीं होगा, इसीलिए ओरछा में भगवान राम के मंदिर को राजा राम दरबार कहा जाता है। राजा और राज दरबार से जुड़ी तमाम परंपराओं का पालन किया जाता है।

ओरछा में हर जुबां पर राम राजा की कहानी है जो प्रचलित कथा के तौर पर पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ रही है। ओरछा नरेश मधुकर शाह कृष्ण उपासक थे और महारानी कुंअरि गणेश राम की उपासक थीं। दोनों में अपने इष्ट की उपासना को लेकर मतभेद रहते थे। एक दिन राजा ने पत्नी कुंवर गणेश से कृष्ण उपासना के लिए वृंदावन चलने को कहा।

रानी तो राम की भक्त थीं। उन्होंने वृंदावन जाने से मना कर दिया। तब राजा ने कटाक्ष करते हुए कहा- इतनी राम भक्त हो तो जाकर अपने राम को ओरछा ले आओ। फिर क्या था, रानी अयोध्या की ओर चल पड़ी। अयोध्या में सरयू नदी के किनारे लक्ष्मण किले के पास अपनी कुटी बनाकर साधना शुरू कर दी। रानी को कई महीनों तक राम के दर्शन नहीं हुए। वे निराश होकर अपने प्राण त्यागने सरयू में कूद पड़ीं। यहीं जल की गहराई में उन्हें बाल रूपी राम के दर्शन हुए।

राम लला (बाल रूपी राम) को अपनी गोद में आया देख महारानी अभिभूत हो गईं। उन्होंने भगवान राम से ओरछा चलने का आग्रह किया। तब भगवान राम ने ओरछा जाने की तीन शर्तें रखीं। पहली- वे स्वयं वहां के राजा होंगे। दूसरी- राजशाही पूरी तरह से खत्म होगी और राज्य का विस्तार नहीं होने देंगे। इससे भी बड़ी शर्त यह थी कि वे ओरछा तक का सफर रानी की गोद में ही करेंगे। रानी उन्हें जिस स्थान पर गोद से उतार देंगी, वहीं वे बैठ जाएंगे। लंबे सफर को देखते हुए रानी ने यानी पुष्य नक्षत्र में यात्रा करने की योजना बनाई। राजा को यह संदेश भेज कर कि वे राजा राम को लेकर ओरछा आ रही हैं। पुष्य नक्षत्र में ओरछा के लिए रवाना हो गईं।

रानी संवत 1631 चैत्र शुक्ल नवमी को ओरछा पहुंचीं। मंदिर का निर्माण कार्य उस समय अंतिम चरण में था। रानी ने राम लला की मूर्ति अपने महल की रसोई में रख दी। यह निश्चित हुआ कि शुभ मुहूर्त में मूर्ति को चतुर्भुज मंदिर में रखकर इसकी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मंदिर तैयार हुआ। मुहूर्त भी निकला, लेकिन शर्त के मुताबिक राजा राम आज भी वहीं है, जहां रानी ने उन्हें पहली बार रखा था। इधर, ओरछा में राम राज स्थापित होते ही मधुकर शाह अपना राज छोड़ कर टीकमगढ़ चले गए। और ओरछा राम राजा की नगरी कहलाने लगी।

22 जनवरी को लेकर ओरछा में उत्सव की तैयारियां चल रही हैं। मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। प्रशासन को उम्मीद है कि उस दिन ओरछा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी 22 को ओरछा में रहेंगे। कुछ दिनों पहले उन्होंने बताया था कि राम लला के प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन अयोध्या में वीआईपी ज्यादा रहेंगे इसलिए वहां जाना संभव नहीं होगा। उस दिन वे ओरछा में पूजा-पाठ करेंगे।

अयोध्या में रामायण, नोएडा में महाभारत की थीम पर बनेगा मनोरंजन पार्क

सप्ताहांत में अपने परिवार के साथ मनोरंजन पार्कों में जाकर समय बिताना लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यहां बच्चों को झूले और अन्य खेलों का आनंद मिल जाता है, तो बड़ों को खुले में बैठने और बातचीत करने और खाने-पीने का मजा मिलता है। मनोरंजन पार्कों में लोगों की इसी पसंद को ध्यान में रखकर सुविधाएं विकसित की जाती हैं। लेकिन देश में अब आध्यात्म की थीम पर पार्क-गेम जोन विकसित करने की सोच बढ़ रही है। लोगों की इसी पसंद को ध्यान में रखते हुए नोएडा में महाभारत थीम पर मनोरंजन पार्क विकसित किया जा रहा है, तो जल्द ही अयोध्या के आसपास रामायण की थीम पर पार्क विकसित करने की योजना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसके पहले ही नोएडा में वेद वन पार्क का उद्घाटन कर चुके हैं, जो लोगों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ एम्यूजमेंट पार्क्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन श्रीकांत गोयनका ने कहा कि 2014 के बाद से ही केंद्र सरकार लगातार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ, उज्जैन में महाकाल मंदिर के विकास और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से पूरे देश में लोगों का आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति रुझान बढ़ा है। धार्मिक पर्यटन भी लगातार नई ऊंचाई को प्राप्त कर रहा है।

इसी क्रम में लोग अब अपने परिवार के साथ ऐसे पार्क या एम्यूजमेंट जोन में जाना पसंद कर रहे हैं, जहां उन्हें आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन भी मिले। इससे बच्चों को अपनी संस्कृति की जानकारी मिलती है और उनका मनोरंजन भी हो जाता है। साथ ही वयस्कों को भी ध्यान लगाने की विधियों के बारे में जानने को मिलता है। यही कारण है कि अब उन्हें लगातार ऐसे थीम आधारित पार्क या एम्यूजमेंट जोन बनाने के ऑर्डर लगातार मिल रहे हैं।

श्रीकांत गोयनका ने कहा कि नोएडा की एक बेहद हॉट लोकेशन पर महाभारत की थीम पर आधारित पार्क-एम्यूजमेंट जोन विकसित किया जा रहा है। यहां आकर बच्चों को ऐसे जोन में खेलने का अनुभव मिलेगा, जहां भगवान कृष्ण वर्चुअल तरीके से गीता का ज्ञान देते दिखाई पड़ेंगे। साइंस पार्क की थीम पर बच्चों को एक ऐसे विशेष जोन में खेलने का अनुभव मिलेगा, जिसमें वे प्राचीन योद्धाओं की तरह स्वयं एक खिलाड़ी बनकर प्राचीन युद्ध शैली में लड़ाई करने का वर्चुअल अनुभव ले सकेंगे। पूरा परिसर महाभारत कालीन थीम पर आधारित है। ये बेहद आकर्षक होगा। अगले दो साल के अंदर यह एम्यूजमेंट जोन विकसित कर दिया जाएगा।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि होने का अनुमान है। इसमें घरेलू से लेकर अंतरराष्ट्रीय पर्यटक भी शामिल होंगे। इसे देखते हुए अयोध्या के परिसर के आसपास रामायण की थीम पर रामायण पार्क-एम्यूजमेंट जोन विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार की योजना काशी-उज्जैन को लेकर भी बनाई जा रही है और आने वाले समय में इस तरह के कई प्रोजेक्ट सामने आ सकते हैं। आजकल मॉल्स में घूमना और खरीदारी करना लोगों की पहली पसंद बन चुका है। इन मॉल्स में बच्चों के लिए विशेष एम्यूजमेंट जोन विकसित किए जाते हैं। अब इन एम्यूजमेंट जोन में भी आध्यात्मिक थीम पसंद की जा रही है। दिल्ली-एनसीआर के कई मॉल में आने वाले समय में आध्यात्मिक थीम पर एम्यूजमेंट जोन दिखाई पड़ सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जून 2023 में नोएडा के सेक्टर 78 में 'वेद वन पार्क' का उद्घाटन किया था। इसमें वेदों की ऋचाएं, वेदों के मंत्र और दिव्य जड़ी बूटियों के वृक्ष देखे जा सकते हैं। आगंतुकों के बीच विशेष लेजर शो बहुत लोकप्रिय है, जिसमें भारत की संस्कृति को बहुत आधुनिक तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यात्म के जरिए लोगों को रोजगार देने की योजना कारगर होती दिखाई पड़ रही है। इस समय यह पूरा सेक्टर 11,500 करोड़ वार्षिक टर्नओवर वाला बिजनेस बन चुका है।

इस सेक्टर में लगभग एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और दस लाख के करीब लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। इस क्षेत्र में 500 बड़े खिलाड़ियों के साथ-साथ हजारों छोटे-छोटे उद्यमी भी इस सेक्टर में अपना हाथ आजमा रहे हैं। सेक्टर लगभग 15 फीसदी प्रति वर्ष की दर से आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में इस सेक्टर में और मांग बढ़ने की उम्मीद है।

भजन- कीर्तन में ताली बजाने की शुरुआत कैसे हुई

प्राचीनकाल से मंदिरों में पूजा,आरती और भजन-कीर्तन आदि में सयुंक्त रूप से ताली बजाने की परंपरा रही है। आरती करते समय भी ताली बजाना बहुत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भी भजन-कीर्तन के समय ताली बजाना बेहद लाभकारी माना गया है।

ताली बजाने का धार्मिक महत्व

शास्त्रों के अनुसार ताली बजाकर हरि नाम भजने से सब पाप दूर हो जाते हैं। जैसे पेड़ के नीचे खड़े होकर ताली बजाने से पेड़ पर बैठी हुई सभी चिड़ियां उड़ जाती हैं उसी प्रकार ताली बजाकर हरि नाम लेने से देहरूपी वृक्ष से सब अविद्यारूपी चिड़ियां उड़ जाती है।

मान्यता है कि भजन, कीर्तन या आरती के दौरान ताली बजाने के माध्यम से भक्त भगवान को अपने कष्टों को सुनाने के लिए पुकारते हैं। ऐसा करने से भगवान का ध्यान भक्तों की तरफ खिंच जाता है। भजन-कीर्तन या आरती के दौरान ताली बजाने से नकारात्मकता दूर होती है, वहीं मन को शांति भी मिलती है। भजन-कीर्तन या आरती के दौरान ताली बजाने से व्यक्ति की आत्मा चेतना में रहती है और उसका ध्यान भगवान की ओर लगा रहता है।

ऐसे हुई ताली बजाने की शुरुआत

पौराणिक कथा के अनुसार, ताली बजाने की शुरुआत भगवान विष्णु के परम भक्त प्रहलाद ने की थी। प्रहलाद के पिता हिरण्यकश्यप को उसकी विष्णु भक्ति अच्छी नहीं लगती थी। इसे रोकने के लिए हिरण्यकश्यप ने कई प्रयास किए लेकिन प्रहलाद पर इसका कोई असर नहीं हुआ। थक-हारकर हिरणयकश्यप ने प्रहलाद के सारे वाद्य यंत्र नष्ट कर दिए। हिरण्यकश्यप को लगा कि ऐसा करने के बाद प्रहलाद भगवान विष्णु की भक्ति नहीं कर पाएगा लेकिन भक्त प्रहलाद ने भी हार नहीं मानी। वह दोनों हाथों को आपस मे पीटकर श्री हरि के भजनों को ताल देने लगा, इससे एक ताल का निर्माण हुआ जिसे ताली कहा जाने लगा। माना जाता है कि इसके बाद से ही हर भजन-कीर्तन में ताली बजाने की परंपरा शुरू हुई।

ताली बजाने का वैज्ञानिक महत्व

वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारी हथेलियों में कई एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स होते हैं और ताली बजाते समय हथेलियों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स पर दबाव पड़ता है। जिससे शरीर की अनेकों बीमारियों में लाभ मिलता है और शरीर निरोगी बनता है,अतः ताली बजाना एक उत्कृष्ट व्यायाम है। इससे शरीर की निष्क्रियता खत्म होकर क्रियाशीलता बढ़ती है। रक्तसंचार की रूकावट दूर होकर अंग ठीक तरह से कार्य करने लगते हैं।

रक्त का शुद्धिकरण बढ़ जाता है और हृदय व फेफड़ों की बीमारियां दूर होती हैं। अतः पूजा-कीर्तन में तालबद्ध तरीके से अपनी पूरी शक्ति के साथ ताली बजाएं और रोगों को दूर भगाएं। इससे तन्मय होने और ध्यान लगाने में भी सुविधा होगी।

पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था भगवान राम का जन्म

त्रेतायुग में जन्में प्रभु श्री राम अयोध्या के राजा दशरथ के सबसे बड़े पुत्र और लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के भाई थे। भगवान राम की मां कौशल्या थीं और शेष सुमित्रा और कैकयी के पुत्र थे। भगवान राम का विवाह मिथिला नरेश राजा जनक की पुत्री सीता के साथ हुआ था। वाल्मीकि रामायण से भगवान श्रीराम के जन्म समय, मुहूर्त, नक्षत्र और राशि की जानकारी प्राप्त होती है।

सनातन धर्म को मानने वाले लोगों के लिए भगवान सबसे बड़े आस्था के प्रतिक हैं। सभी हिंदू घरों में इनकी पूजा होती है। श्री राम को पुरुषों में सबसे उत्तम यानी 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है। इनके गुणों के कारण ही आज भी हर कोई भगवान राम के जैसा पुत्र, पति और भाई चाहता है, लेकिन क्या आपको पता है कि रामजी का जन्म किस नक्षत्र में हुआ था और इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोगों में क्या गुण होते हैं? चलिए जानते हैं इसके बारे में...

पुनर्वसु नक्षत्र में जन्म

इस श्लोक के अनुसार प्रभु राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को कर्क लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था। यानी भगवान श्रीराम का जन्म पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था। पुनर्वसु 27 नक्षत्रों में सातवां नक्षत्र है और इसका स्वामी बृहस्पति ग्रह है। यह मिथुन राशि से जुड़ा है, जिसका प्रतीक धनुष और तरकश है।

पुनर्वसु नक्षत्र का ज्योतिषीय महत्व

ज्योतिष में पुनर्वसु नक्षत्र को सबसे शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में जन्में लोगों में ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा होती है।

मान्यता है कि इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातक विशाल हृदय, जिज्ञासु और अनुकूलनशील स्वभाव के होते हैं। वे दयालु, बुद्धिमान और कुशल संचारक होते हैं। ऐसे लोगों को अधर्म के पथ पर चलना पसंद नहीं होता है। यही वजह है कि इनमें भगवान श्रीराम जैसे गुण देखने को मिलते हैं।

इन पांच लोगों के पास कभी नहीं ठहरता पैसा

आचार्य चाणक्य एक महान विद्वान थे जिनकी गणना विश्व के श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती हैं। उनके द्वारा रचित चाणक्य नीति आज भी युवाओं का मार्गदर्शित करती हैं। उन्होंने जीवन से जुड़े सभी विषयों पर अपने विचारों को व्यक्त किया है। आचार्य चाणक्य की नीतियों में सुखी जीवन के रहस्य छिपे हैं। वहीं उज्ज्वल भविष्य के लिए आमतौर पर सभी पैसे जोड़ते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो लाख कोशिशों के बाद भी पैसा जमा करने में असमर्थ होते हैं। इसका कारण उनकी बुरी आदतें भी हो सकती है। चाणक्य नीति के अनुसार जिन लोगों की आदतें बेहद ही खराब होती हैं उन्हें भविष्य में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही ऐसे लोगों के हाथों में बिल्कुल भी पैसा नहीं टिकता है। उनके जीवन में हमेशा तंगी बनी ही रहती हैं। आइए जानते हैं इसके अलावा किन लोगों के पास धन नहीं ठहरता है।

देर तक सोने वाले लोग

चाणक्य के अनुसार जो लोग देर तक सोते हैं उन लोगों पर पैसा बिलकुल भी नहीं टिकता है। क्योंकि देर तक सोने वाले लोगों का अधिकांश समय सोने में जाता है। इसलिए उन्हें भविष्य में भी कई परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। साथ ही ऐसे लोगों से मां लक्ष्मी भी नाराज रहती है।

आलसी लोग

कुछ लोग बहुत आलसी होते हैं। इसका असर उनके जीवन पर भी पड़ता है। चाणक्य के अनुसार, जिन लोगों में आलस होता है वह कभी भी धन जमा नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलस के चलते धन लाभ के कई मौके भी गंवा देते हैं। जिससे उन्हें भविष्य में समस्याएं झेलनी पड़ती है।

बुरी संगत वाले लोग

इंसान की संगत का असर उसके जीवन पर पड़ता है। गलत संगत के लोग गलत राह पर चलते हैं। चाणक्य के अनुसार जिन लोगों की संगत गलत होती है वह जीवन में गलत जगह फंस जाते हैं। साथ ही ये लोग पैसों को गलत जगह पर उपयोग करते है। इसलिए ऐसे लोगों पर पैसा कभी नहीं टिकता है।

महिलाओं का अपमान करने वाले लोग

चाणक्य के अनुसार जो लोग महिलाओं को अपमानित करते हैं उन लोगों पर कभी भी पैसा नहीं रुकता है। क्योंकि महिलाओं का अपमान करने से मां लक्ष्मी आपसे नाराज होती हैं और वह व्यक्ति कंगाल होने की राह पर आ सकता है। इसलिए भूलकर भी ऐसा न करें।

पौष पुत्रदा एकादशी पर विष्णु पूजा

पौष पुत्रदा एकादशी 2024 मुहूर्त
विष्णु पूजा का मुहूर्तः सुबह 08:34 एएम से दोपहर 12:32 पीएम तक
द्विपुष्कर योगः 03:52 एएम से 07:14 एएम तक
अभिजित मुहूर्तः दोपहर 12:11 पीएम से दोपहर 12:54 पीएम तक
पौष पुत्रदा एकादशी पारण समयः 22 जनवरी, सोमवार, 07:14 एएम से 09:21 एएम तक

पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत 21 जनवरी दिन रविवार को रखा जाएगा। पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रखते हैं। इस बार पौष शुक्ल एकादशी तिथि 20 जनवरी को शाम 07:26 पीएम से 21 जनवरी को शाम 07:26 पीएम तक है।

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत कथा

एक समय भद्रावती नगर का राजा सुकेतुमान हुआ करता था। उसका विवाह राजकुमारी शैव्या से हुआ था। उसके पास हर प्रकार की सुख और सुविधाएं थीं। उसका राज्य बड़ा ही खुशहाल था और धन-वैभव की भी कोई कमी नहीं थी। सुकेतुमान की प्रजा भी सुखी थी। राजा उनका ख्याल रखता था। धीरे-धीरे समय व्यतीत होता गया और विवाह के कुछ साल बीत गए। राजा सुकेतुमान को कोई संतान नहीं हुई। उन्होंने कई यत्न किए, लेकिन संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ। संतान न होने के कारण सुकेतुमान और रानी शैव्या काफी दुखी थे। राजा को इस बात की चिंता खाए जा रही थी कि उनका तो कोई बेटा नहीं है। उनका पिंडदान कौन करेगा। वह इस बात को सोच सोचकर दुखी रहता। उसके मन में आत्महत्या के भाव आने लगते थे, लेकिन उसने आत्महत्या नहीं की। अब उसका मन राजकाज में नहीं लगता था, एक दिन वह सबकुछ त्यागकर जंगल चला गया।

काफी समय से पैदल चलते-चलते वह एक तालाब के पास पहुंचा और पेड़ की छांव में बैठ गया। उसने आसपास नजर डाली तो एक आश्रम देखा। वह आश्रम में गया। ऋषियों को नमस्कार करके अपना परिचय दिया। ऋषियों ने उससे जंगल में आने का कारण जानना चाहा। तब सुकेतुमान ने अपने मन की व्यथा उनसे कही।

ऋषियों ने सुकेतुमान से कहा कि पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी आने वाली है। उस दिन व्रत रखकर विष्णु जी की विधि विधान से पूजा करते हैं। इस व्रत को करने से पुत्र की प्राप्ति होती है। इसे पौष पुत्रदा एकादशी कहा जाता है।

ऋषियों के बताए गए उपाय को पाकर राजा खुश हो गया और महल लौट आया। पौष शुक्ल एकादशी तिथि को उसने और उसकी पत्नी ने विधि विधान से व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा की। व्रत के नियमों का पालन किया और रात्रि जागरण की। कुछ दिनों के व्यतीत होने पर रानी शैव्या गर्भवती हो गई और उसने एक सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजा पुत्र को पाकर खुश हो गया। इसी प्रकार से जो भी व्यक्ति यह व्रत करता है, उसे पुत्र की प्राप्ति होती है।

सीताजी ने दिव्य अस्त्र से मूलकासुर का मुण्ड शरीर से अलग कर दिया था

इतना कहकर सीता ने अपना धनुष उठाया और तड़ातड़ पांच बाणों से मूलकासुर पर प्रहार किया।

इसके अनन्तर उस दैत्य ने भी अपना धनुष सम्हालकर सीता के ऊपर कई बाण चलाये। उन दोनों के उस तुमुल युद्ध को देखने के लिए वहां बहुत से राजे तथा वानर पुष्पक विमानपर बैठे थे, जिनको हनुमानजी ने संजीवनी बूटी से जीवित कर दिया था। थोड़ी देर बाद वानरों ने देखा कि राम जी सीता माता के साथ कल्पवृक्ष की छाया में स्वर्णजटित आसन पर बैठे हैं। दासियां पंखा झल रही हैं और उनके आगे-पीछे तकिया लगी हुई हैं। रामचन्द्रजी वहीं से बैठे छायामयी सीता तथा मूलकासुर का युद्ध देख रहे थे।

सीताजी ने दिव्य अस्त्र से मूलकासुर का मुण्ड शरीर से अलग कर दिया

सीता ने पवनास्त्र छोड़कर उसका निवारण किया। इसके अनन्तर वेग के साथ उसने सर्वास्त्र चलाया। सीता ने गरुडास्त्र छोड़कर उसे व्यर्थ कर दिया। इस प्रकार सीता और मूलकासुर में सात दिन पर्य्यन्त महान युद्ध होता रहा। तदनन्तर कुपित होकर सीता ने मूलकासुर का नाश करने के लिए अपना एक दिव्य अस्त्र चलाया, जिससे पृथ्वी डगमगाने लगी और समुद्र अपनी मर्यादा को लांधकर बड़ी-बड़ी लहरें उछालने लगा। दसों दिशाएं धूल से व्याप्त हो गयी और उन चण्डीरूपधारिणी सीता के उस महान दिव्य अस्त्र ने बात की बात मे मूलकासूर के मुण्ड को शरीर से अलग कर दिया। उसका एक हिस्सा लंका के राजद्वार पर जा गिरा। इस घटना ने लंका नगरी के दैत्यों में हाहाकार मचा गया। उधर देवताओंने प्रसन्न होकर अपनी दुन्दुभी बजाई, अपने-अपने विमानों पर बैठकर वे आकाश मे आये और राम तथा सीता पर उन्होंने पुष्पवृष्टि की। इसके बाद सीता की छाया राम के समीप पहुंची। वहां वह राम तथा सात्त्विका सीता को प्रणाम करके उन्हीं के स्वरूप में लय हो गयी। उस समय फिर देवताओं ने अपने मंगलवाद्य बजाये और अप्सराएं नाचने लगीं।

विभीषण का अभिषेक कर रामजी ने उन्हें राज सिंहासन पर बिठाया

इसके पश्चात विभीषण ने भगवान से प्रार्थना की कि पहले जब आप रावण को मारने के लिए लंका में आये थे तो सीता की आज्ञा न होने के कारण आपने नगरी में प्रवेश नहीं किया था। किन्तु अबकी बार आप मेरे घर पधारकर मुझे कृतार्थ कीजिए। राम ने यह प्रार्थना स्वीकार कर ली और अपने पुष्पक विमान पर बैठकर लंका में अपने मित्र विभीषण के भवन में पधारे। वहां पहुंचकर राम ने विभीषण का अभिषेक करके लंका के राज सिंहासन पर बिठाया। उस समय लंका में बड़ा उत्सव मनाया गया। इसके बाद विभीषण ने राम, सीता तथा लक्ष्मणादि का विविध रत्नों और वस्त्राभूषणों से सत्कार किया। तत्पश्चात उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति राम को अर्पण कर दी। उस समय विभीषण की सारी सम्पत्ति में से राम को 'कपिलवाराह' की मूर्ति अच्छी लगी, जिसकी पूजा रावण स्वयं करता था। विभीषण ने राम को वह दे दी।

उस मूर्ति के विषय में ऐसा सुना जाता है कि कपिल भगवान ने अपनी मनःशक्ति से उस मूर्ति की रचना की थी। बहुत दिनों तक कपिल मुनि ने स्वयं उसकी पूजा की। उसके बाद वह इन्द्र के हाथ लग गयी। जब रावण ने इन्द्र से संग्राम करके उन्हें पराजित किया, तब रावण उस मूर्ति को इन्द्र से छीन लिया और बहुत समय तक उसका पूजन करता रहा। आज उसे ही विभीषण ने राम को अर्पण कर दिया। राम ने बड़े प्रेम से उसे अपने पुष्पक विमान पर रखा। इसके पश्चात्राम और लक्ष्मणादि देवरों तथा कुश आदि बच्चों के साथ सीता उस वृक्ष के नीचे पहुंचीं, जहां रावण के हर ले जानेपर बहुत दिनों तक रह चुकी थी। वहां पहुंचकर सीता ने बतलाया कि यह वही स्थान है, जहां आपसे वियुक्त होकर मैं बहुत दिन तक रही।

इसके अनन्तर राम के दाहिने हाथ की उंगली पकड़कर सीता अशोक वाटिका में इधर-उधर घूमती हुई उन स्थानों को दिखलाने लगीं, जहां स्नानादि कृत्य करती थीं। घुमती-घूमती सीता त्रिजटा के स्थान पर पहुंची और विविध प्रकार के वस्त्रा–भूषणों से त्रिजटा का सत्कार किया। जब त्रिजटा प्रसन्न हो गयी तो विभीषण से सीता ने कहा- जिस समय राक्षसियां अपना भयानक मुंह दिखाकर मुझे डराती-धमकाती थीं, तब यह त्रिजटा ही मेरी रक्षा करती थी मैं तुमसे विनय पूर्वक कहती हूं कि सर्वदा तुम मेरी ही तरह इसका सम्मान करना। इतना कहकर सीता ने त्रिजटा का हाथ उनके के हाथों में थमा दिया।

इस तरह घूम-फिरकर राम सीता के साथ डेरे पर पहुंचे और लंका में मन्त्री को राज्य की देख-भाल करने के लिए छोड़कर विभीषण को अपने साथ लिए हुए ही अयोध्या को प्रस्थान कर दिया। इसके अनन्तर राम पुष्पक विमान पर बैठे और अनेक देशों को देखते हुए अयोध्या को चल पड़े। अयोध्या पहुंचने पर प्रजा ने राम पर पुष्पों की वृष्टि की। इसके बाद राम अनेक महिपालों के साथ अपने सभा भवन में गए। सीता अपने महलों में चली गयीं। बाद में रामचन्द्रजी ने वहां 'कपिलवाराह' मूर्ति की स्थापना की। एक दिन रामचन्द्रजी ने प्रसन्न होकर वह शत्रुघ्न को दे दी।

इस प्रकार यहां सिद्ध होता हैं की सीता जी भी युद्ध में कौशल थीं और ये भी पता चलता है कि राम जी एक नहीं बल्कि तीन बार लंका गए थे। एक बार रावण को मारने, फिर पौण्ड्रक को मारने और अंत में सीता जी की सहायता से मुलकासुर का वध करने गए थे।**(समाप्त)**

प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान विग्रह मूर्ति की आंखों पर क्यों बांधी जाती है पट्टी ?

रामनगरी अयोध्या सहित पूरा देश में उत्सव और आनंद का माहौल है। हो भी क्यों न आखिर करीब 500 वर्षों का इंतजार की घड़ी अब समाप्त हो जाएगी और रामलला को भव्य मंदिर में विराजित कराया जाएगा। बता दें कि अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस दिन शुभ मुहूर्त में भगवान श्री राम की मूर्ति गर्भगृह में स्थापित करने के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस दौरान कई अन्य परंपराएं भी निभाई जाती है। प्राण प्रतिष्ठा के समय राम जी की विग्रह मूर्ति के आंखों में वस्त्र बांधने से लेकर उन्हें शीशा दिखाया जाएगा। जानें आखिर उन्हें क्यों दिखाया जाता है शीशा।

भगवान के विग्रह की आंखों में क्यों बांधते हैं वस्त्र

राम मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम की विग्रह मूति में पर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आंखों में वस्त्र बांध दिया जाएगा इसके बाद प्राण प्रतिष्ठा पूजा संपन्न होने के बाद ये वस्त्र खोल दिया जाएगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जिस तरह एक बच्चा अपनी मां की कोख से निकलकर आंखों में कपड़ा डाल देते हैं या फिर वह आंखें नहीं खोलता है, जिससे रोशनी से उसकी आंखें ओझल न हो।

इसी तरह प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जलाधिवास, गंधाधिवास, धान्य अधिवास जैसी कई अधिवास किए जाते हैं।

इस दौरान विग्रह में भी तेज पुंज स्थापित हो जाता है। इस दौरान नेत्रोन्मूलन विधि होती है।जिसमें आंखों में एक वस्त्र बांध दिया जाता है और आंखों में शहद लगाया जाता है।

श्री राम के विग्रह को क्यों दिखाया जाएगा शीशा ?

हिंदू धर्म में किसी भी देवी-देवता के प्राण प्रतिष्ठा करते व्यक्ति उनकी आंखों में वस्त्र बांधने के साथ-साथ आईना दिखाने का विधान है। माना जाता है कि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान विग्रह मूर्ति के नेत्रों में ऊर्जा या तेज उत्पन्न होता है। जो काफी असीमित वेग में होता है।

ऐसे में जब उनके आंखों से पट्टी हटाते हैं, तो उनका प्रतिबिंब आईना में दिखाया जाता है, जिससे वह वापस उन्हें के पास चला जाएगा और किसी को नुकसान न पहुंचे। इस अवस्था में कई बार आईना टूट भी जाता है। आईना का टूटना काफी शुभ माना जाता है।

ऑस्कर की रेस में सरपट दौड़ी '12वीं फेल' 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड'-'2018' ने मारी धांसू एंट्री

बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी की फिल्म '12वीं फेल' रिलीज होने के बाद काफी चर्चा में है। इस फिल्म ने पहले बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया अब 12वीं फेल ओटीटी पर गदर काट रही हैं। अब इन सब के बीच '12वीं फेल' फिल्म से जुड़ी हुई एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दुनिया के बेस्ट फिल्म अवॉर्ड्स में से 'ऑस्कर अवॉर्ड्स' (2024) की रेस में विक्रांत मैसी की फिल्म '12वीं फेल' भी शामिल हो गई है। विक्रांत मैसी '12वीं फेल' के साथ-साथ इस लिस्ट में हिना खान की 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' को भी एंट्री मिली है। इन दोनों फिल्म के अलावा कुल 265 फिल्म इस रेस में शामिल है।

इंडिया की तीन फिल्मों की हुईं एंट्री

हर साल की तरह इस साल भी कई फिल्मों को 'ऑस्कर अवॉर्ड्स' दिए जाने है। ऑस्कर अवॉर्ड्स के लिए कई देश अपनी बेस्ट फिल्मों को इसके लिए भेजते हैं। इसी 'ऑस्कर अवॉर्ड्स' की रेस इस बार कुल 265 फिल्मों का नाम सामने आया है। इन 265 फिल्मों में से इंडिया की तीन फिल्में हैं। पहला नाम विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' का है, तो वहीं लिस्ट में दूसरा नाम हिना खान की 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' का है। तीसरा नाम साउथ की फिल्म '2018' का है। तीनों ही फिल्में काफी शानदार है। इन फिल्मों को उनके कंटेंट की वजह से काफी पसंद किया गया था। आपको बता दें कि फिल्मों की लिस्ट को 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' ने शेयर किया है। इंडिया की ये तीनों का 'ऑस्कर अवॉर्ड्स' की रेस में नाम आने से फैंस काफी खुश दिखाई।

लिस्ट में शामिल हैं हॉलीवुड की ये टॉप फिल्में

इंडिया की इन तीन फिल्मों के अलावा 265 मूवीज की लिस्ट में हॉलीवुड की कई धांसू फिल्में शामिल है। लिस्ट में साल 2023 में रिलीज हुई 'बार्बी, 'ओपेनहाइमर, और 'किलर्स ऑफ द फ्लावर मून' जैसी कई फिल्मों के नाम शामिल है। 'ऑस्कर अवॉर्ड्स' की रेस में इंडिया की तीन फिल्में शामिल होने पर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

'हनुमान' की शूटिंग के दौरान एक आंख खोने वाले थे तेजा सज्जा

साउथ अभिनेता तेजा सज्जा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'हनुमान' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। समीक्षकों और दर्शकों दोनों से सकारात्मक प्रतिक्रिया पाने के अलावा फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर सफल साबित हो रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'हनुमान' के अभिनेता तेजा सज्जा ने फिल्म की शूटिंग के दौरान लगभग अपनी एक आंख खो दी थी? दरअसल, शूटिंग के दौरान वे एक हादसे के शिकार हो गए, जिसका खुलासा उन्होंने खुद किया।

हाल ही में दिए साक्षात्कार में तेजा सज्जा ने खुलासा किया कि शूटिंग के दौरान उनकी दाहिनी आंख के कॉर्निया को नुकसान पहुंचा है। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने उनके किरदार के लिए एक लाल लेंस का इस्तेमाल किया, जिससे उनके कॉर्निया पर खरोंच आ गई। वहां बहुत सारी धूल और छोटे-छोटे पत्थर भी थे, जो आंखों को नुकसान पहुंचा सकते थे। अभिनेता ने कहा कि यह बहुत दर्दनाक था। पूरी तरह देखने से पहले उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

कई चुनौतियों के बावजूद, तेजा ने कहा किया कि उन्हें शूटिंग का हर मिनट पसंद आया। लोग अपना खून-पसीना देने की बात करते हैं। उनके अनुसार, उन्होंने सचमुच ऐसा किया, क्योंकि यह फिल्म प्यार, दर्द और ईमानदारी का परिश्रम है। फिल्म की बॉक्स-ऑफिस सफलता के बारे में बात करते हुए तेजा ने बताया कि फिल्म पहले ही दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये पार कर चुकी है और अभी भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरी टीम के लिए सपना सच होने जैसा है। तेजा ने आगे कहा कि इन सभी नंबरों का उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है, क्योंकि वह बचपन से ही तेलुगु फिल्म उद्योग में ऐसी कई सफलताओं का हिस्सा रहे हैं। तेजा ने यह भी खुलासा किया कि वह पहले भी आस्तिक थे, लेकिन 'हनुमान' की शूटिंग ने भगवान में उनकी आस्था को और मजबूत कर दिया है। उन्होंने रास्ते में हर कदम पर दैवीय हस्तक्षेप देखा। वहीं, बात करें फिल्म की तो प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी 'हनुमान' सुपरहीरो फिल्म है। 'मेरी क्रिसमस' और 'गुंटूर करम' जैसी बड़ी फिल्मों के साथ टकराव के बावजूद, यह दुनिया भर के कई सिनेमाघरों में हाउसफुल जा रही है।

विजय -रश्मिका ने किया लिवइन में रहने का फैसला!

साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने फिल्म 'एनिमल' से लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म के बाद रश्मिका मंदाना अपने लव अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। रश्मिका मंदाना का नाम साउथ के जाने-माने एक्टर विजय देवरकोंडा संग जोड़ा जाता है। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने अभी तक अपने अफेयर को लेकर कुछ भी खुलकर नहीं बोला है, लेकिन इनके अफेयर को लेकर एक बाद एक खबरें सामने आती रहती हैं। अभी हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा जल्द ही सगाई करने वाले हैं। लेकिन अब इसको लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'एनिमल' के सीक्वल का स्तर और ऊंचा होगा : रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना बीते वर्ष दिसंबर में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' में नजर आईं। इस फिल्म में अभिनेत्री रणबीर कपूर की पत्नी गीतांजलि के रोल में दिखीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के तमाम पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। रणबीर, रश्मिका के अभिनय और संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन की खूब तारीफ हुई, लेकिन साथ ही फिल्म विवादों के घेरे में भी खूब रही। 'एनिमल' को किसी ने महिला विरोधी बताया तो किसी ने हिंसात्मक दृश्यों का हवाला देकर निर्देशक को घेरा। अब इस पूरे मामले पर रश्मिका मंदाना ने प्रतिक्रिया दी है।

'एनिमल पार्क' का किया जिक्र

रश्मिका मंदाना ने संदीप रेड्डी वंगा को लेकर कहा कि उनका काम बाकी सबसे बिल्कुल अलग है। इस दौरान अभिनेत्री ने 'एनिमल' के सीक्वल 'एनिमल पार्क' पर भी चर्चा की और जिक्र किया कि ये और भी धमाकेदार होगी। एक बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा, 'संदीप फिल्म बनाने को एंजॉय करते हैं और सीक्वल 'एनिमल पार्क' के जरिए इस स्तर को और ऊंचा लेकर जाएंगे'।

सीक्वल पर जताया उत्साह

संदीप वंगा के लिए रश्मिका ने कहा, 'वह इंसान बिल्कुल अलग तरह से काम करता है। मुझे नहीं बता कि वे कैसे सोचते हैं, क्या खाते हैं और क्या करते हैं, लेकिन 'एनिमल' के साथ आपने देखा, ओह दर्शक क्या पसंद करते हैं वो ये है। यही है वह, जो हम दर्शकों को दिखाना पसंद करते हैं, यही वह कहानी ,है जिसे हम बनाए रखना चाहते हैं'। रश्मिका ने आगे कहा, 'अब हमारे पास पूरी यूनिवर्स है। फिल्म 'एनिमल पार्क' में हम जो चाहें खेल सकते हैं, इसलिए ये बहुत उत्साहित करने वाली बात है'।

'एनिमल' पर इस वजह से उठी थीं उंगलियां

रश्मिका ने आगे कहा, 'एक चीज जो उन्होंने (संदीप रेड्डी वंगा) मुझसे कही और उन्हें पसंद है, 'मैं 'एनिमल पार्क' में ब्लास्ट करने जा रहा हूं। उन्हें फिल्में बनाने में बहुत मजा आता है'। बता दें कि फिल्म में रणबीर कपूर रणविजय के किरदार में नजर आए। वहीं, उनकी पत्नी की भूमिका में दिखीं गीतांजलि को लेकर कुछ दर्शकों ने माना कि उसके साथ फिल्म में दुर्व्यवहार दिखाया गया।

'अन्नपूर्णानी' विवाद पर नयनतारा ने मानी हार, माफी मांगते हुए बोलीं- 'जय श्रीराम'

नयनतारा अभिनीत फिल्म 'अन्नपूर्णानी' रिलीज के बाद से ही विवादों में है। फिल्म पर हिंदू भावनाओं को आहत करने का आरोप लगने लगा है। हाल ही में इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, और फिल्म को नेटफ्लिक्स से हटा दिया गया था। विवादों को बढ़ता देख नयनतारा ने आरोप लगने के कुछ दिनों बाद माफीनामा जारी किया है। नयनतारा ने कहा है कि उनका और उनकी टीम का इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था।

नयनतारा ने मांगी माफी

नयनतारा ने अपनी फिल्म 'अन्नपूर्णानी' पर हिंदू भावनाओं को आहत करने का आरोप लगने के कुछ दिनों बाद माफीनामा जारी किया। अभिनेत्री ने गुरुवार देर रात अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नेटफ्लिक्स पर फिल्म रिलीज होने के बाद सामने आए विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक बयान जारी किया। अभिनेत्री ने जय श्रीराम से शुरुआत कर नोट में लिखा, 'एक सकारात्मक संदेश साझा करने के हमारे ईमानदार प्रयास में, हमने अनजाने में ठेस पहुंचाई है। हमें उम्मीद नहीं थी कि पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित सेंसरयुक्त फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटा दिया जाएगा।'

दिल से माफी मांगती हूं- नयनतारा

नयनतारा ने आगे जोड़ा, 'मेरी टीम और मेरा इरादा कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था, और हम इस मुद्दे की गंभीरता को समझते हैं। एक ऐसी महिला होने के नाते जो पूरी तरह से भगवान में विश्वास करती है, और देश भर के मंदिरों में अक्सर जाती है, यह आखिरी चीज है जो मैं जानबूझकर करूंगी। जिन लोगों की भावनाओं को हमने ठेस पहुंचाई है, मैं उनसे ईमानदारी से और दिल से माफी मांगती हूं।'

'अन्नपूर्णानी' की कहानी

नयनतारा ने बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'अन्नपूर्णानी के पीछे का उद्देश्य उत्थान और प्रेरणा देना था, न कि संकट पैदा करना। पिछले दो दशकों में, फिल्म इंडस्ट्री में मेरी यात्रा एक ही इरादे से निर्देशित हुई है - सकारात्मकता फैलाना और एक-दूसरे से सीखने को बढ़ावा देना।' नयनतारा ने फिल्म में अन्नपूर्णानी की मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म एक रूढ़िवादी ब्राह्मण परिवार की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत में एक टॉप शेफ बनना चाहती है। लेकिन, उसे अभी कुछ बाधाएं पार करनी हैं। जिनमें से एक उनकी रूढ़िवादी पारिवारिक मान्यताए हैं। फिल्म में कई सीन हैं, जो उनके संघर्ष को दर्शाते हैं।

'अन्नपूर्णानी' के किस सीन पर मचा बवाल?

फिल्म में 'अन्नपूर्णानी' की एक दोस्त उसे मांस खिलाने की कोशिश करती है। इसी कोशिश में सहपाठी ने भगवान राम का उल्लेख करते हुए दावा किया कि वह भी मांस खाते थे और यह कोई पाप नहीं है। इसी सीन को लेकर बवाल मच गया है, और फिल्म को तमाम आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। साथ ही फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से हटाई जा चुकी है। पूर्व शिव सेना नेता रमेश सोलंकी ने फिल्म के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, और आरोप लगाया है कि फिल्म ने हिंदू समुदाय की भावनाओं को आहत किया है।

ऋतिक-दीपिका की फिल्म का ट्रेलर देख बौखलाया ये पाकिस्तानी कलाकार! सिद्धार्थ आनंद ने दिया मुंहतोड़ जवाब

अभिनेता ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'फाइटर' रिलीज को तैयार है। दीपिका और ऋतिक की इस फिल्म के लिए भारत में जहां दर्शकों के बीच जबर्दस्त उत्साह बना हुआ है, वहीं पाकिस्तानी कलाकार इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर ही बौखला गए हैं। पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर से लेकर अदनान सिद्दीकी तक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से 'फाइटर' फिल्म की आलोचना की है। अब फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने इन पाकिस्तानी कलाकरों को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

क्या कह रहे हैं पाकिस्तानी कलाकार?

'फाइटर' फिल्म की रिलीज में जहां कुछ दिन ही बाकि रह गए हैं, वहीं पाकिस्तानियों की बौखलाहट सोशल मीडिया पर साफ-साफ दिखाई देने लगी है। 'मॉम' फिल्म में दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के साथ काम कर चुके पाकिस्तानी अभिनेता अदनान सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक ट्वीट किया है। अभिनेता ने ट्वीट कर लिखा, 'बॉलीवुड में कभी प्यार के लिए जश्न मनाया जाता था, लेकिन आज वहां नफरत से भरी कहानियां लिखी जा रही हैं। आप हमें विलेन के रूप में दिखा रहे हैं, जबकि हम आपकी फिल्मों से बेहद प्यार करते हैं। आपकी ये सोच निराशाजनक है।' वहीं 'फाइटर' के ट्रेलर के रिलीज के तुरंत बाद पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर ने भी ऐसा ही कुछ शेयर किया था।

सिद्धार्थ आनंद ने किया पलटवार

सोशल मीडिया पर 'फाइटर' फिल्म को लेकर हिंदुस्तान और पाकिस्तान के फैंस आपस में भीड़ रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर घमासान मच चुका है। अब 'फाइटर' के निर्देशक भी पाकिस्तानियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए मैदान में उतर गए हैं। सिद्धार्थ ने हानिया आमिर के ट्वीट के जवाब में 'ओह' लिख कर अपनी असहमति को दर्ज करवाया है। वहीं एक और ट्वीट के जवाब में सिद्धार्थ ने इमोजी का इस्तेमाल किया है।

2024 में सात फेरे लेंगे आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे? चंकी पांडे ने किया कंफर्म!

बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने फिल्म आशिकी 2 से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस मूवी में आदित्य ने अपने अभिनय का जलवा बिखेरा था। बीते साल उनकी वेब सीरीज नाइट मैनेजर रिलीज हुई, जिसे लोगों ने तगड़ा रिस्पॉन्स दिया। इसके अलावा आदित्य रॉय कपूर अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी चर्चा में बने रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आदित्य रॉय कपूर इन दिनों बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को डेट कर रहे हैं। इस बीच आदित्य और अनन्या को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि दोनों अपने प्यार को शादी का नाम देने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आदित्य रॉय और अनन्या पांडे काफी समय से प्यार के रिश्ते में हैं। दोनों को कई बार एक स्पॉट भी किया गया है। आदित्य और अनन्या की जोड़ी भी फैंस को काफी पसंद आती है। इस बीच अब एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में इन दोनों की शादी की खबरें वायरल हो रही हैं। दरअसल, जूम टीवी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें आदित्य और अनन्या की शादी की बात कही गई थी। इस पोस्ट को अब चंकी पांडे ने लाइक कर दिया है। इसके बाद अब लोग कह रहे हैं कि चंकी पांडे भी चाहते हैं कि आदित्य और अनन्या जल्द शादी के बंधन में बंध जाएं। बता दें कि अभी तक इस मामले में किसी ने कोई चुप्पी नहीं तोड़ी है। बीते साल 2023 में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे, आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में नजर आई थीं। मूवी में अनन्या ने शानदार एक्टिंग की थी। फिल्म ड्रीम गर्ल ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। अब एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने एक इंटरव्यू में कहा है कि वो बायोपिक में काम करना चाहती हैं।

51 साल की उम्र में कश्मीरा शाह ने बिकिनी में दिखाया बोल्ड अवतार, वीडियो देख ट्रोल्स बोले- 'बी ग्रेड एक्ट्रेस'

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कश्मीरा शाह आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। कश्मीरा अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। 51 साल की उम्र में भी कश्मीरा ने अपना फिगर मेंटेन रखा है। यही वजह है कि लोग उनकी हर अदा पर फिदा है। हालांकि ऐसे भी कई लोग है जो कि कश्मीरा शाह को जमकर ट्रोल करते हैं। इसी कड़ी में कृष्णा अभिषेक की वाइफ कश्मीरा शाह का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देख उनके फैंस को सर्दी में गर्मी का एहसास हो रहा है। हालांकि कुछ लोगों को कश्मीरा का ये अंदाज पसंद नहीं आया है।

टीवी एक्ट्रेस कश्मीरा शाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है, जो कि एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में आग की तरह फैल रहा है। सामने आए इस क्लिप में कश्मीरा शाह ने कुछ ऐसा कर दिया है कि सभी लोग दंग रह गए हैं। वीडियो में कश्मीरा शाह बिकिनी पहनकर दौड़ती नजर आ रही हैं। क्लिप में आप देख सकते हैं कि वो कुत्ते के साथ समंदर किनारे खेल रही हैं। जहां फैंस कश्मीरा शाह के बोल्ड फिगर पर फिदा हो गए हैं। वहीं ट्रोल्स को एक और मौका मिल गया है कश्मीरा को ट्रोल करने का। एक यूजर ने लिखा, बी ग्रेड फिल्मों वाली एक्ट्रेस'।

229 साल में भी खत्म नहीं होगी गरीबी, लेकिन अमीर हो रहे हैं और अमीर... रिपोर्ट में खुलासा!

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया में अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार बढ़ रही है. अरबपतियों की दौलत बढ़ रही है और वो लगातार ज्यादा रईस होते जा रहे हैं.

वहीं दूसरी तरफ गरीबों की संख्या भी बढ़ती जा रही है क्योंकि लोगों की कमाई घट रही है. स्विटजरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में ऑक्सफेम की रिपोर्ट में दावा किया गया कि दुनिया के 5 सबसे रईस लोगों की दौलत 2020 के बाद से दोगुनी से ज्यादा हो गई है. इसके मुताबिक, मौजूदा रुझान जारी रहा तो एक दशक के भीतर ही दुनिया को पहला ट्रीलीनियर यानी खरबपति मिल जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 के बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है. ऑक्सफेम की रिपोर्ट में इस ट्रेंड के आधार पर गंभीर चिंता जाहिर की गई है. इसमें कहा गया है कि अगर ये रुझान जारी रहा तो अगले 229 साल तक भी दुनिया से गरीबी खत्म नहीं होगी. ऑक्सफैम ने हर साल की तरह वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम की एनुअल बैठक के दौरान अपनी सालाना असमानता रिपोर्ट जारी करते हुए ये जानकारी दी है. अमीरों की बढ़ती दौलत पर रोशनी डालते हुए ऑक्सफेम की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 10 सबसे बड़े कॉरपोरेशन में से सात में सीईओ या प्रमुख शेयल होल्डर एक अरबपति है. 148 टॉप कॉरपोरेशन ने 1800 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया जो तीन साल के औसत से 52 फीसदी ज्यादा है. इस अवधि में अमीर शेयर होल्डर्स को भारी भुगतान किया गया जबकि करोड़ों लोगों को वेतन कटौती का सामना करना पड़ा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन शेयर मार्केट में छुट्टी

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार में भी छुट्टी रहेगी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में 22 जनवरी को अवकाश घोषित किया है। ऐसे में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इस दिन कोई कारोबार नहीं होगा।

22 जनवरी की छुट्टी के चलते शनिवार को पूरे दिन मार्केट को ओपन रखा गया, जबकि आमतौर पर शनिवार को बाजार की छुट्टी रहती है। पहले शनिवार को 2 घंटे मार्केट खोलने की चर्चा थी, लेकिन 20 जनवरी के सर्कुलर में कहा गया कि शनिवार को पूरे दिन, यानी सुबह 9 से दोपहर 3:30 बजे तक बाजार में कारोबार होगा। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी 20 जनवरी को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 325 अंक की तेजी के साथ 72,008 पर खुला। वहीं निफ्टी में भी 84 अंक की तेजी रही। ये 21,706 के लेवल पर ओपन हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी और सिर्फ 2 में गिरावट देखने को मिल रही है। पावर और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त दिखी थी। आज कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करने जा रही हैं। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक, केन फिन होम्स, आईसीआईसीआ, आईडीबीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इरेडा, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, जे के सीमेंट, परसिस्टेंट सिस्टम्स और यूनियन बैंक शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ऑफिसों में भी 2,000 का नोट बदलने या जमा करने की सुविधा 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन बंद रहेगी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के संबंध में आदेश जारी किया था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में 22 जनवरी को आधे दिन का अवकाश रहेगा।

सेंसेक्स 259 अंक गिरकर 71,423 पर बंद

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी 20 जनवरी को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 259 अंक फिसलकर 71,423 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 50 अंक की गिरावट रही। ये 21,571 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में गिरावट और 6 में तेजी देखने को मिली है। बैंकिंग शेयर्स में बढ़त रही।

कोटक बैंक को तीसरी तिमाही में 3,005 करोड़ का प्रॉफिट

कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं।

अमेरिकी टेक कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ की स्टेज शो के दौरान हुए हादसे के बाद मौत

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रहने वाले भारतीय सीईओ और एक बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी के संस्थापक की गुरुवार रात हुए रामोजी फिल्म सिटी (आरएफसी) में एक कॉर्पोरेट कार्यक्रम के दौरान लोहे के पिंजरे का कोंटरापशन गिरने से मौत हो गई और इसके अध्यक्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा विस्ट्रेक्स एशिया पैसिफिक प्राइवेट लिमिटेड के सिल्वर जुबली कार्यक्रम के दौरान हुआ।

इलिनोइस स्थित सीईओ संजय शाह (56) का हैदराबाद में एक अस्पताल में निधन हो गया, जबकि कंपनी के अध्यक्ष विश्वनाथ राजू डाटला जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। विस्ट्रेक्स ने आरएफसी में अपने कर्मचारियों के लिए कमरे बुक किए थे और दो दिनों में रजत जयंती समारोह आयोजित करने की योजना बना रहा था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, 'शाह और राजू को पिंजरे से मंच पर उतारा जाना समारोह की शुरुआत करने के लिए पहले से तय कार्यक्रम था। उसी दौरान हादसा हो गया।

'श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद' नाम से मिठाई बेचने के लिए अमेजन को नोटिस

सात दिनों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 'श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम से मिठाई बेचने के लिए अमेजन को नोटिस जारी किया है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि सीसीपीए ने नोटिस जारी होने के सात दिनों के भीतर अमेजन से जवाब मांगा है। अन्यथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। मुख्य आयुक्त रोहित कुमार सिंह की अध्यक्षता में, सीसीपीए ने 'श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद' नाम के तहत 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एमेजन डॉट इन' पर मिठाइयों की बिक्री के संबंध में अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। यह कार्रवाई व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रतिवेदन के आधार पर शुरू की गई है। प्रतिवेदन में आरोप लगाया गया है कि अमेजन 'श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद' की आड़ में मिठाइयों की बिक्री से जुड़ी भ्रामक व्यापार गतिविधियों में शामिल है।

स्पाइसजेट भी शुरू करेगी आठ शहरों से अयोध्या के लिए फ्लाइट्स

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा होगी. प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे. इसी को देखते हुए अब अयोध्या को देश के हर कोने से हवाई और रेल मार्ग से जोड़ा जा रहा है. कई एयरलाइंस कंपनियों ने अयोध्या के लिए देश के अलग-अलग शहरों से फ्लाइट्स शुरू करने का ऐलान किया है. इसी कड़ी में अब स्पाइजेट ने भी देश के आठ शहरों से अयोध्या के लिए सीधी फ्लाइट शुरू करने की घोषणा की है।

स्पाइसजेट दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर, पटना, दरभंगा, चेन्नई, मुंबई और बेंगलुरु से सीधी उड़ानें शुरू करेगी. सभी फ्लाइट्स का संचालन 1 फरवरी 2024 से शुरू हो जाएगा. वहीं, 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए स्पाइसजेट ने पहले ही दिल्ली से अयोध्या के बीच 21 जनवरी को एक स्पेशल फ्लाइट संचालित करने की घोषणा की

थी. राम मंदिर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को 21 जनवरी को स्पाइस जेट का स्पेशल विमान दिल्ली अयोध्या के बीच उड़ान भरेगा।

इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस की भी मिलेगी सेवाएं

देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी अलग-अलग शहरों से अयोध्या के लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा कर चुकी है. इंडिगो दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई से अयोध्या के लिए फ्लाइट्स चलाएगी. इंडिगो की दिल्ली-अयोध्या उड़ान छह जनवरी से शुरू भी हो चुकी है. यह फ्लाइट 11:55 बजे दिल्ली से चलती है. इसी तरह हर सप्ताह के मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इंडिगो अहमदाबाद से अयोध्या के लिए भी एक फ्लाइट चला रही है. यह 9:10 बजे अहमदाबाद से उड़ान भरती है. वहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद से अयोध्या के बीच फ्लाइट्स शुरू करने का ऐलान कर चुकी है।

अकासा एयर की भी मिलेगी फ्लाइट

अकासा एयर ने भी अयोध्या के लिए फ्लाइट्स शुरू करने की घोषणा की है. एयरलाइंस पुणे से अयोध्या वाया दिल्ली के बीच फ्लाइट शुरू करने जा रही है. पुणे से अयोध्या के बीच इस फ्लाइट की शुरुआत 15 फरवरी 2024 से होगी. अकासा की उड़ान पुणे से सुबह 8.50 मिनट से फ्लाइट उड़ान भरकर यह दिन में 12.55 मिनट पर अयोध्या पहुंचेगी।

सोना 300 रुपये चढ़ा 400 रुपये चमकी चांदी

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू बाजार में आज सोने-चांदी के भावों में तेजी देखी जा रही है. सोने के भावों में 300 रुपये प्रति 10 ग्राम की मजबूती दर्ज की गई है तो चांदी के भाव 200 रुपये प्रति किलो तेज बोले जा रहे हैं. हालांकि, ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी के भावों में मिलाजुला रुख देखा जा रहा है. ग्लोबल मार्केट में सोना 6.04 डॉलर की तेजी के साथ 2029.63 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता हुआ देखा गया है, तो चांदी 0.16 डॉलर की कमजोरी के साथ 22.61 डॉलर प्रति औंस पर हैं.

हैदराबाद में 22 कैरेट सोने के रेट 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने के रेट 62,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं. चांदी के रेट 77,200 रुपये प्रति किलो पर हैं. गुडरिटर्न्स वेबसाइट पर दिए रेट के मुताबिक, आज सोने चांदी के भावों में की मजबूती देखी जा रही है।

दैनिक पंचांग

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-53** सूर्यास्त. - **18-01**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **19 -27** - तक उपरान्त द्वादशी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , रविवार **21 January**
नक्षत्र - रोहिणी - **03 - 52** - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - शुक्ल - **09 - 46** - तक उप ब्रह्म
करण- वणिज - **07 -24** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पुत्रदा एकादशी व्रत सर्वे

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर..	06-29 बजे
चंद्र-	वृष	में	कुंभ...	08-19 बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-57 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-33 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	13-18 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	15-18 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-30 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह...	19-43 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-49 बजे
			तुला.....	23-54 बजे
			वृश्चिक	01-05 बजे
			धनु.....	04-22 बजे

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:40 से 18:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:53 - 08:15 अशुभ	शुभ.	18:01 - 19:40 शुभ
चंचल	08:15 - 09:39 शुभ	अमृत.	19:40 - 21:16 शुभ
लाभ	09:39 - 11:03 शुभ	चंचल.	21:16 - 22:51 शुभ
अमृत	11:03 - 12:27 शुभ	रोग	22:51 - 24:27 अशुभ
काल.	12:27 - 13:51 अशुभ	काल	24:27 - 02:03 अशुभ
शुभ.	13:51 - 15:16 शुभ	लाभ	02:03 - 03:39 शुभ
रोग	15:16 - 16:40 अशुभ	उत्पात	03:39 - 05:15 अशुभ
उत्पात	16:40 - 18:01 अशुभ	शुभ	05:15 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज बोलने में सावधानी रखें आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है,उसके मेंटर बन जाएँ अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा मछली खाते हुए सावधान रहें

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,ज्हाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा परिवार के साथ समय बिताएं

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है आज आराम करें

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

गहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं जो कुछ आपने सोचा है ,वो सब करने की कोशिश करें आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

प्री-कोविड लेवल पर अभी भी नहीं पहुंचा जॉब मार्केट

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। देश में नौकरियों की तस्वीर चिंताजनक है। 4 साल में निजी क्षेत्र में नई नौकरियों में सालाना 3.1% की ग्रोथ आई, जबकि जीडीपी ग्रोथ रेट 4.5% के आसपास थी। प्री-कोविड की तुलना में 2,975 कंपनियों में से 49.44% में 8.2 लाख रोजगार घटे। बाकी 1,504 कंपनियों में 17.4 लाख नए रोजगार आए। कुल मिलाकर नौकरियों में इजाफा 9.2 लाख ही रहा। यह बात बैंक ऑफ बड़ौदा की रिसर्च रिपोर्ट में कही गई है।

आईटी, वित्त, रिटेल सहित 6 सेक्टर रहे, जिनमें जॉब ग्रोथ चार साल के औसत से ज्यादा रहीं। 8 सेक्टर में जॉब ग्रोथ 2.5% से कम रही। 14 सेक्टर की कंपनियों में नौकरियां घटी हैं। टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल व एंसीलरी सेक्टर्स में सबसे ज्यादा नौकरियां घटी हैं। कोविड के पहले इनमें 7.06 लाख नौकरियां थीं, जो 34.13% घटकर 4.65 लाख ही बची हैं। सालाना गिरावट 8.35% रही। कंपनियों ने कोविड के दौरान बड़े पैमाने पर नौकरियां घटाई थीं। क्योंकि उनके पास कंपनियों को बचाने के लिए कोई दूसरा विकल्प था ही नहीं। हालांकि कंपनियां अब हायरिंग कर रही हैं। प्री-कोविड लेवल तक पहुंचने में अभी समय लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक देश के कॉर्पोरेट सेक्टर में 81.2 लाख कर्मचारी हैं। एक साल में 3.9 लाख ही नई नौकरियां आईं। जानकारों का कहना है कि यह संख्या रोजगार चाह रही बड़ी आबादी को देखते हुए बेहद कम है। 2022 में 4.9 लाख को नौकरियां मिली थीं।

टाटा स्टील करने वाली है दो ब्लास्ट फर्नेस बंद

2800 लोगों की जाएगी नौकरी

लंदन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील का स्टील प्लांट यूनाइटेड किंगडम या ग्रेट ब्रिटेन में भी है। स्टील बनाने वाली इस कंपनी ने ब्रिटेन के साउथ वेल्स में पोर्ट टैलबोट प्लांट में अपने दो ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने का फैसला किया है। टाटा स्टील ने कहा कि वह ये कदम अपने ऑपरेशन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के प्रयास के तहत उठा रही है। हालांकि, इस प्रयास में वहां काम कर रहे 2,800 लोगों की नौकरियां जाएंगी।

क्यों लिया गया यह फैसला

कंपनी ने कहा, "इस योजना का उद्देश्य एक दशक से अधिक के नुकसान को दूर करना और पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस से अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल इस्पात व्यवसाय में परिवर्तन करना है।" कंपनी पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस की जगह आधुनिक तकनीक वाले इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस लगाएगी। बयान में बताया गया है कि इस परिवर्तन से ब्रिटेन में कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष 50 लाख टन की कमी आएगी। साथ ही कंपनी के उत्पाद पर्यावरण के नजरिये से सुरक्षित होंगे।

घटेगी लागत, बचेगा पर्यावरण

टाटा स्टील की योजना उत्सर्जन और लागत को कम करने की है। इस योजना के तहत संयंत्र में दो ब्लास्ट फर्नेस को इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस से बदल देगी। हालांकि, पोर्ट टैलबोट प्लांट में दोनों ब्लास्ट फर्नेस के बंद होने के साथ कोकिंग ओवन और स्टील शॉप जैसी यूनिट्स भी बंद हो जाएंगी। स्टील प्लांट को समझने वाले जानते हैं कि कोक ओवन बैटरी प्लांट से कितना कार्बन उत्सर्जन होता है। साथ ही इस प्लांट में मजदूरों की भी ज्यादा आवश्यकता पड़ती है। इसके उलट इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में कोक की जरूरत ही नहीं पड़ती है।

वहां काम करने वालों का क्या होगा

टाटा स्टील ने कहा है कि इस फैसले से वहां काम करने वाले 2,800 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। इनमें से लगभग 2,500 पद अगले 18 महीनों में प्रभावित होंगे। कंपनी ने बयान में कहा है कि वह प्रस्तावित पुनर्गठन योजना और प्रभावित कर्मचारियों के लिए सहायता व्यवस्था पर वैधानिक परामर्श शुरू करेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक रुख से सीईओ उत्साहित

दावोस, 20 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व आर्थिक मंच के इतर प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) 27वें ग्लोबल सीईओ सर्वे की रिपोर्ट पेश की गई। इसमें बताया गया कि 86% भारतीय सीईओ देश की अर्थव्यवस्था में आने वाले एक वर्ष में और सुधार की उम्मीद कर रहे हैं। सर्वे में शीर्ष 79 कंपनियों के सीईओ शामिल हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, तमाम सीईओ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा गत वर्ष की तुलना में 30% ज्यादा बढ़ गया है।

सितंबर 2023 में भारत निवेश के लिए पसंदीदा जगहों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। इसे लेकर दुनियाभर की कंपनियों व उनके सीईओ में उत्साह है। विश्व स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति बनी सकारात्मक भावना के चलते देश के 70% सीईओ को उम्मीद है कि उनकी कंपनियां अगले तीन वर्ष में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। इसके अलावा अल्पावधि में 62% अगले 12 माह में कंपनी की वृद्धि के प्रति आश्वस्त हैं, जबकि विश्व स्तर पर यह आंकड़ा 37% है। भारत के सीईओ अगले 12 माह में मुद्रास्फीति, साइबर जोखिम व स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को शीर्ष तीन खतरों के रूप में पहचानते हैं। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 54वीं वार्षिक बैठक के तहत भारत ने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए वैश्विक गठबंधन स्थापित किया। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, हरदीप पुरी भी मौजूद रहे।

सीमापार भुगतान आसान होगा

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, डिजिटल मुद्रा से सीमापार भुगतान आसान होगा। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन आसान हो जाएगा। भारत कई देशों से इस संबंध समझौते कर रहा है। भारत में बनी पहली चिप इस साल दिसंबर तक दुनिया के सामने आ जाएगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका श्रेय पएम नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा, भारत में बहुत तेजी से सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित हो रहा है। वैष्णव ने कहा, पीएम मोदी ने जनवरी 2022 में देश में पहली बार सेमीकंडक्टर नीति पेश की और दिसंबर 2024 में भारत में चिप उत्पादन शुरू होने जा रहा है। दावोस में हर कोई इस तेजी से हैरान दिखा।

10 हजार कंपनियों की भारत में रुचि

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बताया कि दावोस में 10 हजार से ज्यादा कंपनियों ने भारत में निवेश के अवसरों में रुचि दिखाई है। डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं ईरानी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत में शुरू किए गए दुनिया के सबसे बड़े हाइड्रोजन उत्पादन अभियान में कंपनियां गहरी दिलचस्पी ले रही हैं। उनका भारत में जबरदस्त स्वागत किया गया है।

शरीर ही इनका मंदिर, गुदवाते राम नाम

रामचरित मानस के सामने करते शादी, राम नाम जले नहीं इसलिए दफनाते शव

सारंगगढ़, 20 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ में एक संप्रदाय है रामनामी। इस संप्रदाय के लोगों की राम में अटूट आस्था है। इसके बावजूद ये मंदिर में पूजा नहीं करते। पीले कपड़े नहीं पहनते। सिर पर टीका नहीं लगाते और मूर्ति पूजा में भी यकीन नहीं रखते।

रामनामी संप्रदाय के लोगों से मिलने मैं छत्तीसगढ़ पहुंचती हूं। राजधानी रायपुर से अंदाजन 200 किलोमीटर दूर जांजगीर चांपा और सारंगगढ़ जिले की ओर मेरी टैक्सी रफ्तार से दौड़ रही है। मुझे सारंगगढ़ के गांव मंधईभांठा जाना है, जिसके लिए मुख्य मार्ग से बाएं हाथ को एक रास्ता कटता है।

कच्चे रास्ते पर धूल उड़ाती हमारी गाड़ी कंटीली झाड़ियों के जंगल से होते हुए मनहर के घर की ओर बढ़ रही है। मुझे दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं पड़ रहा। करीब दो किलोमीटर चलने के बाद मुझे एक घर दिखता है। सूखी घास के मैदान में ईंट-गारे से बिना लिपाई-पुताई के बना इकलौता घर। 50 साल के मनहर घर के बाहर खड़े हैं। मैं नमस्ते बोलती हूं तो वे हाथ जोड़कर जोर से राम-राम बोलते हैं। उनकी पत्नी मुझसे गले मिलती हैं। वह भी बुलंद आवाज में राम-राम बोलती हैं। मनहर ने सामान्य कपड़ों के ऊपर कंधों तक सफेद रंग का एक कपड़ा पहना है। जिस पर राम-राम लिखा है। उसके ऊपर से एक चादर ओढ़ी है, उस पर भी राम-राम लिखा है। सिर पर मोर पंख से बनी रामनामी टोपी है। मुझसे बात करते हुए मनहर को जरा-सा भी वक्त मिलता है तो वे राम-राम भजने लगते हैं। बीच-बीच में राम-राम बोलते हुए नाचने भी लगते हैं।

मैं उनसे पूछती हूं कि आपके और मेरे राम में क्या फर्क है?

मनहर बताते हैं, 'हमारा राम सिर्फ दशरथ पुत्र राम नहीं है। हमारा राम तो घट-घट में रहता है। वह मुझमें भी है और आपमें भी। उसका कोई रूप नहीं है। हमारे घर किसी भगवान की मूर्ति नहीं है और न ही हम मंदिर जाते हैं। हम सिर्फ राम का भजन करते हैं। समय मिलने पर हम ग्रुप में भी राम भजन करते हैं। इसके लिए समुदाय के लोगों को पहले ही सूचना दे दी जाती है कि फलां जगह पर आज रात भजन होगा। लोग अपने काम निपटाकर वहां इकट्ठा हो जाते हैं।'

अब शाम ढलने को है। मनहर मुझे बताते हैं कि आज शाम पास के गांव में भजन का कार्यक्रम है। मैंने भी उनके साथ वहां जाने की इच्छा जाहिर की। कुछ देर बाद मैं मनहर के साथ उस गांव में पहुंचती हूं। दो कमरे का घर। चौखट मिट्टी से लिपी है। कमरों में खेत से आया अनाज बिखरा है। आंगन में लोग धीरे-धीरे इकट्ठे हो रहे हैं। इन लोगों के शॉल पर लिखे राम के रंग, रूप, आकार अलग-अलग हैं। किसी के शॉल पर छोटा तो किसी शॉल पर मोटा। जितने लोग उतने राम के रंग। आते-जाते लोग एक दूसरे से राम-राम बोल रहे हैं। मैं नमस्ते बोलती हूं, तो कुछ लोग मुझे टोक देते हैं। कहते हैं- 'भगतन राम-राम कहिए।' ये लोग महिलाओं को भगतन कहते हैं।

अब दो रामचरित मानस लाई जाती हैं। कुछ लोग उसे पढ़ना शुरू करते हैं। सभी के हाथ में घुंघरू हैं। वे घुंघरू बजाते हुए राम नाम का भजन कर रहे हैं। बीच-बीच में कुछ लोग नृत्य भी कर रहे हैं। 17 साल की जिया इस घर की बेटी हैं। मुझसे कहती हैं कि आप खाना खा लो, भजन तो पूरी रात चलेगी। थोड़ी देर बाद मुझे खाने के लिए बैठाया गया। मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना। पीतल की थाली में मूंग की दाल, लाल साग की सब्जी, चावल और अचार परोसा गया। इसके बाद काली चाय पीने को मिली।

मैंने पूछा आप लोग काली चाय ही पीते हैं क्या?

जवाब मिलता है- हमें घंटों बैठकर राम-राम भजना होता है। इसलिए हम काली चाय ही पीते हैं। कुछ महिलाओं ने बिंदी की जगह पर राम नाम गुदवा रखा है। इन्हीं में से एक 70 साल की शिरोमणि हैं। कहती हैं, 'राम-राम ही सुहाग हैं। मुझे बिंदी की जरूरत ही नहीं है।'

75 साल की सदेबाई रामनामी बनने की कहानी बताती हैं-

'मेरी शादी बचपन में ही हो गई थी। शादी के वक्त सोना-चांदी पहनकर ससुराल आई थी। कुछ दिन बाद मैंने सारे जेवर उतार दिए। राम नाम की चूड़ियां, मंगलसूत्र और पाजेब बनवा ली। जब 35 साल की हुई तो मैंने पति से कहा कि मुझे पूरे शरीर राम-राम गुदवाना है। इसके बाद हम दोनों ने पूरे शरीर पर राम-राम गुदवा लिया। पूरे शरीर पर राम नाम गुदवाने में करीब एक महीने का वक्त लगा।' इसके बाद मनहर के साथ वापस मैं उनके घर लौट जाती हूं। इनके जीवन में राम नाम कैसे रचा-बसा है, इसे जानने के लिए मैं दो दिन तक मनहर के घर में रही।

मनहर और उनकी पत्नी सुबह 4 बजे जाग जाते हैं। नित्यकर्म करने के बाद नहाते हैं। कितना भी सर्द मौसम क्यों न हो, वे लोग बिना नहाए नहीं रहते। नहाने के बाद राम नाम का भजन करते हैं। फिर नाश्ता करते हैं और खेत में काम करने के लिए निकल जाते हैं। काम करते वक्त भी ये राम-राम भजते रहते हैं।

मनहर कहते हैं, 'महिला-पुरुष हर कोई रामनामी बन सकता है। यह लोगों की श्रद्धा पर निर्भर करता है। अपने शरीर के किसी भी हिस्से में राम लिखवाने वालों को रामनामी। माथे पर दो राम नाम लिखवाने वाले को शिरोमणि और पूरे माथे पर राम नाम अंकित करने वाले को सर्वांग रामनामी कहा जाता है। जबकि शरीर के सभी हिस्से में राम नाम लिखाने वालों को नखशिख रामनामी कहा जाता है।' अभी देश में सिर्फ दो ऐसे रामनामी जिंदा बचे हैं, जिन्होंने नाखून से लेकर बाल तक शरीर के हर हिस्से पर राम-राम गुदवा रखा है। राम भगत उन्हीं में से एक हैं। राम भगत कहते हैं, 'राम नाम लिखवाना हमारी खानदानी परंपरा रही है। दादा-बाबा-पापा सबने अपने शरीर पर राम नाम लिखवाए। इसलिए मैंने भी अपने शरीर पर राम नाम लिखवाया। पहले मैंने शरीर के एक हिस्से पर लिखवाया था। बाद में पूरे शरीर पर लिखवा लिया।'

आमतौर पर बच्चे के जन्म के छठे दिन उसके माथे पर राम नाम के 4 अक्षर अंकित किए जाते हैं। पांच साल के होने या शादी बाद वे पूरे शरीर पर राम नाम लिखवा सकते हैं। यहां से करीब 45 किलोमीटर दूर एक गांव है चंदलीडीह। यहां रामनामी समाज का मेला लगता है। हर साल यह मेला पौष शुक्ल पक्ष एकादशी को लगता है और 3 दिनों तक चलता है। इसमें देश-विदेश से लाखों की संख्या में लोग जुटते हैं। मेले में नए लोगों को रामनामी बनाया जाता है। यहां आने वालों को मिट्टी के बर्तन, लकड़ियां और दाल-चावल दिया जाता है, ताकि वे अपना खाना खुद बना सकें।

मनहर कहते हैं कि सबसे पहले मिट्टी के तेल के धुएं के ऊपर औंधा करके एक बर्तन रख दिया जाता है। बर्तन में धुंआ जमा हो जाता है। वह कालिख बनकर बर्तन के किनारों पर चिपक जाता है। उसमें बूंद-बूंद पानी मिलाया जाता है। फिर बबूल की छाल उबाल कर उसमें मिलाते हैं और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार किया जाता है। इसी पेस्ट में नुकीली सुई डालकर शरीर में चुभाया जाता है। जहां-जहां सुई चुभती है, वहां खून निकलने लगता है। सूजन भी आती है। फिर उसके ऊपर हल्दी में तेल मिलाकर लेप लगाया जाता है। पूरे शरीर पर राम-राम लिखवाने में एक महीने का वक्त लगता है। चेहरे, बाजू और पांव में लिखवाने पर एक सप्ताह और सिर्फ माथे पर या हाथ की कलाई पर राम-राम लिखवाने में एक दिन का वक्त लगता है।

शव नहीं जलाते, दिन में ही करते हैं अंतिम संस्कार

आमतौर पर हिंदू समाज में मरने पर शव को जलाया जाता है, लेकिन ये लोग शव को जलाते नहीं हैं, बल्कि दफनाते हैं। इसके पीछे की वजह एक रामनामी बताते हैं, 'हम लोग किसी मुर्दा को जलाते नहीं हैं, क्योंकि हम अपनी आंखों के सामने राम नाम को जलते हुए नहीं देख सकते।'

अंतिम संस्कार के भी नियम हैं। उजाला ढलने पर दफनाया नहीं जाता है। रात हो जाती है तो मुर्दा घर में ही रखा जाता है। दफनाने से पहले उसे नहलाया जाता है। फिर उसके शरीर पर हल्दी का लेप लगाते हैं और उसे नया सफेद रंग का लंगोट पहनाते हैं। सभी लोग राम नाम का भजन करते हुए उसे दफनाने के लिए बांस की एक काठी पर ले जाते हैं।

मरने पर शोक नहीं मनाते, न इनके समाज में सूतक लगता है

हिंदू समाज में किसी की मौत होने पर सूतक लगता है। लोग शुभ काम नहीं करते हैं, लेकिन ये लोग किसी की मौत होने पर मातम नहीं मनाते। मुर्दा भी उसी कमरे में रखा जाता है, जहां घर-परिवार के बाकी लोग बैठते हैं। घर में हर दिन की तरह ही खाना पकता है, सब लोग वैसे ही खाना खाते हैं। सारे काम उसी तरह होते हैं, जैसे हर दिन होते हैं।

रामनामी शादी के लिए किसी पंडित को नहीं बुलाते हैं। लड़के और लड़की पक्ष के लोग जैतखांब के सामने खड़े होते हैं। जैतखांब रामनामी समाज का प्रतीक है। यह चबूतरे पर बना लकड़ी या सीमेंट से बना एक स्तंभ होता है, जो सफेद रंग से पुता होता है। इस पर सफेद रंग की ध्वजा लगी रहती है। शादी के लिए जैतखांब के चारों ओर वर-वधु सात बार फेरे लेते हैं। इसके बाद रामचरित मानस पर दोनों पक्ष के लोग कुछ रुपए चढ़ाते हैं। वर-वधु को वैवाहिक दक्षिणा देते हैं। समाज के बड़े लोग उन्हें आशीर्वाद देते हैं। शादी के दौरान वर-वधु के सिर पर राम नाम गुदवाया जाता है। रामनामी 4 तरह के होते हैं। ब्रह्मचारी, त्यागी, वानप्रस्थी और संन्यासी रामनामी। ब्रह्मचारी रामनामी ताउम्र शादी नहीं करते हैं। त्यागी वे होते हैं जो शादी करते हैं, साथ रहते हैं, लेकिन फिजिकल रिलेशन नहीं बनाते हैं। त्यागी महिलाएं सिंदूर, बिंदी का भी त्याग कर देती हैं और उनकी जगह राम नाम लिखवाती हैं। चूड़ी, मंगलसूत्र और जेवर उतारकर राम नाम लिखे जेवर पहनती हैं। वहीं वानप्रस्थी शादी करते हैं। बच्चा भी पैदा करते हैं। इनकी लाइफ आम लोगों की तरह होती है। जबकि संन्यासी तप करने जंगलों में चले जाते हैं।

मनहर कहते हैं, 'पहले हमारे समाज के लोगों को ऊंची जाति के लोग मंदिरों में जाने नहीं देते थे। कहते थे कि तुम लोग अछूत हो। 1890 में आज के छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा के एक दलित युवक ने विरोध में अपने पूरे शरीर पर ही राम-राम लिखवा लिया। उसको देखकर दूसरे लोग भी अपने शरीर पर राम नाम लिखवाने लगे। धीरे-धीरे यह परंपरा बन गई।'

रामनामी परंपरा को मानने वाले दलित कम्युनिटी से आते हैं। पूरे देश में इस समय करीब 1.5 लाख रामनामी हैं। छत्तीसगढ़ में इनकी आबादी सबसे ज्यादा है। हालांकि अब इनकी संख्या घट रही है। वजह नए लड़के शरीर पर राम नाम लिखवाने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से बड़े शहरों में नौकरी नहीं मिलती है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में 2 दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने की शुरुआत, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किया पौधा रोपण

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शनिवार को दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम की शुरुआत लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने की। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के साथ भाजपा और कांग्रेस के विधायक मौजूद हैं। विधानसभा सदस्यों को संसदीय नियमों, परंपराओं और सदन के सत्र संचालन की गतिविधियों के बारे में बताया जाएगा। नए विधायकों की जो भी जिज्ञासाएं होंगी, उनका भी समाधान कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह 21 जनवरी रविवार को शिरकत करेंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का 38वां स्थापना दिवस शनिवार को मनाया गया। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने की। रायपुर में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया। धनखड़ ने कृषि स्टार्ट अप, बायोटेक और कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगाए गए कई स्टालों का निरीक्षण भी किया। बीते कुछ सालों मे देश में और हमारी सोच में काफी बदलाव आया है। आज का भारत जिस विकास के साथ आगे जा रहा है। हम हर क्षेत्र में वर्ल्ड लीडर हैं। सबसे अधिक डिजिटल ट्रांजेक्शन हमारे भारत में होते हैं।

भारतीयता हमारी पहचान है और इस पर हमें गर्व है। कभी असफल होने के डर से किसी चीज को आगे नहीं बढ़ाएंगे तो आपका नुकसान कम और देश का नुकसान ज्यादा है। कृषि में जितने स्टार्टअप की संभावना है। उसका इस्तेमाल करें। सभी बड़े बड़े उद्योग इसी में जा रहे हैं।

पहले कहा जाता था स्काई इस द लिमिट विकसित भारत@2047 हमारा सपना नहीं हमारा लक्ष्य है। हम लक्ष्य की ओर तीव्रता से जा रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार 21 जनवरी को प्रथम सत्र सुबह 11:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित होगा। इसमें प्रश्न, प्रश्नकाल, प्रश्न से उठे विषय पर आधे घंटे की चर्चा" पर व्याख्यान होगा। इसमें पूर्व मंत्री (छ.ग. शासन) विधायक अजय चंद्राकर भाग लेंगे। 12:15 से 01:30 बजे तक दूसरा सत्र रहेगा जिसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय भाग लेंगे। आय व्यय, अनुदान की मांगों पर चर्चा, कटौती प्रस्ताव, लेखानुदान, अनुपूरक अनुदान आय व्ययक का पारण जैसे टॉपिक पर व्याख्यान होगा।

तीसरा सत्र दोपहर 02:30 बजे से 03:40 बजे तक चलेगा जिसमें विधानसभा सदस्य धरमलाल कौशिक भाग लेंगे। विधान सभा की समितियां एवं अशासकीय कार्य पर बात होगी। शाम 04:15 से 05:30 बजे तक चौथा और समापन सत्र रहेगा। जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। प्रभावी विधायक कैसे बने ? इस टॉपिक पर अमित शाह टिप्स देंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पहली बार 38 विधायकों ने सदन की दहलीज पर कदम रखा। इसमें से भाजपा के 28 और कांग्रेस के 10 नेता हैं। ये सभी पहली बार विधायक के रूप में जनता के द्वारा चुने गए हैं।

ओम बिड़ला ने विधायकों से कहा- जय जोहार! बोले- ऐसे करेंगे काम तो चमकेगी विधायकी

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस प्रबोधन कार्यक्रम में आप सभी को मेरा अभिवादन, जय जोहार। छत्तीसगढ़ प्रदेश अपनी प्राकृतिक सम्पदा, सौंदर्य, यहां की अध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक रहा है। प्रदेश छोटा है लेकिन विविधताएं बहुत हैं,। यहां के पुरातत्व, संस्कृति, जनजातीय, लोकाचार पूरे देश को प्रभावित करते हैं। छत्तीसगढ़ की विशेष रूप से जीवंत कला, यहां के शिल्प, लोकगीत और नृत्य पूरे देश के लिए आकर्षण है। छत्तीसगढ़ और यहां के पुरातत्व संपत्ति को देखने के लिए देशभर और कई देशों के लोग यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी का सौभाग्य है कि आपको इस विधानसभा के सदस्य होने का मौका मिला है। मैं आप सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि जनता ने जिस विश्वास और आकांक्षाओं के साथ आपको चुनकर भेजा है। आप उनके विश्वास और भरोसे को कायम रखेंगे और उनकी अपेक्षाओं को इस विधानमंडल के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करेंगे। दो दिवसीय प्रबोधन कार्यकम हमें संसदीय परम्पराओं, नियमों, संविधान को जानने और किस तरीके से हम अपने संवैधानिक दायित्वों को निभाते हुए इस विधान मंडल के माध्यम से इस राज्य में समृद्धि और खुशहाली ला सकते हैं। इसका ज्ञान मिलेगा। दो दिन का यह प्रबोधन निश्चित रूप से हमारे जीवन में सार्थक होगा।

76.94 लाख राशन कार्ड बदले जाएंगे

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 76.94 लाख राशन कार्ड बदले जाएंगे। 25 जनवरी से 29 फरवरी तक राशन कार्डों का नवीनीकरण (रिन्यूअल) होगा। हितग्राही खाद्य विभाग से जारी मोबाइल ऐप से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही उचित मूल्य की दुकान (राशन दुकान) जाकर भी ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है।

राज्य सरकार ने इसके आदेश जारी कर राज्य स्तरीय अभियान चलाने के निर्देश अफसरों को दिए हैं। खाद्य विभाग द्वारा नया मोबाइल ऐप तैयार किया गया है, जिसे राशनकार्डधारी अपने मोबाइल में डाउनलोड कर राशनकार्ड के नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। खाद्य विभाग ने इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कलेक्टर्स को कहा गया है कि राशनकार्ड नवीनीकरण के संबंध में उचित मूल्य दुकान, ग्राम पंचायत, स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी लोगों को दें। जारी निर्देश में कहा गया है कि बस्तर संभाग के जिले जहां मोबाइल कनेक्टिविटी की समस्या हो तो वहां हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष छूट दी गई है। कलेक्टर्स से ये भी कहा गया है कि अति बुजुर्ग और शारीरिक रूप से निःशक्त हितग्राही, जिनके द्वारा अपना ई-केवाईसी अब तक नहीं कराया गया हैं, उन्हें भी राशनकार्ड नवीनीकरण में विशेष सुविधा दें। सरकार की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक अन्त्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित और निःशक्तजन श्रेणी के जारी राशनकार्डों के लिए राशनकार्ड नवीनीकरण की पूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क होगी। उन्हें नए राशनकार्ड के लिए किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान नहीं करना होगा। इसका खर्च प्रदेश की सरकार उठाएगी। सामान्य श्रेणी (जनरल कैटेगरी) के राशनकार्डधारियों को ऐप के माध्यम से नवीनीकरण के लिए 10 रूपए की राशि देनी होगी।

नई सरकार लोकसभा से पहले राशन कार्ड धारियों का नया डेटा बेस तैयार करना चाहती है। नए सिरे से पूरी जानकारी मौजूदा भाजपा सरकार के पास पहुंचेगी। इसी के साथ नया कार्ड जारी किया जाएगा। ये नए लुक में होगा। इससे पहले कांग्रेस सरकार में राशन कार्ड पर कांग्रेस नेताओं की तस्वीर थी। उसे भी हटाया जाएगा।

माना जा रहा है कि अटल बिहारी, दीनदयाल उपाध्याय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें इसमें शामिल की जा सकती हैं।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

पुलिस का दावा- एनकाउंटर में 3 माओवादी मारे गए, इलाके में सर्चिंग जारी

जगदलपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में 3 नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। सारे जवान सुरक्षित हैं। जवान अब भी मौके पर ही मौजूद हैं। फिलहाल इस मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। मामला बांसागुड़ा थाना क्षेत्र का है। इलाके में सर्चिंग जारी है।

केन्द्रीय मंत्री मनसुख ने रायपुर के महामाया मंदिर परिसर में की साफ सफाई

फिल्म '695' के पोस्टर का किया विमोचन

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया आज 20 जनवरी को राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर पहुंचे। यहां पर दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में झाड़ू और पोछा लगाकर स्वच्छता अभियान में सहयोग दिया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 500 सालों के संघर्ष की गाथा पर आधारित हिंदी फिल्म 695 के पोस्टर का विमोचन भी किया। महामाया मंदिर ट्रस्ट के सचिव व्यास नारायण तिवारी ने सभी आगुन्तकों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया और महामाया माताजी वाला चांदी का सिक्का स्मृति स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेता अशोक सामर्थ्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। स्वच्छता अभियान में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और सांसद सुनील सोनी मौजूद रहे।

अपराध रोकने दुर्ग पुलिस ने लॉन्च किए 3 एप

भिलाई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज के निर्देशन में दुर्ग पुलिस ने 'साइबर प्रहरी' जागरूकता अभियान की शुरुआत की। कंट्रोल रूम भिलाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामगोपाल गर्ग ने साइबर प्रहरी, त्रिनयन और सशक्त 3 नए एप को लॉन्च किया। एसएसपी ने बताया कि साइबर प्रहरी जागरूकता अभियान के तहत दुर्ग पुलिस जिले के सभी थानों में डिजिटल बीट पुलिसिंग के तहत स्मार्ट वर्क के साथ काम करेगी। इसके लिए बीट सिस्टम वाइज व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसमें अभी तक 45 हजार से अधिक लोगों को जोड़कर प्रतिदिन फोटो, वीडियो और पोस्ट के माध्यम से साइबर क्राइम के बारे में जागरूक किया जा रहा है। दुर्ग पुलिस अभी पायलट प्रोजेक्ट के तहत काम कर रही है। इसके तहत दुर्ग पुलिस लोगों को साइबर अपराध से बचाने के लिए 'साइबर प्रहरी' के नाम से पूरे जिले में अभियान चला रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

बादल छंटने के बाद बढ़ी ठंड

रांची, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश के बाद अब आसमान से बादल हटने लगे हैं। बादल हटने के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यही वजह है कि राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में ठंड बढ़ गई है। झारखंड में अब मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि 22 और 23 जनवरी को कोहरे और धुंध को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची समेत पूरा झारखंड तीन दिन से कोहरे की चपेट में है। शुक्रवार को कोहरे के कारण नौ फ्लाइट रद्द रहीं। वहीं एक विमान को डायवर्ट कर दिया गया। झारखंड में अब बारिश की संभावना नहीं है। बारिश के बाद आसमान साफ होंगे। तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है। तापमान में गिरावट आएगी तो मौसम में ठंडक बढ़ेगी। राज्य में अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 09 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। राज्य में बदलते मौसम और बढ़ती ठंड की वजह से ही बच्चों के स्कूल के समय में बदलाव किया गया है। बदलते मौसम की वजह से बच्चों की सेहत पर असर पड़ रहा था। राज्य के कई जिलों में हुई बारिश के बाद आज धूप निकलने की संभावना है। सुबह रांची समेत राज्य के कई जिलों में घना कोहरा नजर आया। पिछले 24 घंटे के मौसम के मिजाज पर नजर डाले तो राज्य में कई जगहों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। सबसे अधिक बारिश 20 मिमी जगन्नाथपुर (पश्चिमी सिंहभूम) में दर्ज की गई है। राज्य में अधिक तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में दर्ज किया गया है।

गाजा से लेकर पाकिस्तान तक हर संघर्ष से क्या है ईरान का कॉमन लिंक?

तेहरान, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल और गाजा, यमन और लाल सागर, लेबनान, सीरिया, इराक और अब पाकिस्तान। इस बड़े इलाके के हर संघर्षों में एक कॉमन पॉइंट रहा है, जिसका नाम 'ईरान' है। दशकों से ईरान दुश्मनों को कमजोर करने की कोशिश में लगा है। पश्चिमी एशिया में समान विचारधारा वाली सेना को बनाने में इसने मदद दी है। यही कारण है कि आज हर जगह इसका लिंक निकल आता है। हालांकि इसके बावजूद ईरान को संघर्षों में सशस्त्र अलगाववादी आतंकी समूहों का सामना करना पड़ता है, जो आसानी से सीमाओं पर फैल जाते हैं।

1979 की क्रांति ने ईरान को एक शिया मुस्लिम धर्मतंत्र वाला देश बना दिया। लेकिन वह अब पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है। ईरान खुद को घिरा हुआ महसूस कर रहा है। ईरान अमेरिका और इजरायल को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। फारस की खाड़ी में वह खुद को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। इस क्षेत्र में उसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब है, जो अमेरिका का सहयोगी और मुख्य रूप से सुन्नी मुस्लिम देश है।

निशाने पर आ रहा ईरान

ईरान ने अपने विरोधियों के खिलाफ कई दुश्मनों को खड़ा किया। उन्हें हथियारों की मदद, प्रशिक्षण और फंडिग तक दी है। पश्चिम एशिया नीति विश्लेषक हसन अलहसन ने कहा, 'अमेरिका और इजराल के खिलाफ इन सेनाओं को ईरान प्रतिरोध की धुरी कहता है। इसे वह एक ही संघर्ष के तौर पर देखता है।' ईरान किसी भी गुट के लिए हथियार नहीं उठाता। लेकिन वह इन्हें फंड करता है। लेबनान, इराक और यमन में शिया समूहों और गाजा पट्टी में सुन्नी हमास को ईरान पूरी मदद देता है, ताकि वह उसके दुश्मनों

से लड़ सके। लेकिन जैसे-जैसे क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, ईरान निशाने पर आ रहा है।

ईरान में हो रहे आतंकी हमले

पिछले महीने ईरान-पाकिस्तान सीमा पर एक्टिव अलगाववादी समूह जैश अल-अदल ने देश के दक्षिणपूर्वी हिस्से में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। सीरिया में दो वरिष्ठ ईरानी कमांडरों की हत्या कर दी गई। इसके लिए ईरान ने इजरायल को दोषी ठहराया। फिर जनवरी में ही करमान में आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें 100 लोग मारे गए। यह इस्लामिक गणराज्य की स्थापना के बाद सबसे घातक आतंकी हमला माना जा रहा है। इस्लामिक स्टे' ने इसकी जिम्मेदारी ली।

पाकिस्तान भी आ गया निशाने पर

इस सप्ताह इराक, सीरिया और पाकिस्तान पर मिसाइल हमले करके ईरान ने आक्रामकता दिखाई है। लेकिन आखिर इसने पाकिस्तान पर हमला क्यों किया, जो एक गैर पश्चिम एशियाई देश है। ईरान और पाकिस्तान एक दूसरे पर आतंकियों के खिलाफ पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाते रहते हैं। ईरान ने कहा कि उसने जैश-अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि पाकिस्तान का कहना है कि उसके नागरिक मारे गए। पाकिस्तान और ईरान के बीच ज्यादातर अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन हाल के दिनों में इसे नुकसान पहुंचने की संभावना है। क्षेत्र में इस समय गलत आकलन खतरनाक हो सकता है।

एक स्कूल के शयनगृह में लगी भीषण आग

कम से कम 13 बच्चों की मौत

बीजिंग, 20 जनवरी (एजेंसियां)। चीन से एक बुरी खबर सामने आई है। यहां के मध्य हेनान प्रांत में एक स्कूल के शयनगृह में आग लगने से कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। एक खबर के अनुसार, हेनान के यानशानपु गांव में स्थित यिंगकाई स्कूल में शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे आग लगने की जानकारी मिली। दमकल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और रात 11.38 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया।

एक शिक्षिका ने बताया कि मारे गए सभी बच्चे तीसरी कक्षा के छात्र थे। वहीं, घटनास्थल से बचाए गए एक व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, नानयांग सिटी के समीप स्थित स्कूल के प्रबंधक को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान और आग लगने के कारण के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

दमिश्क में इमारत पर इजराइल का मिसाइल हमला

ईरान से जुड़े नेताओं की चल रही थी बैठक, पांच की मौत

दमिश्क, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा में हमास के साथ जंग के अलावा इजराइल कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। एक ओर जहां हिजबुल्लाह लेबनान की ओर से उसके उत्तरी हिस्से को निशाना बना रहा है। वहीं दूसरी ओर, लाल सागर में हूती विद्रोहियों के व्यापारिक जहाजों पर हमले जारी हैं। इस बीच, इजराइली बलों ने सीरिया में एक इमारत पर हमला किया है। इस इमारत में कथित तौर पर ईरान से जुड़े नेताओं की बैठक हो रही थी। हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत की खबर है।

सीरिया में मानवाधिकारों की निगरानी करने वाले एक समूह ने समाचार एजेंसी 'एएफपी' को बताया, 'सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक इस्राइली मिसाइल से चार मंजिला इमारत को निशाना बनाया गया है। जिसमें पांच लोग मारे गए हैं। इमारत में ईरान से

जुड़े नेताओं की बैठक चल रही थी।' समूह ने सीरिया के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से कहा कि जहां इमारत को निशाना बनाया गया है, वह उच्च सुरक्षा वाला इलाका है। यह ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड और ईरान समर्थक फलस्तीनी गुटों के नेताओं का गढ़ है। मानवाधिकार समूह के निदेशक रामी अब्देल ने बताया कि उन्होंने (इजराइल) निश्चित रूप से ईरान समर्थित समूहों के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया है।

पूरी तरह से नष्ट हुई इमारत

समाचार एजेंसी 'सना' ने बताया कि इजराइल ने दमिश्क के मजेह इलाके में आवासीय इमारत को निशाना बनाया है। मजेह क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, दूतावास और रेस्तरां हैं। एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि इजराइली मिसाइलों ने पूरी इमारत को नष्ट कर दिया और हमले में दस लोग या तो मारे गए या घायल हो गए। सीरिया में गृह युद्ध के दौरान एक दशक तक इजराइल ने सैकड़ों बार हवाई हमले किए हैं।

जिस नेता को निक्की हेली ने बनवाया सांसद, उसी ने दिया धोखा!

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं । इसके लिए सभी उम्मीदवार जोर शोर से प्रचार-प्रसार में लगे हुए हैं। एक दूसरे से आगे रहने की होड़ में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। वहीं, अब खबर आई है कि दक्षिण कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर टिम स्कॉट ने फैसला लिया है कि वह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से पहले अश्वेत उम्मीदवार बनने की कोशिश कर रहे सीनेटर टिम स्कॉट पिछले साल ही राष्ट्रपति पद की दौड़ से हट गए थे। उन्होंने इसकी कोई वजह नहीं बताई थी। हालांकि, अब उन्होंने ट्रंप का समर्थन करने की बात कही है। इसकी पुष्टि स्कॉट के एक करीबी सूत्र ने की है। शुक्रवार को एक अन्य रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि ट्रंप अगले महीने दक्षिण कैरोलिना प्राथमिक से पहले स्कॉट के समर्थन पाने की कोशिश कर रहे थे, जहां वह अपने प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली का सामना करने वाले हैं। ऐसे में स्कॉट का समर्थन

मिलना ट्रंप के लिए एक अच्छी खबर हो सकती है। स्कॉट का समर्थन ऐसे समय में सामने आया है, जब पूर्व राष्ट्रपति इस सप्ताह के अंत में न्यू हैंपशायर में एक रैली आयोजित करने के लिए तैयार हो रहे हैं। स्कॉट का ट्रंप को समर्थन देना हेली के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। यह एक धोखा की तरह भी देखा जा सकता है। क्योंकि हेली जब दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर थीं तो उन्होंने स्कॉट को अमेरिकी सीनेट में नियुक्त किया था। हालांकि वह न्यू हैंपशायर में मंगलवार के मतदान से पहले नामांकन के लिए ट्रंप के खिलाफ अभी भी खड़ी हैं। आयोवा कॉकस के मतदान में जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक उत्साहित हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने युगांडा दौरे पर 'भारत विश्वमित्र' की बात दोहराई

कंपाला (युगांडा), 20 जनवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर ने युगांडा दौरे पर 'भारत विश्वमित्र' की बात दोहराई है। उन्होंने भारत की नीति का जिक्र करते हुए कहा कि जरूरतमंद देशों की मदद के लिए देश हमेशा तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान दिखाया कि परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि विश्व व्यवस्था को बदलने के लिए व्यावहारिक कदमों की आवश्यकता है। बता दें कि पीएम मोदी ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का जिक्र करते हुए कहा था कि बदले समय के साथ भारत की भूमिका 'विश्वमित्र' जैसी है।

फलस्तीन के विदेश मंत्री से भी मिले

कंपाला में एनएएम सम्मेलन में वक्तव्य से पहले विदेश मंत्री ने फलस्तीनी विदेश मंत्री रियाद अल मलिकी से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, फलस्तीनी समकक्ष के साथ बातचीत के दौरान गाजा में चल रहे संघर्ष पर विस्तृत और व्यापक चर्चा हुई। इसके मानवीय और राजनीतिक आयामों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि इजरायल और फलस्तीन मुद्दे का समाधान करने के लिए भारत दो राष्ट्र समाधान का समर्थन करता रहेगा। उन्होंने भारत के समर्थन का भरोसा दिलाते हुए संपर्क में बने रहने पर सहमति भी व्यक्त की।

मदद के लिए हमेशा राजी है भारत

कंपाला में आयोजित एनएएम शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 2019 में बाकू में एनएएम की आखिरी बैठक हुई थी। इसके बाद से दुनिया में गहरा बदलाव आया है। पूरी दुनिया को कोरोना महामारी ने तबाह कर दिया है। इसके निशान को मिटाने में पीढ़ियां लग जाएंगी। इजरायल और हमास का जिक्र किए बिना विदेश मंत्री ने कहा कि गाजा में बीते लगभग साढ़े तीन महीने से जारी टकराव का असर पूरी दुनिया में महसूस किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपरीत हालात में भी भारत मदद करने को हमेशा तत्पर रहने की नीति पर चल रहा है।

कहा– मदद के लिए हमेशा राजी

इजरायल हमास संघर्ष और यूक्रेन रूस संघर्ष का परोक्ष जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, दुनिया में कई ऐसे संघर्ष चल रहे हैं जिनके प्रभाव दूर-दूर तक महसूस किए जा रहे हैं। गाजा हमारी विशेष चिंता का केंद्र है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन तेजी से दुनियाभर के देशों को अपनी चपेट में ले रहा है। ऋण, मुद्रास्फीति और विकास जैसी तीन प्रमुख चुनौतियां भी विकास पर भारी पड़ रही हैं। गंभीर चिंताओं के मूल में दुनिया की वह प्रकृति है जिससे अधिकांश देश जूझ रहे हैं। करीब साढ़े सात दशक से पहले आजादी से पहले के दौर का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने दो टूक अंदाज में कहा, भले ही हमने उपनिवेशवाद का चोगा उतार फेंका हो, लेकिन हम असमानता और वर्चस्व के नए स्वरूपों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। वैश्वीकरण के युग में आर्थिक ताकतें सिकुड़ती दिख रही हैं। ये ताकतें बाकी दुनिया के साथ बस बाजार या संसाधनों के रूप में बातचीत करती हैं। बकौल डॉ जयशंकर, हमारी छोटी से छोटी जरूरतें अक्सर सबसे दूर देशों में होने वाली घटनाओं और वहां रहने वाले लोगों से प्रेरित / प्रभावित होती हैं।

विरासतों का परस्पर सम्मान जरूरी

विदेश मंत्री ने कहा, राजनीतिक रूप से सही होने और सार्वभौमिक होने की चुनौती हमारे सामने भी है। हमारी संस्कृति और हमारी परंपराओं को उचित स्थान नहीं दिया जाता। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) में शामिल 100 से अधिक देशों के समूह के रूप में, हमें इन चुनौतियों का एकजुट होकर जवाब देना चाहिए। बहुध्रुवीय दुनिया का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री डॉ जयशंकर ने कहा कि ऐसी दुनिया को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र में सुधार किया जाना महत्वपूर्ण है।

अधिक क्षेत्रीय उत्पादन के साथ आर्थिक विकेंद्रीकरण भी ऐसे ही चुनिंदा सुधार हैं। कंपाला में भारत की संस्कृति और देश की विदेश नीति का जिक्र करते हुए डॉ जयशंकर ने कहा, हमें सांस्कृतिक पहलुओं का ध्यान रखते हुए नए सिरे से संतुलन बनाने पर जोर देना चाहिए।

क्या पाकिस्तान के पास आ गए हैं ब्रह्मास्त्र?

हाइपरसोनिक मिसाइल होने का किया दावा, भारत को बड़ा खतरा

इस्लामाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की वायुसेना ने दावा किया है कि उसके पास हाइपरसोनिक मिसाइलें मौजूद हैं। एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है बढ़ते खतरों का मुकाबला करने के लिए हम लगातार सेना आधुनिकीकरण की कोशिश कर रहे हैं। हाइपरसोनिक हथियार इसी प्रयास का एक हिस्सा है। इससे पाकिस्तान की वायुसेना और ज्यादा शक्तिशाली होगी और उसे क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान एयरफोर्स का कहना है कि हाइपरसोनिक जैसी नई तकनीक के शामिल होने से उसकी युद्धक क्षमता काफी ज्यादा बढ़ी हैं। हालांकि ये दावा इसलिए दिलचस्प लगता है क्योंकि पाकिस्तान इस समय बढ़ते कर्ज से जूझ रहा है।

निखिल गुप्ता को अमेरिका भेज सकता है चेक रिपब्लिक

प्रत्यर्पण अपील को कोर्ट की मंजूरी, पन्नू मामले में आरोपी है भारतीय नागरिक

प्राग/वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पन्नू केस में आरोपी निखिल गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। चेक रिपब्लिक की एक कोर्ट ने उसे अमेरिका प्रत्यर्पित करने वाली अपील को मंजूरी दे दी है। चेक रिपब्लिक के न्याय मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि मामले में सभी संबंधित पक्षों को फैसला सुनाए जाने के बाद अंतिम निर्णय न्याय मंत्री पावेल ब्लेजेक लेंगे।

दरअसल, अमेरिका ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश के आरोप लगाए थे। इसके बाद उसे एक दूसरे देश चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार कर लिया था।

हालांकि, अमेरिका ने अब तक निखिल गुप्ता के खिलाफ सबूत पेश नहीं किए हैं। 11 जनवरी को अमेरिकी सरकार ने कहा था कि वो निखिल गुप्ता को चेक रिपब्लिक से अमेरिका लाने के बाद ही न्यूयॉर्क की कोर्ट में उसके खिलाफ सबूत देंगे।

भारत को तीन बार कॉन्सुलर एक्सेस मिला

निखिल को 30 जून को अमेरिकी सरकार के अनुरोध पर चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार कर लिया गया था। विदेश मंत्रालय के पूर्व प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया था कि भारत को तीन बार गुप्ता का कॉन्सुलर एक्सेस मिल चुका है। पिछले महीने पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि निखिल को प्राग (चेक रिपब्लिक) की जेल में गैर कानूनी तरीके से कैद कर रखा है। जेल में उसे खाने के लिए जबरन सुअर और गाय का मीट दिया गया, जो हिंदू रीति रिवाजों के खिलाफ है। उसने अधिकारियों को इस बारे में बताया भी, लेकिन उसे शाकाहारी खाना नहीं मिला। प्राग के अधिकारियों ने उससे कहा

था कि अमेरिका की इजाजत के बिना वह किसी को भी फोन नहीं कर सकता है। अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि हमला किस दिन होने वाला था। जून 2023 में पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के बाद ही अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के सामने यह मुद्दा उठाया था। इस बात का खुलासा 22 नवंबर 2023 को पब्लिश हुई फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में हुआ था। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में 29 नवंबर को न्यूयॉर्क पुलिस की चार्जशीट सामने आई थी। इसमें भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। इसमें लिखा है- भारत के एक पूर्व सीआरपीएफ अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था।

चार्जशीट में लिखा है कि भारतीय अफसर के कहने पर निखिल ने एक अपराधी से पन्नू के मर्डर के लिए कॉन्टैक्ट किया, लेकिन असल में वह एक अमेरिकी एजेंट था। इस एजेंट ने निखिल की पहचान एक और अंडरकवर अधिकारी से कराई, जिसने पन्नू का मर्डर करने की बात कही। इसके लिए करीब 83 लाख रुपए में डील हुई थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक आतंकी पन्नू का कहना है कि वह न तो निखिल गुप्ता को जानता है और न ही उस भारतीय अधिकारी को जिस पर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगे हैं। पन्नू ने कहा- मुझे मौत का डर नहीं है। हम बहादुरों के घर आजाद वतन अमेरिका में हैं। उसने कहा- मुझे मार देने से भी खालिस्तान की मांग पर असर नहीं पड़ेगा।

पन्नू मामले में कब, क्या हुआ चार्जशीट के मुताबिक पूरी टाइमलाइन

मई 2023: अमेरिकी प्रॉसिक्यूटर के मुताबिक इसी वक्त एक भारतीय अधिकारी ने निखिल गुप्ता को हायर किया।

29 मई: निखिल गुप्ता ने किसी ऐसे शख्स की तलाश शुरू की जो पन्नू को मार सके। हालांकि जिसे पन्नू को मारने के लिए हायर किया गया वो अमेरिका का अंडर कवर एजेंट निकला। कुछ हफ्तों तक निखिल गुप्ता ने इस अंडर कवर एजेंट से पन्नू को मारने के तरीके और कीमत पर चर्चा की।

यूएन बोला- इजराइली सेना ने फिलिस्तीनी पुरुषों को डायपर पहनाए

हर घंटे 2 माएं मारी जा रही, जंग के बीच 20 हजार बच्चे जन्मे

तेल अवीव, 20 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) ने कहा है कि गाजा से हिरासत में लिए गए फिलिस्तीनी पुरुषों को इजराइली सेना ने डायपर पहनाए। फिलिस्तीनियों को उनका गुनाह बताए बगैर उन्हें 30 से 55 दिनों तक अज्ञात जगहों पर हिरासत में रखा और टॉर्चर किया। यूएनएचआरसी के अधिकारी अजीत सुंघाए ने इजराइली हिरासत से आजाद किए लोगों से बातचीत की है। सुंघाए ने बताया कि इजराइली सेना ने जब फिलिस्तीनियों को आजाद किया तो वो कड़कती ठंड के बीच सिर्फ डायपर पहने हुए थे। सुंघाए ने कहा है कि इजराइल को हिरासत में लिए गए लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत बरताव किया जाना चाहिए। इजराइल को उन फिलिस्तीनियों को रिहा कर देना चाहिए जिनके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं हैं। एक फिलिस्तीनी ने सुंघाए को बताया कि इजराइली सेना ने उन्हें निर्वस्त्र कर गोली मारने की

धमकी दी। इजराइली महिला सैनिकों ने उन पर भद्दे कमेंट्स किए। 7 अक्टूबर को इजराइल और हमास के बीच जंग शुरू हुई थी। इसके बाद से अब तक गाजा में 20 हजार बच्चों ने जन्म लिया। जबकि वहां हर घंटे 2 माओं की मौत हो रही है। यह जानकारी यूएन की स्पोक्सवुमन टेस इन्ग्राम ने दी है। उनके मुताबिक, गाजा में इस वक्त हालात बेहद भयावह हैं। यूएन के मुताबिक गाजा में हर घंटे 2 माएं मारी जा रही हैं। दूसरी तरफ, इजराइल के हेल्थ मिनिस्टर ने आदेश दिए हैं कि लेबनान और गाजा के घायलों का इलाज इजराइल के अस्पतालों में न किया जाए। इस बारे में एक सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। यूएन की प्रवक्ता टेस इन्ग्राम ने कहा- कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी जंग में बच्चों के लिए भी ऐसे हालात होंगे। आमतौर पर जब कोई महिला मां बनती है और इस दुनिया में नया मेहमान आता है तो सब खुश होते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि गाजा में कोई महिला इन हालात में बच्चे को जन्म देना चाहेगी।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने बर्फीले पानी में डुबकियां लगाईं

एपिफेनी त्योहार मनाने पहुंचे थे, -30 डिग्री तापमान में भी बने स्नान स्थल

मास्को, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने शुक्रवार को बर्फीले पानी में डुबकी लगाई। दरअसल, वो एपिफेनी त्योहार मना रहे थे। मास्को टाइम्स ने क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के हवाले से इसकी पुष्टि की। इसके तहत सुबह-सुबह जल्दी उठकर पानी में 3 बार डूबकी लगानी होती है।

इसके लिए पूरे रूस में जगह-जगह स्नान स्थल बनाए गए हैं। साइबेरिया में -30 डिग्री सेल्सियस के तापमान के बीच भी यह त्योहार मनाया गया। हालांकि, क्रेमलिन ने इस साल पुतिन के

डुबकी लगाने का कोई फोटो-वीडियो जारी नहीं किया है।

पेस्कोव ने शुक्रवार को बताया कि पुतिन सालों से इस त्योहार को मनाते आए हैं, लेकिन हर बार इससे जुड़ी तस्वीरें साझा नहीं की जाती हैं। हालांकि, इस खबर के बाद एपिफेनी त्योहार में पुतिन की डुबकी लगाने के पुराने वीडियो वायरल हो रहे हैं।

2018 में रूसी राष्ट्रपति के लिए उत्तर-पश्चिमी रूस में सेलिगर झील पर बर्फ में एक बड़ा गड्ढा करके बाथिंग टब की तरह दिखने वाला स्नान स्थल बनाया गया था। इसके बाद पुतिन सीढ़ी के जरिए इसमें उतरे और तीन बार बर्फीले पानी में डुबकी लगाई। फिर वो इस स्थल के दूसरे छोर से बाहर निकल गए। इस दौरान वहां -7 डिग्री सेल्सियस तापमान था। रूढ़ीवादी ईसाई आमतौर पर इस त्योहार को मनाते हैं। एपिफेनी सप्ताह के दौरान एक पुजारी पानी की पूजा करके उसे पवित्र करते हैं। माना जाता है कि इस पानी में कई बीमारियों का इलाज करने के गुण होते हैं।

यह त्योहार हर साल 19 जनवरी को ही मनाया जाता है। इस दौरान बर्फीले पानी में खुद को 3 बार डुबाना एक पारंपरिक प्रथा है। यह होली ट्रिनिटी यानी पवित्र त्रिमूर्तियों का प्रतीक होता है।

मिसाइलों की बारिश के बाद क्या पाकिस्तान और ईरान में चीन ने कराई 'शांति'?

घबराए ड्रैगन ने लगाई पूरी ताकत

इस्लामाबाद/ बीजिंग, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मिसाइलों और ड्रोन की बारिश के बाद पाकिस्तान और ईरान के बीच अब 'शांति' हो गई है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह अपने राजदूत को फिर से तेहरान भेज रहा है। वहीं ईरान ने भी कहा है कि वह शांति चाहता है। युद्ध के मोहाने पर पहुंचे ईरान और पाकिस्तान के बीच यूं ही नहीं शांति हुई। माना जा रहा है कि इसमें तुर्की के अलावा चीन ने बड़ी भूमिका निभाई जो इस क्षेत्र में जंग जैसे हालात से घबरा गया था। दरअसल, चीन का पाकिस्तान में अरबों डॉलर निवेश है जो उसने सीपीईसी में किया हुआ है। चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट से लेकर रॉकेट तक दिए हैं। वहीं चीन खाड़ी में अमेरिका का प्रभाव खत्म करने के लिए ईरान और पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है। चीन ने ईरान के साथ अरबों डॉलर की तेल और अन्य डील की है। ईरान चीन को तेल की आपूर्ति करने वाला प्रमुख देश है। चीन पूरे इलाके में खुद को मध्यस्थ के रूप में विकसित कर रहा है। चीन ने ही सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति कराया था। इस तनाव के बाद चीन ने मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था। दरअसल, चीन अपने हित के लिए पूरे इलाके में क्षेत्रीय भूराजनीति को बदलना चाहता है। अमेरिकी शोध संस्थान के विशेषज्ञ समीर लालवानी का कहना है कि चीन ईरान और पाकिस्तान दोनों में ही बहुत प्रभाव रखता है। ईरान और पाकिस्तान दोनों ही यह अपेक्षा करते हैं कि तेजी से आगे बढ़ता चीन आने वाले दशकों में एशिया में राज करेगा। यही नहीं चीन के पास ऐसी विश्सनीयता है कि दोनों ही देशों के नेताओं को रिश्ते सामान्य करने के लिए मना सकता है।

पाकिस्तान चीन का सबसे करीबी दोस्त है और दोनों देशों के बीच रिश्ते 'समुद्र से गहरे, पहाड़ों से ऊंचे, शहद से मीठे और स्टील से मजबूत' होने का दावा किया जाता है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में पाकिस्तान भी सीपीईसी के जरिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चीन ग्वादर में पोर्ट बना रहा है जो ईरान के काफी करीब है।

22 जनवरी को बंद रहेंगी नॉनवेज की दुकानें

ड्राई डे के साथ रहेगा आधे दिन का अवकाश, भजनलाल सरकार ने जारी किया आदेश

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रदेशभर में ड्राई डे (सूखा दिवस) के साथ ही अब नॉनवेज शॉप्स (दुकानें) बंद रहेगी। इसे लेकर स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के तहत 22 जनवरी को प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद में नॉनवेज की दुकानें बंद रहेगी।

वहीं, इससे पहले सरकार ने 14 जनवरी के दिन प्रदेशभर में शराब की दुकानें बंद रखने का आदेश जारी किया था। जबकि कैबिनेट की पहली बैठक में भजनलाल सरकार ने 22 जनवरी के दिन प्रदेश में आधे दिन का अवकाश रखने की घोषणा की थी।

स्वायत्त शासन विभाग ने अपने आदेश में लिखा है- अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि में बना रहे मंदिर में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के दृष्टिगत संपूर्ण राजस्थान में 22 जनवरी को सभी बूचड़खाने और मांस मछली की दुकान बंद रखी जाएगी। ऐसे में नॉनवेज की दुकानें 21 जनवरी रात 10 बजे बंद होगी, जो 23 जनवरी को सुबह ही खुलेगी।

सभी सरकारी और निजी मंदिरों में विशेष आयोजन करने का फैसला

बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देशभर में मनाया जाएगा। राजस्थान में सरकार ने इस मौके पर प्रदेश के सभी सरकारी और निजी मंदिरों में विशेष आयोजन करने का फैसला किया है। देवस्थान विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने जिले के मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेली कास्ट स्क्रीन पर दिखाने की व्यवस्था करें।

विभाग के उप शासन सचिव की ओर से जारी आदेशों में बताया कि 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर प्रदेश के सभी मंदिरों में विशेष सजावट, रोशनी और विशेष पूजा-श्रृंगार करवाया जाएगा। इस मौके पर हर मंदिर में एक स्क्रीन लगाई जाएगी, जिस पर अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का लाइव टेली कास्ट दिखाया जाए। इसके साथ ही प्रदेश के हर मंदिर में सत्संग या सुंदर कांड के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ करवाया जाए और मंदिर में विशेष आरती के बाद प्रसाद का वितरण करवाया जाए। शहरों में पंचायत स्तर पर स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं को निजी मंदिरों में ये व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं, जबकि जिला मुख्यालय पर बने राजकीय मंदिरों में देवस्थान विभाग और बड़े निजी मंदिरों में उपखंड अधिकारी या कलेक्टर स्तर पर व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए हैं।

दीप जलाकर रोशनी करने के भी निर्देश

आदेश में मंदिरों में दीप जलाकर रोशनी करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके लिए हो सके तो गोबर के बने दीप या मिट्टी के दीपों का उपयोग किया जाए। इसके अलावा मंदिरों में विशेष साफ-सफाई करवाने और मंदिरों के मुख्य गेट और उसके आसपास के एरिया में बैनर-होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु यहां आकर उस दिन इस आयोजन में शामिल हो सके।

प्रदेशभर में चलाया जा रहा स्वच्छ तीर्थ अभियान

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रदेश में स्वच्छ तीर्थ अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश बीजेपी के नेता, पदाधिकारी, मंत्री-विधायक प्रदेश के मंदिरों में साफ-सफाई कर रहे हैं। इस अभियान की शुरुआत प्रदेश में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर के रामचंद्रजी के मंदिर में झाड़ू लगाकर की थी। उन्होंने कहा था कि अभियान के जरिए पूरे पखवाड़े सत्ता और संगठन के योगदान से मंदिरों में स्वच्छता के साथ उनके सौंदर्यीकरण और उनका रिनोवेशन का भी काम हो सकेगा।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ बोला राजस्थान का गोगामेड़ी प्रॉपर्टी विवाद में मारा

हनी सिंह से फिरौती मांगी; सलमान खान को नहीं छोड़ेंगे

जालंधर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर के मास्टरमाइंड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कहा कि वह आतंकी नहीं हैं, न ही उनका देश विरोधी किसी व्यक्ति से कोई संबंध है।

गोल्डी ने कहा राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को प्रॉपर्टी विवाद की वजह से मारा गया। कनाडा में गैंगस्टर सुक्खा दुन्नेके की हत्या उसकी गैंग ने करवाई। कनाडा में पंजाबी सिंगर गिप्पी ग्रेवाल के घर पर उन्होंने ही फायरिंग कराई थी। रैपर हनी सिंह को पैसों के लिए ही उसने कॉल किया था। उससे हमारी कोई रंजिश नहीं है।

गोल्डी ने कहा कि अब आतंकी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला उनके निशाने पर है। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को भी नहीं छोड़ेंगे। हमारे पास हथियारों की कोई कमी नहीं है। उसे 18 दिन पहले भारत सरकार ने आतंकी घोषित किया था। गोल्डी ने 29 मई 2022 को पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या करवा कर सोशल मीडिया पर उसकी जिम्मेदारी ली थी।

गोल्डी बराड़ के खिलाफ 2 पुराने केसों में रेड कॉर्नर नोटिस जारी है लेकिन उसे पकड़ा नहीं जा सका। कुछ समय पहले उसकी लोकेशन अमेरिका के कैलिफोर्निया में बताई गई थी।

गोल्डी बराड़ ने कहा- उनकी गैंग का किसी भी आतंकी संगठन के साथ लिंक नहीं है। उसकी गैंग हमेशा आतंकी संगठनों के खिलाफ थी और रहेगी। देश विरोधी गतिविधियों में उनका गैंग का कोई भी मेंबर शामिल नहीं है।

कुछ को हमारी गैंग खत्म कर चुकी है और जो बचे हैं उनकी जल्द बारी आ जाएगी। हम सरकार के आगे सरेंडर नहीं करेंगे। हमारी लड़ाई हमारे भाइयों के लिए हमेशा जारी रहेगी। हम भगवान के आगे सरेंडर कर चुके हैं।

गोगामेड़ी अहंकारी था, इसलिए हमने मरवा दिया गोल्डी ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या हमने ही करवाई है। उसमें अहंकार ज्यादा था, इसलिए मरवा दिया। हमारा गोगामेड़ी से किसी जमीन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद गोगामेड़ी ने हमारी गैंग के साथ काफी विवाद किया था।

वारदात की सारी देखरेख रोहित गोदारा द्वारा की गई थी। गोगामेड़ी कोई नेता नहीं थी, वह सिर्फ धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटता था। अब करणी सेना नहीं रह गई, जिसका सेनापति मर गया हो वो कहां की सेना होगी। ऑटोमैटिक हथियारों के जमाने में तलवारें लेकर घूम रहे हैं। गोगामेड़ी जैसे लोग सिर्फ गरीबों की संपत्ति पर कब्जा कर सकते हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं।

रोहित गोदारा गैंग के मेंबर वीरेंद्र चारण के विदेश भागने पर गोल्डी ने कहा- अपनी जान हर कोई बचाता है। विदेश जाना कौन सी बड़ी बात है। गोगामेड़ी की हत्या के लिए हमने किसी को हायर नहीं किया था। जिन्होंने माना वह हमारे भाई हैं। पैसे देकर उसकी हत्या नहीं करवाई।

हम सलमान खान को जरूर मारेंगे। वह लॉरेंस भाई का दुश्मन है। जो बंदा लॉरेंस का दुश्मन है, वह हमारा भी दुश्मन होगा। सलमान खान एक अहंकारी बंदा है। उसे छोड़ेंगे नहीं। बॉलीवुड में सलमान खान ने कई नए कलाकारों को चलने तक नहीं दिया। सलमान खान अपने आप को बदमाश समझता है। उसे हम दिखाएंगे कि बदमाश कौन होते हैं। हमारी सलमान के साथ सिर्फ जानवर मारने को लेकर ही रंजिश है।

जयपुर में सीएम भजनलाल बने थानेदार

आधी रात को सदर थाने पहुंचे, हाजिरी लेकर देखा कितने ड्यूटी पर हैं

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा अचानक ओटीएस स्थित सीएम आवास से निकल रेलवे स्टेशन के पास सदर थाने पहुंचे। उन्होंने देर रात की गतिविधियां और पुलिस की चौकसी देखी। वे सीधे थानाधिकारी कक्ष में पहुंचे और रोजनामचे की कॉपी मांगी। वहां ड्यूटी ऑफिसर सीएम से बोला- वह तो कंप्यूटर में है। सीएम ने सबको साथ बुलाकर हाजिरी ली कि कितने ड्यूटी पर हैं। इनमें कितने थाने में, कितने चेतक या गश्त पर हैं।

इसके बाद सीएम ने शहर का जायजा लिया। सदर थाने पुलिस थाने के स्टाफ से बात कर जानकारी लेने के बाद रैन बसेरों का जायजा लिया। इस दौरान जाग रहे कुछ लोगों से बात भी की। उनकी समस्याओं के बारे में जाना।

बता दें ऐसा पहला मौका नहीं है जब सीएम औचक दौरे पर पहुंचे हो। कुछ दिन पहले सीएम भजनलाल अचानक मानसरोवर के सिटी पार्क पहुंच गए थे। यहां उन्होंने आम लोगों के साथ मॉर्निंग वॉक की और उनसे बात भी की थी। मॉर्निंग वॉक के बाद मुख्यमंत्री ने पार्क में लोगों के साथ चाय भी पी थी।

एसएमएस अस्पताल में कमियां देख सुधार के निर्देश दिए थे सीएम भजनलाल 25 दिसंबर को अचानक एसएमएस अस्पताल की बांगड़ बिल्डिंग में पहुंचे थे और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को सुधारने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे। वहीं, 31 दिसंबर की देर रात मुख्यमंत्री जेकेलोन अस्पताल और रामनिवास बाग के रैन बसेरों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई थी और उनको तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे।

मारुति शोरूम के मैनेजर का सेल्समैन ने काटा गला

10 से ज्यादा टांके लगे, वारदात के बाद फरार हुआ आरोपी

पाली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मारुति शोरूम के ऑफिस में कुर्सी पर बैठे मार्केटिंग मैनेजर का गला काट दिया गया। सेल्समैन पीछे से आया, गले में हाथ डाला और धारदार हथियार गले पर फिरा दिया। मैनेजर कुछ समझ पाता इससे पहले खून गिरने लगा। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। मामला पाली शहर के जोधपुर रोड स्थित मारुति शोरूम का है। घायल मैनेजर को 10 टांके लगे हैं।

औद्योगिक थाने के हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल ने बताया मारुति शोरूम में यह घटना हुई। घायल मैनेजर कमलेश भाटी (30) को साथी कर्मचारी बांगड हॉस्पिटल लेकर गए। जहां ट्रॉमा वार्ड में डॉक्टर ने गले पर 10 टांके लगाए। डॉक्टर ने कहा कि सांस नली डैमेज नहीं हुई, वरना जान जा सकती थी। फिलहाल मैनेजर की हालत खतरे से बाहर है।

घटना को लेकर मारुति शोरूम के मार्केटिंग मैनेजर कमलेश की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच की जा रही है।

औद्योगिक थाने के हेड कॉन्स्टेबल रतन लाल ने बताया- वारदात के वक्त कमलेश काम कर रहा था। इस दौरान सेल्समैन शेरसिंह (36) आया और पीछे से गले में हाथ डाला। कमलेश कुछ समझता इससे पहले उसके गले पर शेरसिंह ने तेज धारदार हथियार रख वार कर दिया।

कमलेश के गले से खून बहने लगा। साथी कर्मचारी उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। पीड़ित मैनेजर कमलेश भाटी पुत्र हीरालाल निवासी घरवाला जाव का रहने वाला है। जबकि शेरसिंह औद्योगिक एरिया के हिम्मत नगर का रहने वाला है।

अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि सेल्समैन ने किस कारण से मैनेजर पर जानलेवा हमला किया।

सफाई कर्मचारियों के होनहार बच्चों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

सदन में मामला उठने के बाद आयुक्त ने निकाले आदेश, एक कर्मचारी के 2 बच्चों को मिलेगा फायदा

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में काम करने वाले स्थायी सफाई कर्मचारियों के होनहार बच्चों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके लिए निगम प्रशासन ने कर्मचारियों से आवेदन मांगे है, जो 20 फरवरी तक भरकर जमा करवाने होंगे। निगम प्रशासन ने छात्रवृत्ति के लिए 20 लाख रुपए का बजट रखा है। हालांकि कितने बच्चों को और कितनी-कितनी राशि छात्रवृत्ति के तौर पर दी जाएगी, ये तो आवेदन की संख्या आने के बाद निर्धारित किया जाएगा।

नगर निगम कमिश्नर रूकमणी रियाड़ की ओर से जारी आदेशों में छात्रवृत्ति पाने के लिए वही छात्र पात्र होंगे, जिसकी 2022-23 शैक्षणिक सत्र में 10वीं या 12वीं क्लास में 70 फीसदी या उससे ज्यादा अंक मिले हो। एक कर्मचारी के 2 से ज्यादा बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

ज्यादा आवेदन आने पर उनकी प्राप्तांक के आधार पर मेरिट लिस्ट बनाई जाएगी। आवेदन जोन ऑफिसों में या मुख्यालय पर बने हेल्प लाइन सेंटर पर जमा करवाने होंगे। आपको बता दें कि नगर निगम ग्रेटर में वर्तमान में 4 हजार से ज्यादा स्थायी सफाई कर्मचारी काम करते है। इन कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति देने की घोषणा की गई थी।

सदन में उठा था मुद्दा

नगर निगम ग्रेटर की ओर से साल 2023-24 के बजट में इसके लिए 20 लाख रुपए प्रावधान रखा था। 31 दिसंबर 2023 तक इस मद में एक रुपए भी खर्च नहीं किए गए थे। पिछले दिनों नगर निगम ग्रेटर में हुई बजट बैठक में इस मुद्दे को पार्षदों ने उठाया था। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने संज्ञान लेते हुए इसके आदेश जारी करके आवेदन लेने की प्रक्रिया को शुरू करवाया।

आसाराम के पेट की छोटी आंत में अल्सर

लगातार ब्लीडिंग, हार्ट की दो नसों में भी 80 प्रतिशत ब्लोकेज, जोधपुर एम्स में होगा इलाज

जोधपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रेप मामले के दोषी आसाराम की जोधपुर एम्स हॉस्पिटल में की गई कैप्सूलर एंडोस्कोपी की रिपोर्ट आ गई है। आसाराम के पेट की छोटी आंत में अल्सर हो गया है। इस कारण लगातार ब्लीडिंग हो रही है। अब आसाराम का एम्स में इलाज शुरू किया जाएगा। इससे पहले आसाराम की एंडोस्कॉपी में हार्ट की दो नसों में भी 80 प्रतिशत तक ब्लोकेज मिले थे। हॉस्पिटल में इसका इलाज शुरू होना था लेकिन आसाराम का हिमोग्लोबीन 7 आने के बाद इलाज को रोका गया था और कैप्सूलर एंडोस्कोपी की गई थी। जेल में बंद आसाराम को सीने में दर्द की परेशानी के चलते 9 जनवरी को एम्स में भर्ती करवाया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में भर्ती किया। साथ ही उनकी एंजियोग्राफी की गई थी, जिसमें आसाराम के हार्ट की दो नसों में 80 से 90 प्रतिशत तक ब्लॉकेज सामने आए थे। इसके बाद से एम्स में ही आसाराम को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

एक कमरे में मिली चार लाश: मां, बेटे-बेटी की बॉडी बेड और एक महिला की फर्श पर पड़ी थी; पति विदेश में नौकरी करते हैं

डीडवाना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दो बहनों और भाई-बहन की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। मां और बेटे-बेटी के शव कमरे में बेड पर और एक महिला की बॉडी फर्श पर पड़ी मिली। कमरे में चार फंदे भी मिले, जो कटे हुए थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे की वीडियोग्राफी कराई। मामला डीडवाना के मौलासर इलाके है।

डीडवाना डीएसपी धर्मपाल पूनिया ने बताया कि थाना इलाके के गांव नुवां में नाजिया (32) पत्नी सलाउद्दीन, साजिया बानो (30) पत्नी लियाकत अली और साजिया की बेटी कनिष्का बानो (7), बेटा अबीर (4) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों सगी बहनों का पीहर सीकर के सिंगरावट गांव में है।

इनकी शादी नुवां में 2015 में एक ही परिवार में सगे भाइयों से हुई थी। दोनों बहनें ससुराल में अलग मकान में रह रही थीं। इनके पति सलाउद्दीन और लियाकत सऊदी अरब में काम करते हैं। पीहर पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष के 7 लोगों के खिलाफ मर्डर का मामला दर्ज कराया। इनमें से 6 आरोपी ननदोई शौकत खान, मामा ससुर अलादीन खान, मौसा ससुर ताज मोहमद, गोविंद मेघवाल, ननद जमीला बोनो, रिश्तेदार अयूब खान को राउंडअप कर लिया गया है। वहीं सास मंगेज बानो की पुलिस तलाश कर रही है। महिलाओं के पतियों को सऊदी से बुलाया गया है।

मृतकाओं के पिता सीकर के सिंगरावट निवासी पूर्व सैनिक समंदर खान (58) ने मौलासर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया- शादी के कुछ समय तक तो सब ठीक था। इसके बाद दोनों बेटियों के पति, उनकी मां, ननद और अन्य रिश्तेदार दहेज कम देने के ताने देने लगे। कहते थे कि कार नहीं दी, समाज में हमारी नाक कटवा दी। सास मंगेज बानो को 50 हजार रुपए दिए तब भी वह खुश नहीं हुई। फिर दोनों दामाद विदेश में नौकरी करने चले गए। वहीं से दोनों ने बेटियों को फोन पर तीन तलाक बोला और पीहर जाने को कह दिया। लेकिन बेटियां ससुराल में ही रहीं। इसके बाद वे फोन पर धमकियां देने लगे कि हमारा घर छोड़ दो, वरना तुम्हें मरवा देंगे।

टाइल्स कारोबारी के कुत्तों से डरकर भागे बच्चों की मौत

स्कूल के बच्चे मालगाड़ी से टकराए

जोधपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में दो मौसेरे भाई-बहन की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। बच्चों की मौत चाहे मालगाड़ी के कटने से हुई लेकिन कारण रहे 4 कुत्ते। ये कुत्ते जर्मन शेफर्ड ब्रीड के 3 बड़े डॉग और एक पोमेलियन डॉग थे।

इन चारों कुत्तों से डरकर ही बच्चे रेलवे ट्रेक तक पहुंचे थे, जिससे मासूम बच्चों की मौत हो गई। राजस्थान के कई जिलों में इससे पहले भी कुत्ते के आतंक का कई बच्चे शिकार हो चुके हैं। कुत्तों ने किसी बच्चे का मुंह नोंचा तो किसी के हाथ-पैर पर काट लिया। कुत्तों के आतंक का ताजा मामला जोधपुर में 2 बच्चों की मौत से सामने आया है। दोनों बच्चों के पीछे 4 पालतू कुत्ते पड़े थे। डरकर भागते-भागते बच्चे रेलवे ट्रेक पर पहुंच गए और मालगाड़ी की चपेट में आ गए। ये दर्दनाक हादसा जोधपुर के डांगियावास थाना क्षेत्र में बनाड़ कैंट रेलवे स्टेशन का है। हादसे में युवराज (12) पुत्र मदन सिंह राजपूत निवासी नारायण नगर गैस गोदाम के पास और अनन्या (9) पुत्री प्रेम सिंह निवासी गणेश नगर की जान चली गई। दोनों आमों चिल्ड्रन एकेडमी में पढ़ते थे। कुत्ते टाइल्स कारोबारी ओमप्रकाश राठी के थे। राठी का हाइवे से जुड़ी गली में आखिरी मकान है। मकान के पीछे रेलवे ट्रेक है। ट्रेक पार करने के बाद कॉलोनी थी। इस कॉलोनी में आने-जाने के लिए स्कूल के बच्चे गली से गुजरते थे।

घूस लेने पर जयपुर कस्टम ऑफिसर सीबीआई कोर्ट में पेश

टैक्स की राशि का सेटलमेंट करने की एवज में मांगे थे 10 लाख रुपए, दो दलाल भी पकड़े

जोधपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर हाईकोर्ट के हैरिटेज भवन में स्थित सीबीआई कोर्ट में आज दस लाख रुपए की घूस लेने वाले सीजीएसटी के निरीक्षक और दो निजी व्यक्तियों को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों जयपुर में एक लंबित मामले को निपटाने की एवज में निरीक्षक ने घूस मांगी थी। शिकायत के बाद सीबीआई ने दोनों को ट्रेप कर गिरफ्तार किया गया था।

सीजीएसटी निरीक्षक अंकित असवाल वर्तमान में कस्टम डिपार्टमेंट जयपुर में प्रीवेटिव ऑफिसर है। मीडिएटर जयपुर के सिंह पोल में ज्वैलरी शोरुम रूप लक्ष्मी के मालिक अशोक कुमार गुप्ता व ज्वैलरी शो रुम में ही काम काने वाले प्रदीप खंडेलवाल उर्फ सोनू है। तीनों को सीबीआई टीम ने सुबह 11 बजे सीबीआई कोर्ट में पेश किया।

सीबीआई ने एक शिकायत के आधार पर तीनों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। सीजीएसटी, जयपुर में एक लंबित मामले को सुलझाने के लिए 10 लाख की रिश्वत की मांग थी। सीबीआई ने जाल बिछाकर ट्रेप किया। तीनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा है। सीबीआई कोर्ट में तीनों की जमानत याचिका खारिज कर दी। सोमवार 22 तारीख को अगली पेशी है।

जोधपुर के नो मील स्थित एक फैक्ट्री में दिसंबर 2021 में कस्टम डिपार्टमेंट ने एक रेड की थी। इस रेड के बाद कस्टम डिपार्टमेंट ने टैक्स लगाया था। टैक्स की राशि के सेटलमेंट को लेकर डील चल रही थी। इस राशि को सेट करने के एवज में कस्टम के प्रीवेंटिव ऑफिसर अंकित असवाल ने 10 लाख रुपए की डिमांड की।

65 ग्राम हेरोइन के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

पंजाब से ला रहे थे आरोपी, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

हनुमानगढ़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले की सदर थाना पुलिस ने डीएसटी टीम की मदद से NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया। सदर पुलिस ने धोलीपाल गांव के पास एक कार से 65 ग्राम हेरोइन जब्त की है। पुलिस ने मौके से 4 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। पकड़े गए चारों आरोपियों ने हेरोइन को पंजाब से लाने की बात बताई है। पुलिस ने चारों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। मामले में आगे की जांच जंक्शन थाने के एसआई भंवरलाल को सौंपी गई है।

सदर थाना प्रभारी तेजवंत सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय और रेंज स्तर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसपी डॉक्टर राजीव पचार के निर्देशन और एएसपी बनवारी लाल मीणा के सुपरविजन में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। तेजवंत ने बताया कि डीएसटी टीम की सूचना पर सदर पुलिस धोलीपाल के पास गश्त कर रही थी।

अरविंद केजरीवाल ने आरडीसी कैंप 2024 में एनसीसी डीटीई एपी एंड टी सांस्कृतिक टीम की सराहना की

हैदराबाद , 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गणतंत्र दिवस शिविर 2024 के एक महत्वपूर्ण अवसर पर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डीजी मुख्यालय एनसीसी आरडीसी शिविर का दौरा किया। एनसीसी निदेशालय एपीएंडटी की सांस्कृतिक टीम ने आदरणीय मुख्यमंत्री के सामने मनमोहक समूह नृत्य प्रदर्शन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। केजरीवाल ने सांस्कृतिक टीम के कौशल और समर्पण को पहचानते हुए उनके मनमोहक प्रदर्शन की सराहना की। एनसीसी डीटीई एपी एंड टी सांस्कृतिक टीम के लयबद्ध प्रदर्शन ने मुख्यमंत्री पर अमिट छाप छोड़ी, जिन्होंने उनकी कलात्मक उत्कृष्टता की सराहना की। इस कार्यक्रम में संस्कृति और नेतृत्व का एक अनोखा संगम देखने को मिला, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एनसीसी कैडेटों की कलात्मक कौशल की सराहना की। एनसीसी निदेशालय एपीएंडटी अपनी बहुमुखी उपलब्धियों के लिए मान्यता प्राप्त करना जारी रखता है, जिससे उसके रैंकों में गर्व और उपलब्धि की भावना पैदा होती है।

काव्या किशन रेड्डी ने भाग्य लक्ष्मी मंदिर की सफाई की

हैदराबाद , 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले मंदिरों और धार्मिक स्थलों में स्वच्छता अभियान के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की पत्नी और एबीवीपी फाउंडेशन के अध्यक्ष काव्या रेड्डी और बीजेपी हैदराबाद सेंट्रल जिला अध्यक्ष गौतम राव सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने आज चारमीनार भाग्य लक्ष्मी मंदिर में स्वच्छ अभियान (मंदिर की सफाई) कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर काव्या किशन रेड्डी ने बात की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उन्होंने स्वच्छ तीर्थ अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि लोग और श्रद्धालु अयोध्या में राम मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 500 वर्षों से इंतजार कर रहे थे और कहा कि जिस सपने का दुनिया भर के कई लोग इंतजार कर रहे थे वह 22 जनवरी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के साथ साकार होगा।

श्री राम मंदिर के उद्घाटन के उपलक्ष्य में पुस्तकें विमोचित

निर्मल, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल विधायक इलेटी महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में अयोध्या श्री राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर निर्मल विधानसभा क्षेत्र में श्रीराम की तस्वीर, श्री राम ध्वज, दीपक और श्री राम मंदिर के इतिहास पर पुस्तकों का अनावरण और वितरण किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, निर्मल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा गया कि वे 22 जनवरी को अयोध्या श्री राम मंदिर के उद्घाटन के दिन हर घर में पांच दीपक जलाकर दिवाली मनाएं। उन्होंने कहा कि हर घर के ऊपर श्री राम का झंडा लगाया जाना चाहिए। कहा कि हर घर में श्री राम पूजा होनी चाहिए और श्री राम के नाम का स्मरण होना चाहि। इस कार्यक्रम में बीजेपी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

लोगों ने लगाया अवैध शराब की बिक्री किये जाने का आरोप

मदनूर, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र की जनता ने शराब दुकान ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए बताया कि निजामसागर, पिटलमबड़ा, कोडपगल, मदनूर, बिचकुंदा, जुक्कल, मंडल में तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार टेंडर द्वारा 1 दिसंबर से नयी शराब दुकान का प्रारंभ किया गया है, लेकिन शराब दुकान के ठेकेदार मात्र आबकारी शाखाओं के नियमों को नजरअंदाज करते हुए जुक्कल विस क्षेत्र के विविध गांव में किराना दुकान, चाय की दुकान, होटल, ढाबा चलाने वाले व्यापारियों को अवैध तरीके से शराब उपलब्ध कर रहे हैं। इसके कारण गली"गली में अवैध शराब की दुकान नजर आ रही हैं। अवैध शराब दुकान के कारण गांव में जवान लड़कियां व महिला गुजरना मुश्किल हो चुका है।

इस समाचार के बारे में बिचकुंदा आबकारी अधिकारी सीआई सत्यनारायण को शनिवार अवैध शराब बिक्री के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि शराब दुकान ठेकेदार हर रोज एक व्यक्ति को एक कॉटन बीर, छह शराब की बॉतल बिक्री करना चाहिए। इसके साथ इस ग्राहक को आपनी दुकान के नाम से बिल देना चाहिए। अगर शराब दुकान ठेकेदार इन नियमों का पालन नहीं करते हुए अवैध तरीके से शराब डुप्लीकेट बिल बुक पर कॉटन कॉटन शराब की बोतलों के साथ दो दो बोरी शराब की बोतलें बिक्री करने वाले ठेकेदार पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्र निर्माण में विज्ञान शिक्षा का एक साधन होना चाहिए : जिला शिक्षा अधिकारी

आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2023 आज समाप्त हो गया। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों, शिक्षकों और प्राचार्यों को बधाई दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी पारसी अशोक ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 1% जनवरी 2024 से 20 जनवरी 2024 तक डीबीटी थिस्टी आरसीबी कैंपस, फरीदाबाद में किया गया था। प्रवालिका कस्तूरीबा विद्यालय, दहेगाम, जी मनीषा, कस्तूरीबा विद्यालय, कागजनगर कौशिक, जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय रासीपेली, वर्षित आदर्श विद्यालय आसिफाबाद, कृष्णा तेजा जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय रास्पेल्ली, अकबर अली जिला परिषद पेट्रोल पंप, कागजनगर ने भाग लिया। जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय पेट्रोल पंप लक्ष्मी प्रसन्ना कस्तूरीबा विद्यालय कागज नगर में भाग ले रहे हैं। यह दिन खत्म हो गया है।इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि यह महोत्सव प्रायोगिक शिक्षण को प्रोत्साहित करने के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर देने में उपयोगी होगा। नवोन्मेषी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जिला विज्ञान पदाधिकारी कटकम मधुकर ने कहा कि भारत का राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उपयोगी होगा।

वडोदरा नाव हादसा : हरणी लेक के मेंटेनेंस का ठेका स्नैक्स बनाने वाली कंपनी को मिला

कंपनी ने दूसरे को और दूसरे ने तीसरे को दिया

वडोदरा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा की हरणी लेक में हुए नाव हादसे में नया खुलासा हुआ है। लेक के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी एक अनुभवहीन कंपनी को दी गई थी।

साल 2016 में लेक का ठेका मेसर्स कोटिया प्रोजेक्ट को 30 साल के लिए दिया गया था। जबकि इस कंपनी को सिर्फ स्नैक्स यानी नाश्ता बनाने का ही अनुभव है। कॉन्ट्रैक्ट के समय कंपनी का बैंक बैलेंस शून्य था और उस समय कोई आईटी दस्तावेज भी जमा नहीं किए गए थे।

हैरान करने देने वाली बात है कि कोटिया प्रोजेक्ट्स के जरिए लेक की देखरेख करने का ठेका परेश शाह को मिला था। उन्होंने यह ठेका फन टाइम अरीना नाम की कंपनी के मालिक नीलेश शाह को सौंप दिया। इसके बाद नीलेश ने भी यह ठेका आगे बढ़ाकर नयन गोहिल को दे दिया। नाव चालक नयन गोहिल लेक किनारे लॉरी चलाता है। दरअसल, हरणी लेक में 18 जनवरी को नाव पलटने के हादसे में 12 स्कूली बच्चों और दो टीचर्स की मौत हो गई थी। फिलहाल हादसे के बाद नगर निगम ने कोटिया प्रोजेक्ट्स के कॉन्ट्रैक्ट को समाप्त कर दिया है।

विरोध होने पर टेंडर रद्द हुआ, फिर दो महीने बाद दिया गया :

लेक का टेंडर देने के दौरान विपक्ष ने इसका विरोध भी किया था। इसके चलते टेंडर प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था, लेकिन दो महीने बाद ही टेंडर को मंजूरी दे दी गई। मामले में वडोदरा नगर निगम के विपक्ष के नेता अमी रावत ने कहा कि राजनीतिक दबाव में यह ठेका दिया गया था। इसके लिए उस समय के सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मेसर्स कोटिया के मैनेजमेंट के खिलाफ भी दर्ज हुई एफआईआर :

हादसे के बाद मेसर्स कोटिया प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है कि हरणी लेक जोन में काम का वर्क ऑर्डर मेसर्स कोटिया प्रोजेक्ट को सौंपा गया है। इससे कंपनी परिसर में बोटिंग, खाना-पीना, बैंक्वेट हॉल वाटर पार्क जैसी मनोरंजक सुविधाएं मुहैया कराती है। इसलिए हादसे की पूरी जिम्मेदारी मेसर्स कोटिया प्रोजेक्ट की है।

सुप्रीम कोर्ट में भी जनहित याचिका दायर :

नाव हादसे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी जनहित याचिका दायर की गई है। यह याचिका मोरबी ब्रिज त्रासदी में 112 पीड़ित परिवारों की ओर से केस लड़ रहे वकील उत्कर्ष दवे ने दायर की है। याचिका में दवे ने स्कूल के प्रिंसिपल और ट्रस्टियों के खिलाफ कार्रवाई और वडोदरा कलेक्टर और नगर आयुक्त को निलंबित करने की मांग की है।

पुलिस ने जनता से मांगी मदद :

वडोदरा पुलिस ने लेटर जारी करके जनता से कहा है कि हादसे के संबंध में कोई भी जानकारी, फोटो, वीडियो, सीसीटीवी फुटेज हो तो उपलब्ध कराएं। पुलिस ने यह भी कहा कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। अगर कोई अपना बयान दर्ज करवाना चाहता है तो उसे हरणी पुलिस स्टेशन के जांच अधिकारी से संपर्क करने की भी अपील की है।

बड़ौदा बार एसोसिएशन के वकील नहीं लड़ेंगे केस :

हरणी नाव हादसे पर बड़ौदा बार एसोसिएशन ने कहा कि वकील किसी भी आरोपी का केस नहीं लड़ेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष नलिन पटेल ने कहा कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के प्रति हैं।

हादसे में हुई 12 बच्चों और 2 टीचर्स की मौत :

18 जनवरी को वडोदरा के हरणी लेक में नाव पलट गई थी। इस पर स्कूली बच्चे और टीचर्स सवार थे। रेस्क्यू के दौरान 20 लोगों को निकाला गया, जिनमें 12 बच्चों और 2 टीचर्स की मौत हो गई। नाव में सवार बाकी 11 बच्चे और 2 टीचर को बचा लिया गया है। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

वडोदरा के कलेक्टर एबी गोरे ने बताया कि 16 कैपेसिटी वाले नाव में 31 लोगों को बैठा लिया था। इसीलिए हादसा हुआ। हादसे का शिकार हुए सभी बच्चे वडोदरा के न्यू सनराइज स्कूल के हैं। सबकी उम्र 8 से 13 साल के बीच है। सभी बच्चे टीचर्स के साथ स्कूल पिकनिक के लिए लेक गए थे। लेक की सैर के दौरान बच्चे और टीचर्स सेल्फी लेने के लिए नाव में एक तरफ आ गए थे। इससे नाव एक तरफ झुककर पलट गई।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होगी फ्रांसीसी सेना की टुकड़ी

फ्रांस के बैंड, मार्चिंग कंटीजेंट के साथ 2 राफेल जेट ने फ्लाई पास्ट रिहर्सल की

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 75वें गणतंत्र दिवस के लिए परेड रिहर्सल चल रही है। शनिवार को इस रिहर्सल में फ्रांस की सेना ने भी हिस्सा लिया। कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड में इस बार फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों शामिल हो रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस बार परेड में फ्रांसीसी सेना की 95 जवानों वाली मार्चिंग कंटीजेंट, 33 जवानों का बैंड और फ्रांसीसी वायुसेना के राफेल जेट और मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। शनिवार को इन सभी ने परेड की रिहर्सल की। भारतीय सेना भी 14 जुलाई 2023 को फ्रांस की बैस्टिल डे परेड में शामिल हुई थी। जिसका नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव ने किया था। बैस्टिल डे परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

गणतंत्र दिवस के लिए सुरक्षा बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल 13 जनवरी से शुरू हुई है। यह 21 जनवरी तक चलेगी। इस दौरान विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्यपथ सुबह 10.15 बजे से 12.30 बजे तक ट्रैफिक के लिए पूरी तरह बंद रहेगा।

परेड के दौरान 16 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों और नौ मंत्रालयों व विभागों की झांकियां शामिल होंगी। इन राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा तेलंगाना का नाम है।

इनके अलावा गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एविएशनन और जलमार्ग मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान केंद्र (सीएसआईआर), निर्वाचन आयोग और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) मंत्रालय की झांकियां नजर आएंगी।

रक्षा सचिव ने बताया कि कुछ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने परेड में झांकी शामिल न होने पर चिंता जाहिर की थी। इसे दूर करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक 3 साल की रोल-ओवर योजना बनाई है। इन तीन सालों में सभी राज्यों को रोटेशन के जरिए समान भागीदारी मिलेगी। ऑल टेरेन व्हीकल और स्पेशलिस्ट मोबिलिटी व्हीकल के कंटीजेंट कमांडर मेजर तूफान सिंह चौहान ने रिहर्सल के दौरान बताया कि इस व्हीकल का इस्तेमाल रेगिस्तानी, पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में सैनिकों के ट्रांसपोर्टेशन के लिए किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

हेमंत सोरेन

उन्होंने कहा, मैंने ईडी के सवालों के जवाब दिया है। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं के हौसले को सलाम कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं ईडी के सवालों से डरने वाले नहीं हूं।

सीएम ने कहा कि झारखंड का संघर्षों का इतिहास रहा है। ना हम कभी झुके थे और ना कभी झुकेंगे। गोली खाने की जरूरत होगी तो सबसे पहले आपके नेतृत्व कर्ता के तौर पर हम गोली खाएंगें। हम कभी झुकेंगे नहीं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पैदल ही सीएम हाउस के पीछे के गेट की ओर बढ़ गए। बाद में इनोवा गाड़ी में बैठ कर सीएम हाउस चले गए।

सीएम हेमंत से लैंड स्कैम केस को लेकर सवाल-जवाब किए गए। मुख्यमंत्री आवास के बाहर जेएमएम के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे। इसलिए फोर्स बढ़ा दी गई थी। प्रशासन ने सीएम हाउस के बाहर शाम 7 से 11 बजे तक धारा-144 लगाने का आदेश जारी किया गया था।

ईडी की टीम 9 गाड़ियों के काफिले में सीएम हाउस पहुंची थीं। इनमें से 3 गाड़ियों में अधिकारी थे, जबकि 6 गाड़ियां उनकी सुरक्षा में तैनात थीं। ईडी के कुल 7 अधिकारी पूछताछ के लिए रांची पहुंचे हैं। इनमें तीन अधिकारी दिल्ली से आए हैं।

ज्ञानवापी टैंक की ...

वजूस्थल की सफाई के बाद मछलियों को बाहर निकाला गया। इनमें से 17 मछलियां मरी पाई गईं, जिन्हें नगर निगम को सौंप दिया गया। वहीं, 38 जिंदा मछलियों को प्रशासन की मौजूदगी में मुस्लिम पक्ष को सौंपा गया। इसके बाद पूरे परिसर को फिर से सील कर दिया गया है। संरचना से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। दोनों पक्षों ने संतुष्टि के साथ हस्ताक्षर किया। हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी ने डीएम से मांग की कि टैंक की मछलियां भगवान की हैं। उन्हें गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए। हालांकि, डीएम ने कहा कि टैंक में मिलने वाली मछलियों पर मुस्लिम पक्ष का दावा है। उनका कहना है कि जो मछलियां जीवित निकलेंगी, वह उन्हें सौंपी जाएं।

टैंक की सफाई की शनिवार सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो दोपहर एक बजे तक चली। पानी दो घंटे में निकाला गया। इसकी फोटो और वीडियोग्राफी करवाई गई। टैंक से पानी निकालने के लिए फायर बिग्रेड की गाड़ियों को भी बुलाया गया था। 26 लोगों की जो टीम अंदर गई थी, उसमें 15 निगम के सफाईकर्मी थे। इसके अलावा, सीआरपीएफ कमांडेंट, हिंदू और मुस्लिम पक्ष के वादी और वकील मौजूद रहे।

17 जनवरी को हिंदू पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने डीएम की देख-रेख में टैंक की सफाई करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि टैंक में मिली संरचना से छेड़खानी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, हिंदू पक्ष का दावा है कि टैंक में मिली संरचना शिवलिंग है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे फव्वारा बता रहा है। विवाद के चलते मई-2022 से वजूस्थल पर बना टैंक सील है।

वकील विष्णुशंकर जैन ने दाखिल की थी याचिका :

2 जनवरी 2024 को हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के सील वाले इलाके की साफ-सफाई को लेकर मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि कथित शिवलिंग के पास मौजूद पानी के टैंक में मछलियां मर गई हैं। उसे मई 2022 से साफ नहीं किया गया। इस पर मंगलवार यानी 17 जनवरी को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सफाई का आदेश दिया।

'एक साथ चुनाव ...

पिछले साल के शुरूआत में ईवीएम की लागत करीब 7,900 रुपये प्रति बैलेट यूनिट, 9,800 रुपये प्रति कंट्रोल यूनिट और 16,000 रुपये प्रति वीवीपीएटी थी। चुनाव आयोग ने यह जानकारी कानून मंत्रालय की ओर से भेजे गए सवालों के जवाब में कही। आयोग ने अतिरिक्त मतदान और सुरक्षाकर्मियों, ईवीएम के लिए भंडारण सुविधाओं में वृद्धि और ज्यादा वाहनों की जरूरत पर भी जोर दिया।

आयोग ने यह भी कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का एक साथ पहला चुनाव 2029 में ही हो सकता है और इसके लिए संविधान के पांच अनुच्छेदों में संशोधन की जरूरत होगी। जिन अनुच्छेदों में संशोधन की जरूरत होगी, उनमें अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 शामिल हैं।

भारत जोड़ो न्याय ...

पहला- हमें आरएसएस-भाजपा के लिए उनकी वफादारी का कोई नया सबूत नहीं चाहिए। दूसरा- जिस रास्ते से जेपी नड्डा जी की रैली निकली थी, उसी रास्ते से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकालने की अनुमति दें।

पार्टी नेता गौरव गोगोई ने कहा, हम जहां 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के द्वारा असम की सुंदरता, सांस्कृतिक इतिहास और समन्वय को प्रकाशित कर रहे हैं। वहीं, भाजपा सरकार अपनी छोटी मानसिकता से बार-बार लोगों को परेशान कर रही है।

राहुल गांधी विभिन्न स्थानों पर जाकर शांति और अमन की प्रार्थना कर रहे हैं और इस यात्रा को भरपूर जन-समर्थन मिल रहा है। भाजपा के गुंडे अलग-अलग शहरों में जाकर दुकानदार, व्यापारियों, ठेला चालकों, युवाओं को धमकी दे रहे हैं। इससे पता चलता है कि भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की नींद उड़ चुकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में भाजपा ने देश की जनता को संविधान की ओर से मिले हर अधिकार और न्याय को मिटाने की कोशिश की है। भाजपा लोगों की आवाज दबाना चाहती है और इसके जरिए लोकतंत्र पर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन हमलों के लिए जिम्मेदार असम की भाजपा सरकार की इन चालों और हमलों से डरने वाली नहीं है। हम भाजपा के इन गुंडों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

आज राहुल अरुणाचल प्रदेश जाएंगे। वहां रात भर रुकने के बाद रविवार को वापस असम लौटेंगे। राहुल 18 जनवरी से असम में थे। वे 25 जनवरी तक यहां रहेंगे। राहुल गांधी अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के दिन असम के नागांव जिले में श्री शंकरदेव के जन्मस्थल बोरदोवा सत्रा जाएंगे।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नौवां दिन है। राहुल गांधी सुबह 7 बजे नगांव जिले के बोरदोवा सत्रा जाएंगे और श्री शंकरदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे का विरोध मार्च

कहा- मराठाओं को मूर्ख बना रही महाराष्ट्र सरकार, इस बार हम आरक्षण लेकर रहेंगे

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल आज जालना से मुंबई तक विरोध मार्च करेंगे। जरांगे मराठा आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार मराठाओं को मूर्ख बना रही है। उसने हमें आरक्षण देने को कहा था, लेकिन आज तक अपना वादा पूरा नहीं किया।

इससे पहले 25 अक्टूबर 2023 को मनोज जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में भूख हड़ताल शुरू की थी। मांग वही, मराठा समुदाय को ओबीसी का दर्जा देकर आरक्षण दिया जाए। 9 दिनों में आंदोलन से जुड़े 28 लोगों ने सुसाइड कर लिया। इसके बाद राज्य सरकार के 4 मंत्रियों धनंजय मुंडे, संदीपान भुमरे, अतुल सावे, उदय सामंत ने जरांगे से मुलाकात कर भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। उन्होंने स्थायी मराठा आरक्षण देने का वादा किया। इसके बाद 2 नवंबर 2023 को मनोज जरांगे ने अनशन खत्म कर दिया। साथ ही सरकार को 2 जनवरी 2024 तक का समय दिया।

मंत्रियों ने आरक्षण देने का वादा किया था :

कृषि मंत्री धनंजय मुंडे ने 2 नवंबर 2023 को कहा था कि विधानमंडल सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा। इस सत्र में 8 दिसंबर को मराठा आरक्षण पर चर्चा की जाएगी। जरांगे ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को स्थायी आरक्षण देने का वादा किया है। उन्होंने इसके लिए कुछ समय मांगा है। हम सबकी दिवाली मीठी बनाने के लिए सरकार को समय देंगे। अगर सरकार तय समय में आरक्षण नहीं देगी तो 2024 में हम फिर मुंबई में आंदोलन करेंगे।

महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में 1 नवंबर 2023 को सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सहमति जताई कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना ही चाहिए। इस बैठक में शरद पवार समेत 32 पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। बैठक के बाद सीएम शिंदे ने कहा था, यह निर्णय लिया गया है कि आरक्षण कानून के दायरे में और अन्य समुदाय के साथ अन्याय किए बिना होना चाहिए। आरक्षण के लिए अनशन पर बैठे मनोज जरांगे से अपील है कि वो अनशन खत्म करें। हिंसा ठीक नहीं है।

ओबीसी समुदाय मराठाओं को कुनबी सर्टिफिकेट देने के खिलाफ :

मराठा समुदाय को अलग से आरक्षण देने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। इसके बाद मनोज जरांगे पाटिल समेत कई लोग दावा कर रहे हैं कि मराठा समाज मूल रूप से कुनबी जाति से है। यानी मराठा समुदाय को कुनबी प्रमाणपत्र दिया जाता है तो आरक्षण मिलने पर उसे ओबीसी कोटे से लाभ मिल जाएगा।

फिलहाल राज्य में ओबीसी कोटे से आरक्षण 19 प्रतिशत है। ओबीसी समुदाय के संगठनों का मानना है कि अगर इसमें मराठा समुदाय को भी शामिल किया गया तो आरक्षण का फायदा नए लोगों को मिलेगा। हमारा विरोध मराठा आरक्षण से नहीं बल्कि उन्हें ओबीसी से आरक्षण देने को लेकर है।

गुरुनायक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में 13 से 15 जनवरी तक अयोजित ऑल इंड़िया इंटर यूनिवर्सिटी फेसिंग चैम्पियनशिप में शेख नाजिया को रजत और लोकेश को कांस्य पदम प्राप्त होने पर बधाई देते हुए हिन्दी महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, उप-प्राचार्या श्रीमती अश्विनी सनपूरकर, नीता कुलकर्णी तथा फिजिकल डायरेक्टर लेफ्टिनेट आकाश थापा।

पदोन्नत पुलिसकर्मी अधिक जिम्मेदारी एवं अनुशासन के साथ कर्तव्य निभाएं: सुरेश कुमार

आसिफाबाद 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने कहा कि जिले में हाल ही में एएस और हेड कांस्टेबल के पद पर प्रोन्नति पाने वालों की काउंसिलिंग पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी। आज जिले में हाल ही में एएसआई के रूप में पदोन्नत हुए रमेश, अनिल कुमार, चंद्रशेखर, साईबाबा, वेणुगोपाल, हेड कांस्टेबल के रूप में पदोन्नत हुए मुक्तार बेग, गणेश कुमार, पोचैया और दत्ता मोहम्मद ने जिले में काउंसलिंग की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। पुलिस कार्यालय आज। जिले के अंदर काउंसलिंग के माध्यम से वांछित स्थानों पर पोस्टिंग दी जाती है। इस मौके पर बोलते हुए जिले के एसपी ने सुझाव दिया कि सभी लोग निष्ठा और ईमानदारी से काम करें और जिले के पुलिस विभाग का नाम रोशन करें. वे कार्यस्थल पर सबके साथ मिलकर, सबके साथ समन्वय स्थापित करके और बिना दबाव के साथ मिलकर काम करके अपने सहकर्मियों के लिए एक आदर्श बनना चाहते हैं। वे अनुशासन के साथ कर्तव्यों का पालन करना चाहते हैं और लोगों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करना चाहते हैं। स्वस्थ और मजबूत रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करने, तनाव झेलने, प्रतिदिन योग और ध्यान करने और शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम में अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) अचेश्वर राव, डीपीओ एओ श्रीनिवास, टास्क फोर्स और विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप, रिजर्व वुड इंस्पेक्टर (प्रशासन) पेडन्ना, ए अधीक्षक और अन्य ने भाग लिया।

जाट समाज के भंवरजाल सुरेश गोदारा परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों जाट नेता देवाराम कासनिया, तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका का सम्मान किया गया। उपस्थित हैं रामलाल कासनीया, रूपाराम गोदारा, पारस चैधरी, हरीश रापड़िया, चोथाराम कासनिया, खेताराम जाट, चिमनाराम कासनीया, बाबुलाल भादु व अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टाटा ने खरीदे आईपीएल के टाइटल राइट्स

2028 तक टूर्नामेंट को स्पॉन्सर करेगा, एक सीजन के लिए 500 करोड़ देगा

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा कंपनी ने एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग के टाइटल राइट्स खरीद लिए। 5 साल के राइट्स कंपनी ने 2500 करोड़ रुपए में खरीदे, यानी एक IPL सीजन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को टाइटल स्पॉन्सर से 500 करोड़ रुपए मिलेंगे। इससे पहले भी टाटा के पास ही आईपीएल के टाइटल राइट्स थे। कंपनी ने 2022 में 730 करोड़ रुपए देकर 2023 तक के लिए राइट्स खरीदे थे।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने भी 2500 करोड़ की बोली लगाई

बीसीसीआई से टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने के बाद कंपनियों ने बोली लगाई। इसमें आदित्य बिड़ला ग्रुप ने 2500 करोड़ रुपए की बोली लगाई। बीसीसीआई ने फिर पिछले स्पॉन्सर टाटा से पूछा कि क्या वे भी इतनी बोली लगाने को तैयार है। टाटा ग्रुप ने भी 2500 करोड़ की बोली लगाई और स्पॉन्सरशिप उन्हें मिल गई।

बीसीसीआई ने एक महीने पहले आईपीएल के टाइटल राइट्स बेचने के लिए टेंडर जारी किया था। राइट्स खरीदने में इंटरेस्टेड कंपनियों को बीसीसीआई से 5 लाख रुपए का टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदना था। जिसकी आखिरी

तारीख 8 जनवरी थी।

बीसीसीआई ने अपने टेंडर डॉक्यूमेंट में ही साफ कर दिया था कि चीन की कंपनियां स्पॉन्सरशिप में बोली नहीं लगा सकतीं। भारत और चीन के बीच बॉर्डर और राजनीतिक विवाद के कारण बीसीसीआई ने चाइनीज कंपनियों से स्पॉन्सरशिप नहीं लेने का फैसला किया। इससे पहले 2021 में चीन की टेक कंपनी वीवो ही आईपीएल की टाइटल स्पॉन्सर रही थी।

इस समय आईपीएल का टाइटल स्पॉन्सर टाटा है। यानी आईपीएल को सिर्फ आईपीएल नहीं, टाटा आईपीएल कहा जाएगा। मतलब लीग के नाम से पहले ब्रांड का नाम। जैसे 2008 में डीएलएफ आईपीएल कहा जाता था। इसे ही टाइटल स्पॉन्सरशिप कहते हैं, जिसके लिए कंपनियां बोली लगाकर डील हासिल करती हैं। साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे, वहीं 2024 में ये आंकड़ा सालाना 500 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। टाटा और बीसीसीआई के बीच 5 साल की डील हुई है, जिसके लिए टाटा ने कुल 2500 करोड़ दिए हैं।

इस साल आईपीएल का 17वां सीजन खेला जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, टूर्नामेंट 22 मार्च से शुरू हो सकता है, लेकिन देश में लोकसभा चुनाव की तारीखें जारी नहीं होने के कारण अब तक आईपीएल शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। पिछला टूर्नामेंट 31 मार्च से 28 मई 2023 तक चला था। तब चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराकर खिताब जीता था।

आईपीएल के नए सीजन के लिए मिनी ऑक्शन पिछले महीने 19 दिसंबर को हुआ था। 10 टीमों ने 230.45 करोड़ रुपए में 72 प्लेयर्स खरीदे, इनमें 30 विदेशी शामिल रहे।

मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलियाई पेस जोड़ी पर रिकॉर्डतोड़ बोली लगी। स्टार्क को कोलकाता ने 24.75 करोड़ में खरीदकर फ्रेंचाइजी इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी बनाया। वहीं कमिंस को हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा।

सानिया मिर्जा से तलाक की खबरों के बीच शोएब मलिक ने की शादी

इस्लामाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक शादी के बंधन में बंध गए हैं. शनिवार सुबह उन्होंने अपनी शादी की तस्वीर शेयर की है, शोएब ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी की है.शोएब की शादी इससे पहले भारत की टेनिस सनसनी सानिया मिर्जा से हुई थी, लेकिन कुछ वक्त पहले ही दोनों की तलाक की खबरें आई थीं और अब इस बीच शोएब मलिक की शादी की खबर सामने आई है.

अभी दो दिन पहले ही सानिया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि तलाक काफी मुश्किल होता है और शादी भी काफी मुश्किल होती है. तभी ये संकेत सामने आ रहे थे कि शायद शोएब मलिक और सानिया मिर्जा का तलाक हो गया है.

पिछले करीब एक साल से ही अफवाह चल रही थी कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है और दोनों ही अलग हो सकते हैं, जिसकी अब पुष्टि हो गई है. बता दें कि शोएब मलिक और सानिया मिर्ज़ा की शादी 12 अप्रैल 2010 में हुई थी, तब भारत में इस मसले पर काफी विवाद भी हुआ था. दोनों की शादी हैदराबाद में हुई थी, साल 2018 में दोनों का एक बेटा भी हुआ था. लेकिन कोरोना के बाद से ही दोनों के बीच तनाव पैदा हुआ था और दोनों ही अलग रह रहे थे, हालांकि कुछ वक्त पहले सानिया और शोएब ने साथ मिलकर एक पाकिस्तानी शो भी होस्ट किया था. 41 साल के शोएब मलिक ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की हैं.सना जावेद पाकिस्तानी टीवी एक्ट्रेस हैं और उनकी भी ये दूसरी शादी है. सना जावेद इससे पहले पाकिस्तानी सिंगर उमर जसवाल के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन उन्होंने अब शोएब मलिक से शादी की है.

सना और उमर ने अपनी पुरानी सभी तस्वीरें इंस्टाग्राम से डिलीट भी कर ली हैं. सना की पहली शादी साल 2020 में हुई थी, जबकि अब साल 2024 में दूसरी शादी हुई है.

ओलंपिक में नहीं दिखेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

क्वालीफायर में जापान से हार के बाद टूटा सपना

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम का इस साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में खेलने का सपना टूट गया। टीम को रांची में एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में तीसरे स्थान के प्लेऑफ मैच में जापान के खिलाफ 0-1 से हार मिली। भारतीय महिला हॉकी टीम 2016 के बाद पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। टीम इंडिया इससे पहले सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ हार गई थी। सेमीफाइनल में जर्मनी से हार के बाद भारतीय टीम को ओलंपिक में क्वालीफाई करने का दूसरा मौका मिला था, लेकिन टीम इसे भुनाने में कामयाब नहीं हुई। पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। उसने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन पदक जीतने से चूक गई थी। टीम चौथे पायदान पर रही थी। ओलंपिक क्वालीफायर में 10 में से तीन टीमों को पेरिस का टिकट मिलना था। भारतीय टीम इससे पहले जापान के खिलाफ पिछले पांच मैचों में जीत चुका था, लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। टीम ने पेनल्टी कॉर्नर गंवाए।

भारतीय महिला टीम 1980 के बाद 2016 ओलंपिक में खेली थी। इस दौरान टीम आठ ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं बन पाई थी। 2016 से टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ था। 2022 में तो उसने चौथा स्थान भी हासिल कर लिया था। अब एक बार फिर से उसे निराशा हाथ लगी है। टीम के पास चौथी बार ओलंपिक में खेलने का मौका था, लेकिन उसने इसे गंवा दिया।

जापान के लिए इकलौता गोल उराता काना ने किया। उन्होंने छठे मिनट में ही अपनी टीम को बढ़त दिला दी। उसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार हमले किए। दूसरे, तीसरे और चौथे क्वार्टर में टीम इंडिया ने जापान को गोल नहीं कर दिया। हालांकि, बेहतर डिफेंस के साथ दमदार आक्रमण की भी आवश्यकता थी। ऐसा भारतीय खिलाड़ी नहीं कर पाईं। उन्होंने गोल के कई मौके भी गंवाए। इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। जापान की टीम ओलंपिक में नजर आएगी। वह 2004 से लगातार सभी ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रही है। उसका क्रम इस बार भी नहीं टूटा।

प्रणय पहली बार इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में

ताइवान के वांग जू वेई को तीन गेमों के संघर्ष में हराया

नई दिल्ली, , 20 जनवरी (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के पदक विजेता एचएस प्रणय ने पहली बार इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। प्रणय ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ताइवान के विश्व नंबर 28 वांग जू वेई तीन गेमों के संघर्ष में 21-11, 17-21, 21-18 से हराया। उन्हें यह मुकाबला जीतने में एक घंटा 17 मिनट लगे।

31 वर्षीय प्रणय इससे पहले वांग से पांच मुकाबले जीत चुके थे और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दर्शक दीर्घा से आ रही एचएसपी-एचएसपी की आवाजों के बीच उन्होंने पहले गेम में 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने यह गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन वांग ने दूसरे गेम में जबरदस्त शुरुआत करते हुए 11-6 की बढ़त बनाई। इसके बाद प्रणय ने संघर्ष

किया, लेकिन यह गेम वांग के नाम रहा।

तीसरे गेम में वांग और प्रणय 5-5 की बराबरी पर थे, लेकिन वांग ने ब्रेक के दौरान 11-9 की बढ़त बना ली। यहां से प्रणय ने वापसी की और स्कोर 12-12 कर दिया। दोनों खिलाड़ी अंक बनाने का मौका नहीं चूक रहे थे। स्कोर 15-15 था। इसके बाद उन्होंने 18-16 की बढ़त बनाई। प्रणय का अनुभव यहां काम आया। उन्होंने शांत रहते हुए यह गेम 21-18 से जीतकर मैच भी जीत लिया। प्रणय सेमीफाइनल में चीन के शी यूकी से भिड़ेंगे, जिन्होंने जापान के कोकी वातानाबे को 23-21, 21-13 से हराया।

सर्वोच्च वरीय एन से यंग बाहर

इससे पहले महिला एकल में सर्वोच्च वरीय कोरिया की एन से यंग को चोट के चलते हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर की जिया मिन यू के सामने उन्हें मुकाबला दूसरे गेम में छोड़ना पड़ा। उस वक्त वह 19-21, 0-3 से पिछड़ रही थीं। मिन सेमीफाइनल में पूर्व विश्व नंबर एक ताइवान की ताई जू यिंग से होगा। ताई ने चीन की हे बिंग जियाओ को 21-12, 21-12 से हराया। हांगकांग के ली च्यूक यी ने ओलंपिक पदक विजेता एंथोनी सिंसुका गिंटिंग को 21-17, 18-21, 21-13 से, जापान के कोडाई नरोका ने मलयेशिया के ली जी जिया को 13-21, 21-9, 21-16 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पीएम मोदी ने किया छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घाटन

5630 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के चेन्नई में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक भी मौजूद थे। यह गेम्स 31 जनवरी तक चलेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि इन खेलों के जरिए नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

यह पहली बार है जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन दक्षिण भारत में हो रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इस छठे संस्करण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 5630 से अधिक युवा एथलीट 26 खेलों विधाओं में अपना दमखम दिखाएंगे। यह खेल पूरे तमिलनाडु में चार स्थानों पर चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरई और त्रिचि में आयोजित किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा, "मैं देश भर से चेन्नई आए सभी एथलीटों और खेल प्रेमियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। आप सब मिलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की सच्ची भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं। तमिलनाडु के गर्मजोशी भरे लोग, खूबसूरत तमिल भाषा, संस्कृति और व्यंजन आपको निश्चित रूप से घर जैसा महसूस कराएंगे।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "खेलो इंडिया गेम्स, यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया विंटर गेम्स और खेलो इंडिया पैरा गेम्स आपको खेलने का मौका दे रहे हैं और नई प्रतिभाओं को भी आगे ला रहे हैं। मुझे खुशी है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स का शुभंकर वेलु नचियार है।

इस दौरान अनुराग ठाकुर ने बताया कि खेलो इंडिया जमीनी स्तर की प्रतिभा को तलाश कर उन्हें ओलंपिक में पदक जीतने लायक बन रहा है।

यह प्रधानमंत्री मोदी की ही दृष्टि और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है कि आज हमारा भारत ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई, पैरा एशियाई और कॉमनवेल्थ खेल सहित सभी प्रतिस्पर्धाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सरकार अपनी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही है इसलिए अब आप सभी युवा एथलीटों की भी जिम्मेदारी है कि मशाल उठाएं और भारत का परचम लहराएं।

अर्जुन मुंडा तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को भारतीय तीरंदाजी संघ का एक बार फिर अध्यक्ष चुन लिया गया। यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में शुक्रवार को हुए चुनाव में मुंडा सर्वसम्मति से चुने गए। वहीं दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को महासचिव चुना गया। भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। मुंडा पहले से ही तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष रहे हैं। जस्टिस प्रमोद कोहली की अगुवाई में चुनाव हुए, जबकि आईओए के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव पर्यवेक्षक की भूमिका में शामिल हुए। मुंडा ने कहा कि तीरंदाजी में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

शमी के वीडियो देखकर सीम गेंदबाजी सीख रहे इंग्लिश गेंदबाज

अबुधाबी में भारत जैसी पिचों पर प्रैक्टिस कर रही है टीम, पहला मैच 25 से

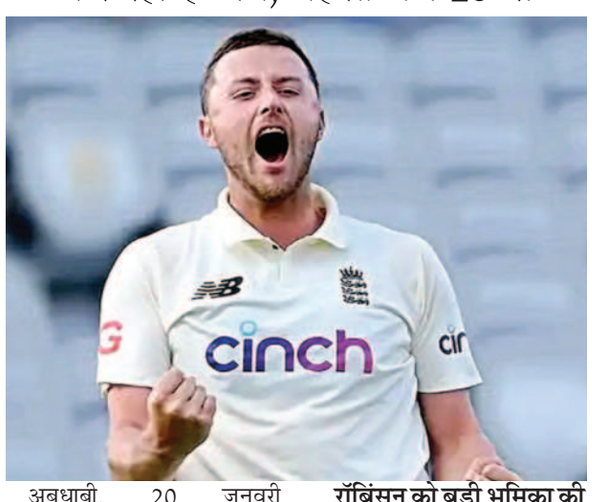

अबुधाबी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लिश गेंदबाज भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय पेसर मोहम्मद शमी के वीडियो देखकर 'सीम' का इस्तेमाल सीख रहे हैं। ओली रॉबिंसन ने कहा- 'मैं सच में मोहम्मद शमी की तरह सीधी सीम से गेंदबाजी करने की प्रैक्टिस कर रहा हूं। शमी भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है।'

30 साल के तेज गेंदबाज रॉबिंसन भारतीय दौरे पर आ रही इंग्लिश टीम का हिस्सा हैं। यह टीम इन दिनों अबुधाबी में भारत जैसी पिचों पर प्रैक्टिस कर रही है और वह पहले टेस्ट मैच के लिए 21 जनवरी को हैदराबाद पहुंचेगी। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 25 जनवरी से शुरू हो रही है और पहला मुकाबला हैदराबाद में खेला जाएगा।

रॉबिंसन को बड़ी भूमिका की उम्मीद

भारत के खिलाफ 2021 की सीरीज में नेट गेंदबाज की भूमिका निभाने वाले रॉबिंसन को उम्मीद है कि वे स्टुअर्ट ब्राड के संन्यास लेने के बाद वह आगामी श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इंग्लैंड के पिछले दौर में रॉबिंसन ने 21 विकेट लिए थे, लेकिन भारतीय विकटों पर चुनौती भिन्न तरह की होगी।

डब्ल्यूटीसी के लिहाज से अहम है यह सीरीज

5 मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। यह चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों टीमों के लिए अहम है। भारतीय टीम (54.16%) इस समय चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल के दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड (15.00) 7वें नंबर पर हैं।

गुरबाज बोले- रोहित के रिटायर्ड आउट से भी सीखा

कोई और लगातार 2 छक्के नहीं मार पाता; विरोध होता तो मैं दोबारा नहीं उतरता

शारजाह, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने भले ही तीसरे टी-20 के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के रिटायर्ड आउट का खुलकर विरोध न किया हो, लेकिन टीम के खिलाड़ियों का दर्द दबी जुबानी बाहर आ रहा है।

बेंगलुरु में 2 दिन पहले हुए इस मुकाबले में अफगानी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने कहा है- 'हमने रोहित शर्मा के रिटायर्ड आउट से भी बहुत कुछ सीखा है। हम उनका सम्मान करते हैं और उनके रिटायर्ड आउट होने से हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर मैं उनकी जगह होता, तो फील्डिंग टीम के विरोध करने पर मैं ऐसा नहीं करता।'

22 साल के गुरबाज की टीस भी निकली। उन्होंने आगे कहा, 'हां, सुपर ओवर में उनकी जगह दूसरा बल्लेबाज लगातार दो छक्के नहीं जमा पाता।' मुकाबले में अफगानी टीम भारत पर क्रिकेट इतिहास की पहली जीत हासिल करते-करते रह गई। गुरबाज ILT20 में दुबई कैपिटल्स का हिस्सा हैं। शारजाह में लीग की शुरुआत हुई। टीम का पहला मैच शनिवार को MI एमिरेट्स से होगा। जवाब ने कहा यदि दोनों टीम सहमत हैं, तो मेरे लिए रिटायर्ड आउट सही है। यदि मेरे पास मौका होता और सामने वाली टीम इसका विरोध करती, तो मैं ऐसा नहीं करता, क्योंकि यह नियम के हिसाब से गलत है।

मैं रोहित का सम्मान करता हूं, लेकिन एक बात कहूंगा कि अगर सुपर ओवर में उनकी जगह कोई और बल्लेबाज होता तो लगातार दो छक्के नहीं जमा पाता। बस यही कहूंगा कि उस मैच से भी हमने बहुत कुछ सीखा।

मैं काफी उत्सुक हूं। पिछले सीजन में भी खूब इंजॉय किया।

इस बार नई टीम से खेल रहा हूं। मैं बहुत खुश हूं और उम्मीद करता हूं कि हम टीम के लिए कुछ बेहतर करेंगे।

एक क्रिकेटर के तौर पर खुद को कंडीशन के हिसाब से ढालना होता है और यह बहुत जरूरी होता है। आप सही कह रहे हैं, यहां की कंडीशन भारत से अलग हैं और अन्य देशों में अलग पिचें होती हैं। ऐसे में आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना होता है।

यहां कुछ अच्छी पिचें हो सकती हैं, तो कुछ खराब भी होंगी। हमें पिच कंडीशन समझने की जरूरत है। जहां तक हमारी बात है तो हमें सिर्फ बॉल देखनी है और खेलना है।

मैं इस पर भरोसा नहीं करता हूं। मैं हमेशा स्किल्स और हार्ड वर्क पर भरोसा करता हूं। दूसरी टीमें भी मेहनत कर रही हैं। जहां तक टॉस की बात है, तो वह किसी के नियंत्रण में नहीं है। हो सकता है कि आप टॉस हार जाएं। इसका मतलब यह नहीं कि टॉस हारने पर गिवअप कर दें। मैं कहना चाहता हूं कि मेरे लिए टॉस उतना महत्व नहीं रखता है। जैसे मैंने बताया कि मैं स्किल्स और हार्ड वर्क पर विश्वास रखता हूं।

हर टीम चुनौतीपूर्ण है, आप किसी एक का नाम नहीं ले सकते हैं। यहां दुनिया भर के क्वालिटी प्लेयर खेल रहे हैं, खासकर टी-20 स्पेशलिस्ट। ऐसे में एक खिलाड़ी टी-20 मैच जिता सकता है। ऐसे में किसी भी टीम को हराया जा सकता है।

मेरा मानना है कि स्किल्स पर खेलो और मैदान पर हार्डवर्क करो।

किसी को हमारी टीम से इतनी उम्मीद नहीं थी। हमने वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। टी-20 में अफगानिस्तान मजबूत टीमों में से एक है। यही कहूंगा कि हम उम्मीद करते हैं, जैसा प्रदर्शन वनडे वर्ल्ड कप में किया है, वही स्किल्स टी-20 वर्ल्ड कप में भी दिखाएं।

हम वहां केवल खेलने नहीं जा रहे, बल्कि कुछ हासिल करने जा रहे हैं। हम कुछ स्पेशल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।

मैं बस यही कहूंगा कि मैं उन सभी फैंस को प्यार करता हूं। चाहे मैं नेशनल ड्यूटी में हूं या फिर आईपीएल में...वे जिस तरह से मुझे सभी जगह और हर परिस्थिति में सपोर्ट करते हैं वो अविश्वसनीय है। वे हमें बहुत प्यार करते हैं, मैं एग्रीशिएट करूंगा और सभी को शुक्रिया कहूंगा।

जका अशरफ ने पीसीबी के नए चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया

जुलाई 2023 में कार्यभार संभाला था, फरवरी में खत्म होना था

इस्लामाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जका अशरफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। लाहौर में मैनेजिंग कमेटी मीटिंग की अध्यक्षता करने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा की। अशरफ ने इस्तीफा देने का कोई कारण नहीं बताया।

अशरफ ने जुलाई 2023 में नजम सेठी की जगह कार्यभार संभाला था। उनका कार्यकाल इसी साल फरवरी में खत्म होने वाला था।

अशरफ ने पीसीबी को धन्यवाद दिया

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, मीटिंग के बाद जका अशरफ ने घोषणा की कि उन्होंने चेयरमैन पद से इस्तीफा प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर को सौंपने का फैसला किया है। बयान में आगे कहा गया, अशरफ ने अपने समापन भाषण पीसीबी को धन्यवाद दिया और पाकिस्तान क्रिकेट की बेहतरी के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रार्थनाएं दीं।

2011 से 2013 तक जका अशरफ रह चुके हैं पीसीबी चेयरमैन

जका अशरफ 2011 से 2013 में पीसीबी चेयरमैन रह चुके हैं। साल 2013 में इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने यह कहते हुए उन्हें पद से हटा दिया था कि उनकी नियुक्ति अवैध तरीके से हुई है। उस वक्त नजम सेठी को पीसीबी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि, एक साल बाद अशरफ को फिर से पीसीबी चेयरमैन की कुर्सी मिल गई थी।

वहीं जका अशरफ को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का समर्थन मिला है।

ऐसे में पीसीबी में कोई भी फैसला लेने से पहले उन्हें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मंजूरी लेनी होगी।

आर्थर, ब्रैडबर्न और पुटिक ने इस्तीफा दिया

मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने भी हाल ही में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। अप्रैल 2023 में मिकी आर्थर को पाकिस्तान मेंस क्रिकेट टीम का निदेशक नियुक्त किया गया था। ब्रैडबर्न को पिछले साल की शुरुआत में टीम का मुख्य कोच घोषित किया गया था। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू पुटिक अप्रैल 2023 से पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच थे।

टीएसआरटीसी कर्मचारियों के लिए दुर्घटना बीमा में वृद्धि

1.12 करोड़ रुपये तक बीमा कवरेज,टीएसआरटीसी का यूबीआई के साथ समझौता

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने अपने कर्मचारियों के लिए दुर्घटना बीमा बढ़ाने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के मुताबिक.. 40 लाख से रुपए दुर्घटना बीमा बढ़ाकर रुपए टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जना यूबीआई सीजीएम और जोनल हेड भास्कर राव ने शनिवार को हैदराबाद के बस भवन में दुर्घटना बीमा में वृद्धि पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह

दुर्घटना बीमा उन कर्मियों पर लागू होगा जिनकी सड़क दुर्घटनाओं के कारण समय से पहले मृत्यु हो जाती है या स्थायी रूप से विकलांग हो जाते हैं। यूबीआई सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट (यूएसएसए) के तहत रुपये का दुर्घटना बीमा के साथ रुपे कार्ड के माध्यम से अन्य 12 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज है। कंपनी यूबीआई के सहयोग से प्रभावित परिवारों को बिना किसी प्रीमियम का भुगतान किए 1.12 करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा प्रदान करेगी। यह दुर्घटना बीमा 1 फरवरी से लागू होगा। इस मौके पर कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने कहा कि बिना कोई प्रीमियम चुकाए दुर्घटना बीमा को 1.12 करोड़ रुपये तक बढ़ाना अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि यह उन कर्मियों के परिवारों के लिए बहुत उपयोगी होगा जिनकी सड़क दुर्घटनाओं में असामयिक मृत्यु हो गई और वे स्थायी रूप से विकलांग हो गए। उन्होंने यूबीआई अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जो दुर्घटना बीमा बढ़ाने पर सहमत हुए। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दुर्घटना बीमा में बढ़ोतरी का स्वागत किया और कहा कि इससे कर्मचारियों को काफी फायदा होगा।उन्होंने कहा कि यूबीआई सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट के तहत सड़क दुर्घटना में मृत 12 कर्मियों के परिवारों को 40 लाख रुपये दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि पहले दुर्घटना बीमा वेतन स्लैब के साथ दिया जाता था, लेकिन इस नए समझौते में वेतन स्लैब के बावजूद प्रत्येक कर्मचारी के लिए 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा लागू है। उन्होंने बताया कि अगर आपके पास रुपे कार्ड है तो आपको 12 लाख रुपये का बीमा और मिलेगा। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी प्रबंधन ने दो साल पहले कर्मचारियों और कर्मचारियों के वेतन खातों को यूबीआई में बदल दिया था और इस खाते के माध्यम से मुफ्त दुर्घटना बीमा की सुविधा है। उन्होंने कहा कि सस्था घर के मुखिया को खोने वाले परिवार के सदस्यों के साथ खड़ी है और यह निःशुल्क दुर्घटना बीमा प्रभावित परिवार के लिए एक सहारा है ताकि वे अपना मनोबल और साहस न खोएं। उन्होंने याद दिलाया कि संगठन कर्मचारियों के कल्याण को उच्च प्राथमिकता देता है। यह सुझाव दिया जाता है कि कर्मचारियों को यूबीआई के मुफ्त दुर्घटना बीमा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए और जांचना चाहिए कि यह यूएसएसए खाते में है या नहीं। सभी को रुपे सेलेक्ट कार्ड लेना चाहिए और उससे लेनदेन करना चाहिए, तभी उन्हें 12 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिल सकेगा। कंपनी के सीवीओ डॉ. वी. रविंदर, ईडी एस कृष्णकांत, पीवी मुनिशेखर, विनोद कुमार, वेंकटेश्वरलू, वित्त सलाहकार विजया पुस्फा, सीपीएम उषादेवी, यूबीआई के महाप्रबंधक कृष्णन, डिप्टी जोनल प्रमुख रवि कुमार, अरविंद कुमार, सिकंदराबाद क्षेत्रीय प्रमुख अरुण कुमार उपस्थित थे। इस आयोजन में इसके अलावा, टीएसआरटीसी एचवीओडी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

भगवान राम सभी के हैं : एन वी सुभाष

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने जोर देकर कहा कि भगवान राम "न्याय और धर्म" (न्याय और मानवता) के प्रतीक हैं और भगवान इस भूमि पर किसी भी धर्म या जाति के नहीं हैं। विपक्षी दलों द्वारा अयोध्या में राम मंदिर "प्राण प्रतिष्ठा" समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता ने कहा, "विपक्षी दल विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी भगवान राम में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अनादर कर रही है, हालांकि उन्होंने शासन किया है।" उन्होंने कहा कि भगवान राम का अभिषेक किसी पार्टी या संगठन से संबंधित नहीं है, यह उन मनुष्यों द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक पवित्र समारोह है जो अपने पद या पद की परवाह किए बिना भगवान में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार देश के लोगों की 500 साल पुरानी लंबे समय से लंबित मांग को नौ साल में साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा इस बात को स्वीकार करते हैं कि हर कार्यक्रम और समारोह को देश के 140 करोड़ लोगों का आशीर्वाद मिलता है। देश । जबकि कांग्रेस अपनी हीन भावना के कारण राजनीतिक लाभ लेने के लिए एक विशेष समुदाय को खुश करने में लगी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस कार्यकर्ता उस धार्मिक समारोह में भाग लेने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसका कांग्रेस आलाकमान ने बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इस रिपोर्ट पर कि यूपी कांग्रेस के नेता 22 जनवरी के बाद अयोध्या का दौरा करेंगे, सुभाष ने कहा, 'भगवान राम में आस्था रखने वाले भारत के सभी नागरिक भगवान राम की पूजा के लिए उस स्थान पर जा सकते हैं जैसे वे देश भर के अन्य ऐतिहासिक और डरावने स्थानों पर जाते हैं। सुभाष ने तेलंगाना सरकार से 22 जनवरी को आधिकारिक अवकाश घोषित करके भगवान राम का आशीर्वाद लेने और तेलंगाना राज्य में आध्यात्मिक माहौल बनाने के लिए सभी मंदिरों को रोशन करने और पूजा समारोह करने के लिए एक जीओ जारी करने का आग्रह किया।

बाघ के हमले में मारे गए जानवरों के मालिकों को मिला मुआवजा

आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के बेजूर मंडल के मध्य में वन रेंज कार्यालय में वन विभाग के कर्मचारियों ने हाल ही में बाघ के हमले में मारे गए जानवरों के मालिकों को मुआवजा दिया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरले मल्लेश और मेकाला श्रीनिवास जानवरों की मौत हो गई।बेजूर रेंज में बाघ के हमले और वन विभाग से स्वीकृत राशि 16000 रुपये थी। मेकाला श्रीनिवास ने कहा कि स्थानीय एमपीटीसी परवीन सुल्ताना तेलंगाना जाविद और सरपंच अंसार हुसैन द्वारा 8000 के दो चेक सौंपे गए।एमपीटीसी परवीन सुल्ताना सरपंच अंसार हुसैन उपसरपंच अदुरी राजेश वन विभाग बेजूर रेंज अनुभाग अधिकारी एम श्रीनिवास मल्लिकार्जुन बीट अधिकारी बी अनीता डी संगत आर वेंकटेश कृषि विस्तार अधिकारी आर मीना बिजली अधिकारी राजेश और तेलंगाना नेता जाविद नौशाद हुसैन और अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल ने खैरताबाद हनुमान मंदिर की सफाई की

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज यहां खैरताबाद में श्री हनुमान मंदिर में गहन सफाई पहल की। मंडपों सहित पूरे मंदिर परिसर की सावधानीपूर्वक सफाई की गई। यह उपक्रम अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारी के लिए, प्रधान मंत्री के निर्देशानुसार पूजा स्थलों को साफ करने के राष्ट्रव्यापी प्रयास के साथ संरेखित है।

बीआरएस हमेशा तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए लड़ता रहा है: निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी ने आज कहा कि बीआरएस पार्टी हमेशा तेलंगाना के हितों के लिए लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन पानी के लिए हुआ था। उन्होंने कहा, "हमने राज्य के हितों से कभी समझौता नहीं किया है। तेलंगाना को पानी के मामले में स्थायी लाभ मिलना चाहिए।"

यहां तेलंगाना भवन में विधायक कालेरू वेंकटेश और पार्टी नेता गेलु श्रीनिवास के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, निरंजन रेड्डी ने कहा कि यह कहना गलत है कि पूर्व सीएम केसीआर ने कभी कृष्णा जल के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार ने केंद्र की शर्तें क्यों मान लीं। "केंद्र कह रहा है कि तेलुगु राज्य केआरएमबी के दायरे में आने के लिए सहमत हो गए हैं। यदि केआरएमबी संयुक्त परियोजनाओं का प्रबंधन करता है, तो यह तेलंगाना के साथ गंभीर अन्याय होगा। यदि तेलंगाना द्वारा प्राप्त लक्ष्य पूरे नहीं हुए, तो नुकसान की संभावना है।" श्रीशैलम और नागार्जुनसागर परियोजनाओं को केआरएमबी के दायरे में लेना सही नहीं है।

हम राज्य सरकार के रवैये की कड़ी निंदा करते हैं। सरकार ने राज्य के हितों को केंद्र के पास गिरवी रख दिया है. यदि श्रीशैलम और नागार्जुनसागर को केआरएमबी को सौंप दिया जाता है, तो निर्माण के लिए आवश्यक परियोजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि जल विद्युत उत्पादन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और कहा कि राज्य को हर चीज में केंद्र पर निर्भर रहना होगा। उन्होंने कहा, ''इसलिए, राज्य के हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के हितों को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेड्डी ने कहा कि राज्य के शासक चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं कर पाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को वादों को लागू करने पर ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में पर्याप्त जल भंडारण है और मांग की कि यासांगी के लिए पानी छोड़ा जाना चाहिए। यह कहते हुए कि राज्य हरी फसलों से हरा-भरा हो रहा है, उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को यासांगी की खेती पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दावोस में सीएम रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां अप्रासंगिक थीं। उन्होंने सीएम से सवाल किया कि वह राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मुद्दे पर क्यों नहीं बोल रहे हैं।

सैनिक के रूप में कार्य करने के लिए तैयार रहें महिलाएं : कलेक्टर

आसिफाबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि लड़कियों, महिलाओं और कर्मचारियों को बड़े होकर सैनिक बनना चाहिए और किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। शनिवार को जिला केंद्र के समाहरणालय भवन सभाकक्ष में लड़कियों और महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न पर आयोजित स्मार्ट योदा महिला स्वरोजगार कार्यक्रम में आदिलाबाद महिला स्वरोजगार समन्वयक माधवी के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दैनिक जीवन में लड़कियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं महिलाओं को कई प्रकार के यौन उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न एवं दहेज उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है तथा कर्मचारियों को उनके कार्यालयों में उनके वरिष्ठों द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने कहा कि हर लड़की, छात्रा, कर्मचारी और महिला को साहस के साथ किसी भी परिणाम का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए और हर महिला को बड़े होकर एक सैनिक बनना चाहिए। कस्तूरीबा गांधी बालिका विद्यालय-आसिफाबाद की छात्राओं को समाज में अपने दयनीय जीवन में लड़कियों, महिलाओं और श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। इसके बाद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को महिलाओं को होने वाली समस्याओं से निपटने के उपाय बताए गए। इस कार्यक्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी सावित्री, जिला शिक्षा पदाधिकारी अशोक, कर्मचारी, शि टीम के सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.